हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 182, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 18 दिसम्बर, 2021 दिन शनिवार गाजीपुर/वाराणसी

हर साल सात दिन के लिए मनाएं नदी उत्सव : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने अखिल भारतीय मेयर सम्मेलन का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी में आयोजित अखिल भारतीय मेयर सम्मेलन का वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन किया। देश के विभिन्न हिस्सों से उपस्थित मेयर से उन्होंने देश हित में कई काम करने का आग्रह किया। वाराणसी के ट्रेड फैसिलिटी सेंटर में आयोजित इस सम्मेलन का विषय 'नया शहरी भारत' है। हर वर्ष सात दिन के लिए नदी उत्सव मनाएं। पूरे नगर को उसमें जोड़ें। अनेक शहर किसी न किसी नदी के तट पर हैं लेकिन काल क्रम में नदी किसी तरह तबाह हो गई। सिर्फ बरसाती होकर रह गई। इस नदी के प्रति संवेदनशील अप्रोच अपनाना चाहिए। आज दुनिया जल संकट, ग्लोबल वार्मिंग की बात करती है और हम नदी की बात न करें तो कैसे लड़ सकते हैं। सफाई करें, इतिहास पर चर्चा करें। उसके तट पर हुई घटनाओं के बारे में बात करें, कवि सम्मेलन समेत समारोह आयोजित करें। यानी नदी को नगर के विकास के केंद्र में रख कर चर्चा करें। आपके नगर में जान आ जाएगी। हर गली में एलईडी बल्ब लगवाएं और बिजली की बचत करें। इससे नगर पालिका, महानगर पालिका के बिजली का बिल काफी कम हो जाएगा और रोशनी भी अच्छी मिलेगी। घरों में बिजली का बिल कम होगा। अपने शहर की पहचान बनाएं, हो सकता है कोई शहर खाने की एक चीज के लिए जाना जाता हो। जैसे बनारस का पान, कहीं भी जाओ लोग जानते हैं। किसी ने मेहनत की होगी। आपके नगर में वैसा ही कोई प्रोडक्ट, ऐतिहासिक स्थान होगा। अपने शहर की ब्रांडिंग, किसी उत्पाद के जरिए करें। हम सभी को अपने शहरों की नदी के प्रति एक संवेदनशील अप्रोच अपनानी होगी। जिससे नदी साफ रह सके। काशी के गंगा घाट पर दुनियाभर के पर्यटक आते हैं। काशी की अर्थव्यवस्था को चलाने में माता गंगा को बहुत बड़ा योगदान है। शहरों में नदी उत्सव मनाया जाए। सात दिनों का

यह उत्सव हो। काशी का विकास पूरे देश के लिए विकास का एक रोडमैप बन सकता है। हमारे देश में ज्यादातर शहर पारंपरिक शहर ही हैं, यहां पर सभ्यता तथा संस्कृति पारंपरिक तरीके से ही विकसित हुई है। आधुनिकीकरण के इस दौर में हमारे इन शहरों की प्राचीनता भी उतनी ही अहमियत है। उत्तर प्रदेश ने पिछले पांच सालों में शहरी परिदृश्य में बहुत प्रगति और परिवर्तन देखा है। मैं मानता हूं कि शहर का जन्म दिवस हमें पता होना चाहिए। नहीं है तो खोजना चाहिए। बड़े तामझाम के साथ मनाना चाहिए। मेरा शहर कैसा हो, हर नागरिक के हृदय में भाव होना चाहिए। आजादी का अमृत महोत्सव में तीन बातें कही गयी हैं जो सामान्य आदमी कर सकता है। रंगोली महोत्सव, इसमें आजादी की किसी न किसी घटना से जुड़ी रंगोली बनाई जाए। इसे गणतंत्रत दिवस तक करें। आजादी के लिए आपके शहर में घटित घटनाओं पर रंगोली स्पर्धा हो। राज्य व देश की घटनाओं पर प्रतिस्पर्धा हो। माताओं बहनों को जोड़ कर लोरी प्रतियोगिता कर सकते हैं। इसमें इतिहास बताने के साथ भावी भारत कैसा होगा, उज्जवल भारत की लोरी सुनाएं। स्वच्छता को सालाना अभियान न बनाएं। हर माह स्पर्द्धा आयोजित करें।वार्ड से वार्ड की प्रतियोगिता कराएं। हर नगर अपना रिव्यू करे। देखे, दुकानों को कैसे रंगा गया है। दुकानों के बोर्ड कैसे लगे हैं। पते कैसे लिखे हैं। सिंगल यूज प्लास्टिक के संबंध में हम अपने नगर में कितने सजग हैं। दुकानदारों को समझाएं, लोगों को बताएं कि हम इसका एकदम उपयोग न करेंगे। गरीब की बनाई अखबार की थैलियां उपयोग में लाएं। झोला लेकर बाजार जाएं। अब तो दुनिया भर में सर्कुलर इकोनामी का बात हो रही है। इस पर प्रतियोगिता हो सकती है। वेस्ट से प्रोडक्ट बनाकर इसकी प्रदर्शनी लगाएं। वेस्ट मैनेजमेंट से रेवेन्यू माडल बन सकता है। सूरत में सीवेज ट्रीटमेंट से कमाई हो रही है। ऐसा अन्य शहर भी कर रहे हैं। सीवेज का पानी रियूज करें। इसे सिचाई में काम ला सकते हैं।

दो दिवसीय भारत दौरे पर फ्रांस की रक्षा मंत्री, पीएम मोदी और राजनाथ सिंह से करेंगी मुलाकात

नई दिल्ली। फ्रांस की रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पार्ली दो दिवसीय भारत दौरे पर हैं। भारत-फ्रांस के बीच रणनीतिक और रक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए वे यहां आई हैं। अपने दौरे के दौरान फ्रांस की रक्षा मंत्री पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगी। इसके अलावा वो अपने समकक्ष राजनाथ सिंह से भी मुलाकात करेंगी। फ्लोकेंस पार्ली का राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल से भी मिलने का कार्यक्रम है। फ्रांस के दूतावास ने इसकी जानकारी दी है। दूतावास ने आगे बताया कि वार्ता में व्यापक रूप से भारत-फ्रांस रक्षा सहयोग के पहलू शामिल होंगे। भारत दौरे पर आईं फ्रांस की रक्षा मंत्री ने कहा, मैं भारत आकर खुश हूं। भारत और फ्रांस की दोस्ती अनमोल है। हाल के वर्षों में हमारा एक-दूसरे पर विश्वास इतना बढ़ गया है कि भारत की गंगा नदी और फ्रांस की सिएन नदी के बीच दूरी कम लगती है। भारत और फ्रांस के बीच आज रक्षा वार्ता होनी है। दिल्ली के विज्ञान भवन में होने वाली इस वार्ता में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शिरकत करेंगे। रक्षा वार्ता में भारत और फ्रांस के बीच रक्षा सहयोग, आपरेशनल रक्षा सहयोग, आतंकवादी विरोधी सहयोग पर चर्चा होगी।

फडणवीस ने कांग्रेस को बताया पार्ट टाइम पार्टी, ममता-केजरीवाल भी निशाने पर

पणजी। भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह अब एक पार्ट टाइम पार्टी है जो धीरे-धीरे देश से गायब हो रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में अपने प्रयोग करने के लिए और विभाजन पैदा करने के लिए दिल्ली और पश्चिम बंगाल की पार्टियां कांग्रेस से पहले गोवा पहुंच गई हैं। वह आम आदमी पार्टी (आप) और ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का जिक्र कर रहे थे, जिन्होंने गोवा में आगामी चुनाव लड़ने के अपने फैसले की घोषणा की है।

फडणवीस बोले, प. बंगाल में नहीं बचा लोकतंत्र- उन्होंने तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में कोई लोकतंत्र नहीं बचा है और राज्य बेरोजगारी और अपराध के मामले में शीर्ष पर है। गोवा में भाजपा के चुनाव प्रभारी फडणवीस पोरवोरिम के पूर्व विधायक रोहन खुंटे के पार्टी में शामिल होने के बाद पणजी में लोगों को संबोधित कर रहे थे। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख सदानंद शेत तनवड़े भी इस दौरान मौजूद थे। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग यहां प्रयोग के लिए आए हैं। वे गोवा में अपनी पार्टियों का प्रयोग करना चाहते हैं। लेकिन गोवा के लोग यह सब समझते हैं। गोवा वासी जानते हैं कि उनके साथ कौन होगा और चुनाव के बाद कौन उड़ जाएगा। फडणवीस ने कहा कि दिल्ली और कोलकाता के राजनीतिक दल सिर्फ विभाजन पैदा करने और अपनी राजनीति खेलने के लिए गोवा आए हैं।

कांग्रेस पार्ट टाइम पार्टी रह गई है- उन्होंने कहा कि जब वे चुनाव हार जाते हैं, तो वे अगले चुनाव के दौरान लौटने के लिए पांच साल के लिए गायब हो जाते हैं। उनके पास गोवा के विकास के लिए कोई योजना या कार्यक्रम नहीं है। फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस धीरे-धीरे देश से गायब हो रही है। कांग्रेस देश में पार्ट टाइम पार्टी रह गई है। कांग्रेस के नेता पार्ट टाइम हैं, वे पूर्णकालिक राजनीति में नहीं आते हैं और इसलिए उनकी पार्टी भी पार्ट टाइम पार्टी बन गई है।

अंतिम सफर पर ग्रुप कैप्टन वरुण सिंहः भोपाल के बैरागढ़ विश्राम घाट पर भाई और बेटे ने दी मुखाग्नि

भोपाल। सीडीएस जनरल बिपिन रावत के साथ तमिलनाडु में हेलीकॉप्टर हादसे का शिकार हुए ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह भोपाल के बैरागढ़ विश्राम घाट पर राजकीय और सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनके भाई तनुल और बेटे रिद रिमन ने उन्हें मुखाग्नि दी। इससे पहले फूलों से सजे ट्रक में उनकी पार्थिव देह को सेना के 3-ईएमई सेंटर के मिलिट्री हॉस्पिटल से बैरागढ़ में यथाशक्ति विश्राम घाट पहुंची। पूरे रास्ते में लोगों ने भारत माता की जय, वरुण सिंह अमर सिंह के नारे लगाए। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी विश्राम घाट पहुंचकर शहीद को सैल्यूट किया।

हेलीकॉप्टर हादसा : गंगा में प्रवाहित हुई शहीद पृथ्वी सिंह चौहान की अस्थियां, बेटा-बेटी ने निभाई विसर्जन की रस्म

कासगंज। हेलिकॉप्टर हादसे में शहीद हुए विंग कमांडर पृथ्वी सिंह चौहान की अस्थियां शुक्रवार को गंगा में प्रवाहित हुईं। सोरों घाट पर अस्थियों को प्रवाहित किया गया। अस्थियां प्रवाहित करने के लिए

परिजन आगरा से सुबह गंगा घाट के लिए रवाना हुए। शहीद विंग कमांडर पृथ्वी सिंह चौहान की अस्थियां उनके पुत्र अविराज, पुत्री आराध्या और पत्नी कामिनी सिंह चौहान ने आदितीर्थ शूकरक्षेत्र, सोरोंजी स्थित हरि की पैड़ी (वराह-कुंड) में विसर्जित कीं। वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंख नम हो गई। आठ दिसंबर को वायुसेना का हेलिकॉप्टर तमिलनाडु के कुन्नूर क्षेत्र में क्रैश हो गया था। जिसमें जनरल बिपिन रावत, पत्नी सहित 14 जवानों के साथ वेलिंग्टन स्थित डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज जा रहे थे। रास्ते में ये हादसा हुआ। हेलीकॉप्टर हादसे में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) बिपिन रावत के साथ आगरा के लाल विंग कमांडर पृथ्वी सिंह भी शहीद हो गए थे। सरन नगर निवासी पृथ्वी सिंह चौहान ही हेलीकॉप्टर के पायलट थे। उनका अंतिम संस्कार आगरा में किया गया था। शहीद के सम्मान में महापौर ने सरन नगर का नाम शहीद पृथ्वी सिंह नगर रखने की घोषणा की है। वहीं ताजगंज मोक्षधाम के नए स्थल को भी शहीद के नाम पर समर्पित किया गया है। शहीद को श्रद्धांजलि देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य आगरा आए थे। शहीद विंग कमांडर पृथ्वी सिंह चौहान चार बहनों के इकलौते भाई थे। उनकी दो बहनें आगरा में ही रहती हैं। शहीद पृथ्वी सिंह चौहान ने आगरा के मिलिट्री अस्पताल में मां की आंख के इलाज के लिए कहा था, लेकिन उससे पहले ही पृथ्वी उनकी आंखों से ओझल हो गए। आर्मी स्कूल में दाखिले के बाद पृथ्वी सिंह ने एयफोर्स ज्वाइन की थी।

सरकार की नीयत साफ, नहीं लगा भ्रष्टाचार का कोई आरोप : अमित शाह

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश में भाजपा सरकार के आने से काफी बदलाव आया है। लोगों का लोकतंत्र पर विश्वास मजबूत हुआ है। एफआइसीसीआइ के 94वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा, 'जब मोदी सरकार ने सत्ता संभाली तो लोगों का लोकतंत्र से विश्वास कम होने लगा था। देश सोच रहा था कि क्या हमारी बहुदलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था विफल हो रही है। हमारी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि पीएम मोदी ने हमारी बहुदलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का विश्वास मजबूत किया।' इसके साथ ही गृह मंत्री ने कहा कि आलोचक भी इस बात से सहमत होंगे कि पिछले 7 सालों में देश में काफी बदलाव आया है। हमारी सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार का कोई आरोप सामने नहीं आया है। शायद हमारे कुछ फैसले गलत हो सकते थे, लेकिन कोई नहीं कह सकता कि हमारी मंशा गलत थी।

इसके साथ ही उन्होंने कहा,' जुलाई-सितंबर की जीडीपी 8.4 फीसद रही। मुझे पूरा यकीन है कि भारत 2021-22 में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में उभरेगा और अगर हम दो अंकों की वृद्धि को पार करते हैं तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा।'

कांग्रेस को महिला सशक्तिकरण की बात करने से पहले अपने नेता को करना चाहिए निलंबित : स्मृति ईरानी

बेंगलुरु। विवादित बयान देने के बाद कांग्रेस विधायक रमेश कुमार ने भले ही माफी मांग ली हो, लेकिन उनके खिलाफ विरोध थमता नहीं दिख रहा है। सपा सांसद जया बच्चन के बाद अब महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि कांग्रेस को महिला सशक्तिकरण की बात करने से पहले अपने नेता (रमेश कुमार) को निलंबित करना चाहिए। उसके बाद उत्तर प्रदेश में, 'मैं लड़की हूं लड़ सकती हूं' जैसे नारे लगाने चाहिए।

बता दें कि इससे पहले कांग्रेस विधायक के खिलाफ दिल्ली की एक एनजीओ ने शिकायत दर्ज कराई है। इस शिकायत में कर्नाटक राज्यपाल को विधायक के खिलाफ सख्त एक्शन लेने का अनुरोध किया गया है। बता दें कि बीते दिन 'दुष्कर्म' को लेकर दिए अपने बयान के चलते विधायक के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन हो रहा है। सपा सांसद और अभिनेत्री जया बच्चन ने भी कांग्रेस विधायक का विरोध

किया है। जया बच्चन ने कहा,' अगर इस मानसिकता के लोग राजनीतिमें हैं, तो कैसे उन्हें बदला जाए। हमें ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त एक्शन लेते दूसरे लोगों के लिए एक उदाहरण पेश करना चाहिए, जिससे कोई भी इस प्रकार कि टिप्पणी करनी की हिम्मत नहीं करेगा।' कांग्रेस पार्टी की मुश्किलें खत्म होने के बजाय लगातार बढ़ रही हैं। दरअसल, अब कर्नाटक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष के.आर रमेश कुमार ने विधानसभा में 'दुष्कर्म' को लेकर विवादित बयान दे दिया, जिसके बाद से लगातार उनकी और पार्टी की किरकरी हो रही है। अपने बयान के बाद 'मांफी' मांगने के मीडिया प्रश्न से वह बचते नजर आए। इसके बाद कर्नाटक सरकार में मंत्री शशिकला जोले ने भी विधायक पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि रमेश कुमार विधायक व स्पीकर रह चुके हैं। उनके प्रति काफी सम्मान है, लेकिन उन्होंने ऐसा विवादित बयान दिया है कि हमें उनके खिलाफ हम प्रदर्शन कर रहे हैं।

ममता सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका, पेगासस मामले में बंगाल की जांच कमेटी पर लगी रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पेगासस मामले की जांच के लिए पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा गठित जस्टिस मदन लोकुर की अध्यक्षता वाले आयोग की आगे की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने मामले में नोटिस भी जारी किया है। मालूम हो कि सुप्रीम कोर्ट पेगासस मामले की जांच के लिए पहले ही पैनल गठित कर चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने पेगासस मामले की जांच के लिए पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा गठित जस्टिस मदन लोकुर की अध्यक्षता वाले आयोग की आगे की कार्यवाही पर रोक लगाई।कोर्ट ने मामले मे नोटिस भी जारी किया। मालूम हो कि सुप्रीम कोर्ट पेगासस मामले की जांच के लिए पहले ही पैनल गठित कर चुका है। सुप्रीम कोर्ट इस संबंध में दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था। याचिकाकर्ता ने कहा था कि राज्य सरकार के जस्टिस लोकुर आयोग ने कोर्ट के आदेशों के बावजूद जांच जारी रखी है। सीजेआइ एनवी रमना ने कहा था कि बंगाल सरकार ने कहा था कि वो आगे नहीं बढ़ेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने पेगासस मामले की जांच के लिए 27 अक्टूबर को रिटायर जज जस्टिस आरवी रविंद्रन की अध्यक्षता में जांच के आदेश जारी

किए थे। हालांकि, सुनवाई के दौरान बंगाल सरकार ने भी भरोसा दिलाया था कि वो जांच में आगे नहीं बढ़ेंगे। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के कमेटी गठित करने के आदेश के बाद जस्टिस लोकुर कमेटी ने जांच जारी रखी है। इस संबंध में आयोग ने कुछ लोगों को नोटिस भी भेजा। इसके ही खिलाफ एनजीओ ग्लोबल विलेज फाउंडेशन ने सुप्रीम कोर्ट से सुनवाई करने की मांग की थी।

दिल्ली में एक ही दिन में ओमिक्रोन के 10 नए मामले, भारत में 98 हुई संक्रमितों की संख्या

नई दिल्ली। कोरोना वायरस का नया वैरिएंट ओमिक्रोन देश में तेजी से फैल रहा है। राजधानी दिल्ली में ही ओमिक्रोन के एक साथ 10 मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही दिल्ली में ओमिक्रोन के कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। ओमिक्रोन देश के अब तक 11 राज्यों में दस्तक दे चुका है। ओमिक्रोन के सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र में हैं। महाराष्ट्र में ओमिक्रोन के कुल 32 संक्रमित हैं। देशभर में ओमिक्रोन के कुल 98 मामले सामने आ चुके हैं। दिल्ली में ओमिक्रोन वैरिएंट के 10 नए मामले सामने आए हैं। दिल्ली में ओमिक्रोन के मामले बढ़कर 20 हो गए हैं। 20 मरीजों में से 10 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने इसकी जानकारी दी है।

देश में कहां कितने मामले

महाराष्ट्र- 32
राजस्थान- 17
आंध्र प्रदेश- 1
तमिलनाड़- 1
चंडीगढ़- 1
पश्चिम बंगाल- 1

दिल्ली- 20
केरल- 5
गुजरात- 5
कर्नाटक- 8
तेलंगाना- 7

24 घंटे में 7,447 कोरोना संक्रमित- उधर, देश में कोरोना के 7,447 नए मामले सामने आए हैं। राहत की बात रही कि बीते 24 घंटे में कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों की संख्या संक्रमित मरीजों से ज्यादा रही। 24 घंटे में 7,886 मरीजों की रिकवरी हुई है। वही, इसके अलावा 391 लोगों की मौत भी हुई है। देश में कोरोना वायरस का आंकड़ा 3,47,26,049 पहुंच गया है। सक्रिय मामलों की संख्या 86,415 है। वहीं मौत का कुल आंकड़ा 4,76,869 पहुंच गया है।

तीसरी लहर का कारण बन सकता है ओमिक्रोन- स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि जिस तरह तीन हफ्ते के अंदर ओमिक्रोन अफ्रीका और यूरोप में हावी हो गया है, उससे भारत में भी जनवरी तक इसके मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि ये ओमिक्रोन कोरोना वायरस की तीसरी लहर का कारण बन सकता है।

केरल में बर्ड फ्लू का बढ़ रहा खतरा कोट्टायम में मारी गई 16,000 बत्तखें

तिरुवनंतपुरम। केरल में बर्ड फ्लू का खतरा बढ़ता जा रहा है। कलारा वेचर और मानम जैसे स्थान बर्ड फ्लू से पहले भी प्रभावित है। इन सबके बीच बत्तखों को मारा जा रहा है। कोट्टायम जिला कलेक्टर पी.के जयश्री ने इसकी जानकारी दी है। बर्ड फ्लू के मामलों के बाद सभी नमूनों को जांच के लिए भेजा गया है। अचानक से नए मामले सामने आने के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों का कहना है कि संक्रमण रोकने के लिए बत्तखों और मुर्गियों को मारना शुरू किया गया है। राज्य में तेजी से बढ़ते मामलों को देखते हुए प्रभावित क्षेत्रों में कइ तरह के प्रतिबंध भी लागू किए गए हैं। यहां बत्तख, मुर्गी, बटेर समेत घरेलू पक्षियों के अंडे व मांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। पुलिस का कहना है कि नियम का उल्लंघन करने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि पिछले साल जनवरी में भी बर्ड र्ल ने दस्तक दी थी। इस दौरान हिमाचल प्रदेश, केरल, राजस्थान, मध्य प्रदेश सहित हरियाणा में इस बर्ड फ्लू के चलते कई पक्षियों की मौत हुई थी। इसके बाद इन राज्यों के कुछ इलाकों में मुर्गियों को बेचने,

खरीदने और मारने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। इनसे जुड़े उत्पाद और मछलियों को लेकर भी प्रतिबंध लगाया गया था। हालांकि अभी तक पक्षियों से मनुष्य में इस संक्रमण के फैलने की कोई खबर सामने नहीं है. लेकिन इसे लेकर चिंता बनी हुई है। पहले ही देश कोरोना के ओमिक्रान संक्रमण का सामना कर रहा है। ऐसे में बर्ड फ्लू बेहद चिंता का विषय है।

चिंतन मनन

चुनाव और विवाह सुधार

केंद्र सरकार ने चुनावी प्रक्रिया और विवाह के लिए जरूरी सुधारों को मंजूरी दे दी है। चुनाव आयोग ने सरकार को अपनी अनुशंसाएं भेजी थीं। अब किसी बालिग यानी 18 साल के युवा को वोटर रजिस्ट्रेशन के लिए सालभर में 4 मौके मिलेंगे। अब तक उन्हें केवल एक मौका मिलता था। इसके अलावा किसी की वोटर आईडी से आधार को भी लिंक किया जा सकेगा, हालांकि यह वोटर की इच्छा पर निर्भर करेगा। चुनाव आयोग ने कहा था कि इस संबंध में शुरू किए गए पायलट प्रोजेक्ट्स के नतीजे सकारात्मक रहे हैं। वहीं लड़कियों की शादी की न्यूनतम उम्र को लेकर सरकार की तरफ से जल्दी ही कानून में जरूरी बदलाव किया जाएगा। बदलाव के बाद लड़कियों की शादी की सीमा 18 से बढ़ाकर 21 साल कर दी जाएगी। कैबिनेट ने लड़कों और लड़कियों के लिए विवाह की न्यूनतम उम्र एक समान, यानी 21 वर्ष करने के विधेयक को मंजूरी दे दी है। यह कानून लागू हुआ तो सभी धर्मों और वर्गों में लड़कियों के विवाह की न्यूनतम उम्र बदल जाएगी। लड़कियों के विवाह की न्यूनतम उम्र पर विचार के लिए जया जेटली की अध्यक्षता में एक टास्क फोर्स का गठन किया गया था जिसने अपनी रिपोर्ट पिछले साल दिसंबर में नीति आयोग को सुपुर्द की थी। टास्कफोर्स ने युवतियों की विवाह की उम्र बढ़ाकर 21 वर्ष करने का पूरा रोल आउट प्लान सौंपा था और इसे समान रूप से पूरे देश में सभी वर्गों पर लागू करने की मजबूत सिफारिश की है। मोदी सरकार के कार्यकाल में विवाह के संबंध यह दूसरा बड़ा सुधार है जो समान रूप से सभी धर्मों के लिए लागू होगा। इससे पहले एनआरआई मैरिज को 30 दिन के भीतर पंजीकृत कराने का बड़ा कदम उठाया गया। लड़कियों और लड़कों के विवाह की न्यूनतम उम्र एक समान करने की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2020 में लालकिले से अपने संबोधन के दौरान की थी। वहीं, चुनाव सुधारों का मुद्दा चुनाव आयोग काफी समय से उठाता आ रहा है। यह दोनों ही सुधार अपने आप में क्रांतिकारी माने जा रहे हैं। ये दोनों विधेयक संसद के मौजूदा सत्र में ही पेश किए जाएंगे। युवतियों की न्यूनतम उम्र में आखिरी बदलाव 1978 में किया गया था और इसके लिए शारदा एक्ट 1929 में परिवर्तन कर उम्र 15 से 18 की गई थी। भारत में हर साल 15 लाख लड़कियों की शादी 18 साल से कम उम्र में हो होती है। जनगणना महापंजीयक के मुताबिक देश में 18 से 21 साल के बीच विवाह करने वाली युवतियों की संख्या करीब 16 करोड़ है। जहां तक चुनाव सुधार की बात है तो चुनाव आयोग की मांग है कि नए वोटर आईडी के अप्लाई करने वाले व्यक्ति के लिए आधार की जानकारी अनिवार्य कर देना चाहिए। आयोग का मत है कि आधार और वोटर आईडी एक दूसरे से लिंक होने पर काफी परेशानियां अपने आप खत्म हो जाएंगी। सबसे बड़ी समस्या यह है कि वर्तमान वोटर लिस्ट में कई नाम बार-बार आ जाते हैं। हालांकि, अभी सरकार ने वोटर आईडी को वैकल्पिक रखा है, लेकिन जिस तरह से चुनाव आयोग का रुख है, इसे अनिवार्य किया जा सकता है। आधार को वोटर कार्ड से जोड़ने से फर्जी वोटर कार्ड से होने वाली गड़बड़ी रोकी जा सकेगी। चुनाव आयोग ने वोटर कार्ड को आधार से जोड़ने की सिफारिश की थी, ताकि मतदाता सूची ज्यादा पारदर्शी हो और फर्जी वोटर हटाए जा सकें। आधार को वोटर कार्ड से जोड़ने से आदमी एक से ज्यादा वोटर कार्ड नहीं रख सकेगा। कई बार देखा जाता है कि किसी व्यक्ति का उसके शहर के वोटर लिस्ट में नाम है और वह लंबे समय से दूसरे शहर में रह रहा है। इसके चलते वह दूसरे शहर की वोटर लिस्ट में भी नाम जुड़वा लेता है। ऐसे में दोनों जगहों पर उसका नाम वोटर लिस्ट में रहता है। आधार से लिंक होते ही एक वोटर का नाम केवल एक ही जगह वोटर लिस्ट में हो सकेगा। यानी, एक शख्स केवल एक जगह ही अपना वोट दे पाएगा। आधार और वोटर कार्ड जोड़ने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के निजता के अधिकार के फैसले को ध्यान में रखा जाएगा। सरकार चुनाव आयोग को और ज्यादा अधिकार देने के लिए कदम उठाएगी। चुनाव आयोग ने 2015 में अपने राष्ट्रीय मतदाता सूची शोधन और प्रमाणीकरण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में मतदाता कार्ड और आधार संख्या को जोड़ने का काम शुरू किया था। बाद में चुनाव आयोग ने आधार के उपयोग को प्रतिबंधित करने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले को देखते हुए कार्यक्रम को जोड़ने का फैसला किया था।

कभी ना हो हड़ताल !

रखें उनका ध्यान ।
कभी ना हो हड़ताल ।।
पर कहां है गड़बड़ ।
हो इसकी पड़ताल ।।
हो ग्राहक की सेवा ।
और भाव समर्पण ।।
शिक्षा ये जरूरी ।
और लेना प्रण ।।
परेशानी दूर कर ।
उनको जरा मनाओ ।।
बोलो उनको जाकर ।
ना ऐसे तड़पाओ ।।
लौट आओ काम पर ।
ठीक नहीं सताना ।।
रूठोगे यदि ज्यादा ।
भरना फिर हजार्ना ।।

–कृष्णेन्द्र राय

स्वतंत्रता दिवस का 75 वां अमृत महोत्सव कार्यक्रम और खेलों में भारत

सन 2021 स्वन्तत्रता के 75वें साल को हम आजादी के अमृत महोत्सव के तौर पर मना रहे हैं और इन 75 सालों में भारत ने हर क्षेत्र में नित नये नये आयाम स्थापित किये हैं और दुनिया में अपनी एक पहचान बनाईहै`खेल भी एक ऐसा क्षेत्र है, जँहा हिंदुस्तान की गिनती दुनिया के चोटी के देशों में होती है`1947 से लेकर अब तक भारत कई खेलों में अपना लोहा मनवा चुका है`शुरूआत करते हैं हॉकी से,हॉकी हमारा राष्ट्रीय खेल है और हम इसके विश्व कप1975, ओलिंपिक में 1928,1932,1936,1948,1952,1956,1964,1980और एशियाई खेलों में 1966, 1998,2014 में चैंपियन रह चुके हैं और हाल ही में 2020 टोक्यो ओलिंपिक में 41 साल बाद भारत ने काँस्य पदक जीत कर स्वर्णिम दिनों की वापसी का संकेत दिया है`हॉकी में भारत ने कई दिग्गज और विश्वस्तरीय खिलाड़ी दिए जिनमे मेजर ध्यानचंद जिन्हे हॉकी का जादूगर कहा जाता है,लेस्ली क्लाडिअस,मोहम्मद शाहिद,उधम सिंह, धनराज पिल्लै,बलबीर सिंह सीनियर, रूप सिंह, के. डी. सिंह, अजित पाल सिंह, दिलीप तिर्की और विवेक सिंह का नाम उल्लेखनीय हैं`अब तो भारतीय महिला हॉकी टीम ने टोक्यो 2020 ओलिंपिक में अपने प्रदर्शन से विश्व पटल पर लोगों का ध्यान खींचा हैहॉकी के बाद भारत ने कई खेलों में परचम लहराया जिनमे की सबसे बड़ा नाम क्रिकेट का है, यूँ तो भारत ने अपना पहला टेस्ट 1932 में खेला, लेकिन आजाद भारत में इस खेल ने हिंदुस्तान में दीवानगी की हर सीमा पार कर दी,60 से 70 के दशक में भारत इस खेल में एक औसत दर्जे की ही टीम मानी जाती थी लेकिन 1983 के विश्व कप में कपिल देव की कप्तानी में भारत ने उस समय की अजेय माने जाने वाली टीम वेस्टइंडीज को फाइनल में 43 रन से हराकर भारत के खेल के क्षेत्र में एक नया इतिहास और इबारत लिखीकौन भूल सकता है कपिल देव की 175 रन की पारी को और उन्ही के द्वारा विवियन रिचर्ड्स का फाइनल मैच में लिया हुआ कैच इस विश्व कप में 25 जून 1983 जिस दिन भारत ने पहला विश्व कप जीता,इस खेल में वो तारीख है जिसने इस खेल को आने वाले समय में धर्म का दर्जा दिला दिया और रातों रात खिलाडियों को स्टार का स्टेटसे ऐसा नहीं है कि इससे पहले इस खेल में भारत की कोई उपलब्धि नहीं थी, भारत ने बिशन सिंह बेदी, इर्रापल्ली प्रसन्ना, चंद्रशेखर और वेंकटराघवन जैसे विश्वस्तरीय स्पीनर और अजित वाडेकर, सुनील गावस्कार, और गुंडाप्पा विश्वनाथ जैसे बल्लेबाजों के दम पर कई ऐतिहासिक जीत हासिल किया था, लेकिन 1983 की विश्व कप की जीत ने इस खेल की दशा दिशा बदल दिया`एक दौर सुनील गावस्कार, कपिल देव, दिलीप वेंगसरकर और श्रीकांत का थो गावस्कार ने सबसे पहले टेस्ट मैचों में 10000 रनो का आकड़ा पार किया और एक समय सबसे ज्यादा 34 शतक लगा के विश्व में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज थे जिसका रिकॉर्ड देश के महानतम खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने तोड़ा जो आज भी कायम हैफिर दौर आया अजहरुद्दीन, रवि शास्त्री का और उसके बाद का दौर तो भारत की बैटिंग लाइन अप के लिये हमेशा याद किया जायेगा जिसमें क्रिकेट का भगवान कहे जाने वाले भारत रत्न सचिन तेंदुलकर, सौरभ गांगुली, राहुल द्रविड़, वी. वी. एस. लक्ष्मण, वीरेंद्र सेहवाग और युवराज सिंह थे तो बॉलिंग में भारत के अब तक के सबसे सफल गेंदबाजों की स्पिन जोड़ी अनिल कुंबले और हरभजन सिंह थेफिर उदय हुआ भारत के सफलतम कप्तानों में से एक महेन्द्र सिंह धोनी का जिनकी अगुवाई में भारत ने 28 साल के गैप के बाद 2011 में पुनः श्रीलंका को हराकर विश्व कप जीता, धोनी की कप्तानी में ही भारत ने पहला ळ20 विश्व कप जीता और आई. सी. सी. चैंपियंस ट्रॉफी भी जीता`धोनी के बाद भारत की गौरवशाली परंपरा को विराट कोहली आगे बढ़ा रहे हैं जों की स्वयं एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं और कम समय में ही उन्होंने बल्लेबाजी के नये आयाम स्थापित किया हैकुल मिलाकर यह कहा जा सकता है आजादी के पहले अंग्रेजों से विरासत में मिले इस खेल में भारत का आज दबदबा है और इस खेल को चलाने वाली संस्था बीसीसीआई आज सबसे समृद्ध बोर्ड है` आज हमारी क्रिकेट लीग आईपीएल दुनिया भर के खिलाडियों की पसंदीदा लीग है और हर खिलाड़ी का सपना इस लीग में खेलने का होता है

क्रिकेट के बाद हम बात करेंगे एथलेटिक की और जब हम एथलेटिक की बात करते हैं तो पहला नाम जो जेहन में आता है वो है "फ्लाइंग सिख" मिल्खा सिंह जी का जो की हिंदुस्तान में इस खेल को खेलने वाले हर खिलाड़ी के रोल मॉडल थे`1960 रोम ओलिंपिक में वो पदक से सेकंड के कुछ हिस्से से चूक गए थे जो की उस समय के हिसाब से किसी भारतीय के लिये बहुत बड़ा अचीवमेंट था क्योंकि मजबूत कद काठी के विदेशी अथेलिटो के आगे भारतीय अथेलिटो की कोई गिनती नहीं थी, इसके अलावा मिल्खा सिंह एशियाड में 1958 और 1962 में गोल्ड मैडल जीत चुके थे`मिल्खा सिंह के बाद जो दूसरा बड़ा नाम ट्रैक एंड फील्ड में है वो है पी. टी. उषा का जिनको लोग गोल्डन गर्ल के नाम से जानते थे और एशियाई खेलों में 1986 के सीओल एशियाड में उन्होंने देश को 4 गोल्ड मैडल जितवायोशाइनिं अब्राहम, अश्वनी नचप्पा,अंजू बॉबी जॉर्ज, हिमा दास, दुत्ती चंद,सीमा पुनिआ, विकास गौड़ा,कृष्णा पुनिआ, कमलप्रीत कौर और गुलाब चंद ऐसे नाम हैं जिनके बिना भारतीय अथलेटिक्स की बात अधूरी है और इन सभी ने अपने प्रदर्शन से देश का मान बढ़ाया है`अब हम आते हैं उस खिलाड़ी के नाम पर जिसने अपने प्रदर्शन से पूरी दुनिया में हिंदुस्तान का नाम रोशन किया और ओलिंपिक के इतिहास में ट्रैक एंड फील्ड इवेंट में पहला गोल्ड मैडल दिलवाया, जी हाँ हम बात कर रहे है नीरज चोपड़ा की जिन्होंने जैवलीन में टोक्यो 2020 ओलिंपिक में गोल्ड मैडल जीता और करोड़ो भारतीयों के दिल में रातों रात जगह बना ली, और एक विश्वास जगाया की आने वाले सालों में भारत और बेहतर प्रदर्शन करेगा`इस बार पैराओलिंपिक में भी भारतीय खिलाडियों ने गजब का जज्बा दिखाया और पदक तालिका में मजबूत स्तिथि दर्ज कराई`बैडमिंटन भी एक ऐसा खेल है जँहा विश्वस्तर पर भारत की स्तिथि काफी मजबूत दिखती है,प्रकाश पादुकोण, गोपीचंद, साईना नेहवाल, पी. वी. संधु,श्रीकांत कदाम्बी, विमल कुमार, साईं प्रनीत, सैयद मोदी, पी. कश्यप और भी कई ऐसे नाम हैं जिन्होंने इस खेल में भारत के लिये महती योगदान दिया है`प्रकाश पादुकोण तो विश्व के नंबर 1 प्लेयर रहे और पहले भारतीय रहे जिसने 1980 में प्रतिष्ठित आल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप जीतोउसके बाद पुलेला गोपीचंद दुसरे भारतीय बने जिन्होंने 2001में आल इंग्लैंड चैंपियनशिप जीता`साईना नेहवाल और पी वी सिंधु ये दो नाम ऐसे हैं जिनकी वजह से भारतीय बैडमिंटन आज इन ऊंचाइयों पर पहुंचा है`इन दोनों ने ओलिंपिक में भारत को पदक दिलाया और पी वी सिंधु ने तो अब तक दो ओलिंपिक पदक जीते हैं और 2019 की वर्ल्ड चैंपियनशिप में प्रथम रही`आज बैडमिंटन हिंदुस्तान में बहुत अच्छी तरह फल फुल रहा है, देश के अंदर बहुत सारी अच्छी अकादमी खुली हैं जँहा लड़के लड़किया पेशेवर कोचों से प्रशिक्षण ले रहे हैं`बैडमिंटन के बाद जिन दो और खेलों ने बहुत तेज प्रगति की है वो हैं शूटिंग और मुक्केबाजी`शूटिंग ही वो खेल है जँहा व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत को पहला गोल्ड मैडल मिला, भारत के लिये अभिनव बिंद्रा रिओ ओलिंपिक 2012 में भारत के लिये स्वर्ण पदक जीत चुके हैं, यह कहना कंही से गलत नहीं होगा की अभिनव के स्वर्ण ने ही युवाओं को प्रेरित किया शूटिंग में करियर बनाने के लिये`अभिनव के अलावा राज्यवर्धन सिंह राठौर ने भी ओलिंपिक में भारत के लिये रजत पदक जीता हैआज भारत के पास अच्छे शूटरों की टीम है जिनमे मनु भाकर, सौरभ चौधरी और अपूर्वी चंदेल का नाम उल्लेखनीय है`जसपाल राणा, अंजलि भागवत,जीतू राय,गगन नारंग, हिना सिद्दू और कई नाम हैं जिन्होंने देश विदेश में अपने प्रदर्शन से परचम लहराया और भारतीय खेल इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया हैअब बात करते हैं मुक्केबाजी की और मुक्केबाजी की बात हो और मेरी कॉम की बात ना हो ये हो ही नहीं सकता, आज वो एक जाना माना नाम है और उन्होंने ओलिंपिक सहित कई प्रतिस्पर्धा में भारत के लिये पदक जीता है, उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है की उनके ऊपर पिक्चर बन चुकी है, जिसमें उनके रोल को बेहतरीन अदाकारा प्रियंका चोपड़ा ने बहुत ही बखूबी और सजीव तरीके से निभाया थो`मेरी कॉम के अलावा विजेंद्र सिंह और लवलीना बोर्घन ने भारत के लिये ओलिंपिक में पदक जीता है`भारतीय मुकेब्बाजी के क्षेत्र में कुछ नाम ऐसे हैं अगर उनका यंहा नाम ना लूँ तो मुक्केबाजी की देश में प्रगति का वास्तविक चित्रण नहीं किया जा सकता जैसे डीकों सिंह, विकास कृष्णा, अमित पंघल, अखिल कुमार,पूजा रानी सहित कई और नाम है, आज हिंदुस्तान में मुक्केबाजी बहुत लोकप्रिय है और इसका सारा श्रेय हमारे खिलाड़ियों की सफलता की वजह से है जो उन्होंने विभिन्न प्रतिस्पधाओं में प्राप्त किया है`अब हम उन दो खेलों की चर्चा करेंगे जो की हॉकी के बाद एक तरह से हमारे अपने देश का खेल लगता है, जी अब हम चर्चा करेंगे कुश्ती और कबड्डी की, ये दो खेल हैं जिनमे कभी हमारा आधिपत्य हुआ करता था कबड्डी में तो हम आज भी अपना दबदबा रखते हैं और कई बार एशियाई चैंपियन भी हुए`आज हमारे देश में कबड्डी की पेशेवर लीग भी होती है जिसमें दुनिया भर के खिलाड़ी खेलते हैं, जँहा तक कुश्ती की बात करें तो इसमें उम्मीद के मुताबिक अभी सफलता नहीं है लेकिन पिछले कुछ ओलिंपिक से हमारे पहलवानों ने बेहतर प्रदर्शन किया है और पदक भी जीते हैं`एशियाई खेलों और कॉमनवेल्थ गेम में तो हमारा प्रदर्शन काफी बेहतर रहता है लेकिन ओलिंपिक के स्तर पर प्रदर्शन अपेक्षानुसार नहीं रहा हैसुशील कुमार, रवि दहिया, बजरंग पुनिआ, योगेश्वर दत्त,विनेश फोगाट, साक्षी मलिक,बबिता फोगाट और गीता फोगाट ये नई पीढ़ी के पहलवान हैं, पुरानी पीढ़ी की बात करें तो दारा सिंह, गुलाम मुहम्मद उर्फ गामा पहलवान, के डी जाधव, उदय चंद और महावीर पहलवान का गौरवशाली इतिहास है`बात करते हैं फुटबॉल की जँहा हमारी स्तिथि विश्व स्तर पर अभी भी उतनी मजबूत नहीं हैं लेकिन उपमहादीप और एशिया में हम पहले से मजबूत हुए हैं जिसका एक कारण पिछले कुछ साल पहले शुरू हुई इंडियन सॉकर लीग है जो की एक पेशेवर लीग है और दुनिया भर के खिलाड़ी इसमें खेलते हैं, जिनका अनुभव भारतीय खिलाडियों को मिलता हैपूर्व में हमारे पास बाईचुंग भूटिआ जैसा बेहतरीन खिलाड़ी था तो आज सुनील क्षेत्री, सन्देश झींगरण और गुरप्रीत सिंह संधू अपने बेहतरीन खेल से देश का परचम लहरा रहे हैं`तीरअंदाजी में भी भारत का प्रदर्शन बहुत उल्लेखनीय रहा है और इस खेल में भी भारत ने बहुत तरक्की की है और समय समय पर विश्वस्तरीय खिलाड़ी दिए हैं जैसे की दीपिका कुमारी, अतनु दास, लिम्बा राम,डोला बैनर्जी और बॉम्बेयला देवी`

बास्केटबॉल में भी हम पहले से काफी बेहतर कर रहे हैं और भविष्य में एक मजबूत टीम बनने की ओर अग्रसर हैं, बास्केटबॉल की बात हो और सिंह सिस्टर्स की बात ना हो ऐसा हो नहीं सकता जिनका की इस खेल में अतुलनीय योगदान है, विशेष भृगुवंशी, त्रिदीप राय,सतनाम सिंह, अजमेर सिंह ओर कई नाम हैं जिन्होंने इस खेल में देश के लिये कई उपलब्धियां अर्जित की हैं`कुछ खेल ऐसे हैं जो की समृद्ध ओर अभिजात्या वर्ग का माना जाता है जैसे की शतरंज, लॉन टेनिस, बिलिड्र्स ओर गोल्फ लेकिन यंहा भी हमारे मेहनतकश खिलाडियों ने पिछले कुछ सालों में जबरदस्ती प्रदर्शन किया है, शतरंज में विश्वनाथन आनंद, पी हरिकृष्णा,के शशिकिरण,कोनेरू हम्पी, लॉन टेनिस में अमृतराज बंधु, पिता पुत्र रामनाथन कृष्णन और रमेश कृष्णन, महेश भूपति और लिएन्दर पेस की चैंपियन जोड़ी और लड़कियों में सानिआ मिर्जा, अंकिता रैना और अंकिता बांबरी, बिलिड्र्स में गीत सेठी, माइकल फरेरा और पंकज अडवाणी तो गोल्फ में अनिर्बन लाहिरी, ज्योति रंधावा, अदिति अशोक और अर्जुन अटवाल ये नाम हैं जो सबके जेहन में हैं और इन्होने हजारों युवाओं को परंपरागत खेल से हट के इन खेलों में करियर बनाने के लिये प्रोत्साहित किया`बहुत सारे और खेल हैं जिनमे भारत ने आजादी के बाद बहुत प्रगति की है ओर कई नामचीन खिलाड़ी दिए हैं`आज हर खेल में हमारे पास विश्वस्तरिय खिलाड़ी हैं, और जो बात सबसे सुखद है वो हर खेल में बेटियों का भाग लेना ओर अपने प्रदर्शन से लोगों प्रभावित करना`सरकार भी खिलाड़ियों को अच्छे प्रदर्शन के आधार पर अर्जुन पुरस्कार , पद्मश्री ओर पद्मबिभूषण जैसे पुरस्कार से नवाजती है तो उनके प्रशिक्षकों को गुरु द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रदान करती है`सचिन तेंदुलकर को तो भारत रत्न से भी नवाजा जा चुका है`इस समय टॉप स्कीम के तहत अति प्रतिभाशाली खिलाडियों को सरकार अपने खर्चे पर विदेशों में प्रशिक्षण के लिये भेजती है`स्कूलों में खेलो इंडिया प्रोग्राम भी एक अच्छा कदम है`पेशेवर प्रशिक्षक भी हर खेलों में नियुक्त किये जा रहे हैं ताकि हमारे खिलाड़ी विश्वस्तरीय प्रदर्शन कर सकें`कुल मिलाकर ये कहा जा सकता है की आजादी के 75 वर्षों बाद हमने हर खेल में तरक्की किया है ओर बहुत करने की जरुरत है, क्योंकि हमारे खिलाडियों ने उम्मीद ही ऐसी जगा दी है।

विपुल सिंह (पूर्व बिज्जी)
खिलाड़ी क्रिकेट

आरक्षण यानि राजनीति का दीवाला

सर्वोच्च न्यायालय ने महाराष्ट्र सरकार की उस याचिका को रद्द कर दिया है, जिसमें यह मांग की गई थी कि केंद्र सरकार उसे पिछड़ी जातियों के आंकड़े उपलब्ध कराए ताकि वह अपने स्थानीय चुनावों में महाराष्ट्र के पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण दे सके। केंद्र सरकार ने 2011 में जो व्यापक जन-गणना करवाई थी, उसमें नागरिकों की समाजिक-आर्थिक स्थिति पर भी आंकड़े इकट्ठे किए गए थे। न्यायाधीशों ने उस याचिका को रद्द कर दिया और कहा कि खुद केंद्र सरकार ने उन आंकड़ों को इसीलिए प्रकाशित नहीं किया, क्योंकि ह्यह्यवे प्रामाणिक और विश्वसनीय नहींह्लह्ल थे। 10 साल पहले की गई जातीय जनगणना से पता चला कि भारत में कुल 46 लाख अलग अलग जातियां हैं। उनमें कौन अगड़ी है और कौन पिछड़ी, यह तय करना आसान नहीं है, क्योंकि एक प्रांत में जिन्हें अगड़ी माना जाता है, दूसरे प्रांत में उन्हें ही पिछड़ी माना जाता है। एक ही गौत्र कई अगड़ी और पिछड़ी जातियों में एक साथ पाया जाता है। कई तथाकथित अगड़ी जाति के लोग बेहद गरीब होते हैं और पिछड़ी जातियों के कई लोग काफी अमीर होते हैं। जब अंग्रेजों ने भारत में जन जातीय जनगणना शुरू की थी तो उनका इरादा भारत की एकता को जातीय क्यारियों में बांटने का था ताकि 1857 के स्वातंत्र्य-संग्राम में उभरी राष्ट्रीय चेतना भंग हो जाए। लेकिन अंग्रेज शासकों की इस प्रवृत्ति के विरोध में गांधीजी के नेतृत्व में जातीय जनगणना का इतना तीव्र विरोध हुआ कि 1931 से इसे बंद कर दिया गया लेकिन हमारे ज्यादातर नीतिविहीन राजनीतिक दलों ने अपनी जीत का आधार जाति को बना लिया। इसीलिए उनके जोर देने पर कांग्रेस सरकार ने जातीय जनगणना फिर से शुरू कर दी लेकिन इस जनगणना का विरोध करने के लिए जब मैंने ह्यमेरी जाति हिंदुस्तानीह्ल आंदोलन शुरू किया तो लगभग सभी दलों ने उसका समर्थन किया। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की पहल पर वह जातीय जनगणना बीच में ही रुकवा दी गई। उसके आंकड़े न तो कांग्रेस सरकार ने प्रकट किए और न ही भाजपा सरकार ने। यह प्रसन्नता की बात है कि वर्तमान सरकारी वकील ने जातीय जनगणना को अवैज्ञानिक और अशुद्ध बताया है। उसने यह भी कहा है कि महाराष्ट्र सरकार ने किसी व्यवस्थित जानकारी के बिना ही 27 प्रतिशत आरक्षण पिछड़ों को दे दिया, जिस पर सर्वोच्च न्यायालय ने जो रोक लगाई है, वह ठीक है। इस वक्त बिहार, उत्तरप्रदेश और दक्षिण के भी कुछ नेता जातीय गणना की मांग पर डटे हुए हैं। सच्चाई तो यह है कि हमारे राजनीतिक दल वैचारिक और व्यावहारिक दृष्टि से लगभग दीवालिया हो चुके हैं। इसीलिए वे जाति और मजहब के नाम पर थोक वोट कबाड़ने के लिए मजबूर हैं। यह भारतीय लोकतंत्र की अपंगता का सूचक है। देश के गरीब और कमजोर लोगों को जातीय आधार पर नौकरियों में नहीं बल्कि शिक्षा और चिकित्सा में जरुरत के आधार पर आरक्षण अवश्य दिया जाना चाहिए।

एक तरफ हिन्दू राग तो दूसरी ओर भारतीय नागरिकता से मुक्ति...?

भारत का हर बुद्धिजीवी आज इस गंभीर चिंतन में खोया है कि आखिर आज इस देश में हो क्या रहा है? एक ओर जहां देश पर राज करने वाली भारतीय जनता पार्टी और उसके संगी-साथी भारत को हिन्दूस्तान बनाने पर आमादा है तो आसन्न साम्प्रदायिकता से डरे सहमें लोग भारत की नागरिकता त्याग कर विदेशों की ओर पलायन कर रहे है, क्या अब यही कट्टरवाद ही हमारे प्रजातंत्र का भविष्य होगा? सर्वधर्म संभाव का मंत्र देने वाले इस भारत में यह हो क्या रहा है? सत्ता व उससे जुड़े संगठनों के इस अभियान से देश के गैर हिन्दू धर्मावलम्बियों में भय की भावना का संचार कर दिया है, और इसी कारण शायद गैर हिन्दू भारत की नागरिकता त्याग कर विदेशों की ओर प्रस्थान कर रहा है।

पिछले दिनों मध्यप्रदेश व उत्तरप्रदेश की सीमा पर स्थित चित्रकूट में हिन्दू एकता महाकुंभ का आयोजन हुआ, जिसमें कतिपय संत प्रमुखों के साथ राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहनराव भागवत ने भी शिरकत की तथा इस महाकुंभ के माध्यम से देश की भाजपा सरकार को दिशा-निर्देश देने का प्रयास किया, जिनमें देश के एक दर्जन ज्वलंत मुद्दों पर मंथन और चिंतन कर केन्द्र सरकार से उन पर यथाशीघ्र फैसला लेने का अनुरोध किया गया। इस एक दर्जन मुद्दों में प्रमुख रूप से हिन्दुओं को अन्याय से मुक्ति, मठ-मंदिरों की सुरक्षा, धर्मान्तरण पर रोक, जनसंख्या नियंत्रण कानून, राष्ट्रवाद, समान नागरिक संहिता, लव-जिहाद, गौरक्षा, सामाजिक समरसता जैसे अहम् मुद्दें शामिल है। इस महाकुंभ के दौरान यह भी कहा गया कि आज इन सब मुद्दों को कार्यरूप में परिणित करने के लिए समय व परिस्थिति एकदम अनुकूल है, इसीलिए इस कार्य को 2024 के पहले पूर्ण कर लिया जाना चाहिये। साथ ही इस हिन्दू महाकुंभ में

इस बात पर भी विशेष जोर दिया गया कि जो हिन्दू धर्म परिवर्तन कर दूसरे धर्मों से जुड़ गए है, उन्हें वापस हिन्दू धर्म से जोड़ने का राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जाना चाहिये और उनके मन की भ्रांतियां दूर करना है। यदि जरूरी हो तो केन्द्र सरकार को इस दिशा में विशेष पहल कर धर्म परिवर्तन निषेध कानून तैयार कर उसे लागू करना चाहिये।

इस प्रकार एक ओर जहां हिन्दू महाकुंभ जैसे आयोजनों को मूर्तरूप दिये जा रहे है, वही दूसरी ओर केन्द्र सरकार ने अयोध्या काण्ड के सुखांत से प्रभावित होकर अयोध्या के बाद काशी का कायाकल्प किया और अब श्रीकृष्ण जन्मभूमि मथुरा की ओर कूच की तैयारी है, जहां भव्य कृष्ण मंदिर के साथ पूरी मथुरा नगरी के काशी जेसे कायाकल्प का प्रस्ताव है, शायद प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी के इन्हीं प्रयासों से प्रेरित होकर अन्य धार्मिक शहरों से उनसे उनके शहर से अगला चुनाव लड़ने की अपील की जा रही है, ऐसे शहरों में प्रमुख बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन (अवंतिका) प्रमुख है, जहां से मोदी जी से ऐसी अपील की गई है। अब एक ओर जहां केन्द्र सरकार उसकी सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा हिन्दू मंदिर जीर्णोद्धार अभियान चलाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर देश के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय भारत की नागरिकता त्याग कर भारी मात्रा में भारतीयों का विदेश पलायन है, हाल ही में स्वयं केन्द्र सरकार ने संसद में एक सवाल के जवाब में चौका देने वाला यह जवाब दिया कि वर्तमान में प्रतिदिन औसतन तीन सौ भारतीय अपनी नागरिकता का त्याग कर विदेशों की ओर प्रस्थान कर रहे है। बताया गया कि पिछले सात सालों में करीब नौ लाख (8.81 लाख) लोग भारतीय नागरिकता का परित्याग कर चुके है, सरकार ने विस्तृत आंकड़ों में बताया कि वर्ष 2015 में 131489, वर्ष 2016 में 141661, वर्ष 2017 में 133849, वर्ष 2018 में 134561, वर्ष 2019 में 144817, वर्ष 2020 में 85248 तथा 30 सितम्बर 2021 तक 131287 भारतीय अपनी नागरिकता का परित्याग कर चुके है। बताया गया कि वर्तमान में 1.33 करोड़ भारतीय अपनी नागरिकता का परित्याग कर विदेशों में निवासरत है। अब इन सबका जिम्मेदार कौन है, यह तो पाठक स्वयं तय करें किंतु क्या यह स्थिति हमारे देश के लिए कल्याणकारी है?

बढ़ती उम्र में इस तरह करें मेकअप

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, त्वचा के कसाव में कमी आना, झुर्रियां, आखों का ड्राई होना और न जाने कितनी ही समस्याओं से महिलाओं को दो चार होना पड़ता है। ऐसे में अपने चेहरे की कमियों को छिपाने और खुद को आकर्षक दिखाने के लिए वह मेकअप का सहारा लेती हैं। लेकिन बढ़ती उम्र में आपके मेकअप के तरीके में बदलाव करना भी बेहद आवश्यक हो जाता है। अगर आपका मेकअप व उसे लगाने का तरीका सही नहीं होगा तो आपको बूढ़ी घोड़ी लाल लगाम जैसे जुमले भी सुनने को मिल जाएंगे। तो आईए जानते हैं मेकअप करने के सही तरीकों के बारे में-

सीटीएमपी है सही

चालीस साल के बाद त्वचा ड्राई हो जाती है। ऐसे में स्किन को नरिश करने के लिए सीटीएमपी अर्थात क्लींजिंग, टोनिंग, मॉयश्चराइजिंग एंड प्रोटेक्शन आवश्यक है। क्लीजिंग के लिए आपको नरिशिंग क्लीजिंग मिल्क का इस्तेमाल करना चाहिए। यह त्वचा को डीप क्लीन करने के साथ-साथ रूखेपन से भी दूर करता है। स्किन पर एजिंग दिखने का एक मुख्य कारण ओपन पोर्स होते हैं। इन पोर्स को कम करने के लिए क्लीजिंग के बाद टोनिंग करना बेहद आवश्यक है। ध्यान रहे कि आपका टोनर एल्कोहल युक्त न हो बल्कि उसमें लाइकोपीन हो। साथ ही चेहरे की नमी को बनाए रखने के लिए मॉयश्चराइजर जरूर लगाएं। चेहरे की केयर करना जितना आवश्यक है, उतना ही जरूरी है उसकी प्रोटेक्शन। सूर्य की हानिकारक किरणें न केवल त्वचा को झुलसा देती हैं, बल्कि इनके कारण झुर्रियां, ब्राउन स्पॉट्स आदि एजिंग की निशानियां दिखाई देने लगती हैं। इसलिए इनसे बचने के लिए धूप में निकलने से पहले सनस्क्रीन अवश्य लगाएं।

न हो अधिक

अक्सर महिलाएं सोचती हैं कि यदि उन्हें अपने चेहरे की कमियों को छिपाना है तो इसके लिए बहुत अधिक मेकअप करना पड़ेगा। लेकिन वास्तव में उनकी यह सोच एकदम गलत है। बढ़ती उम्र में महिलाओं को हमेशा ही लेस इज मोर का फंडा अपनाना चाहिए। साथ ही मेकअप को थोपने की बजाय उसे चेहरे पर मिक्स करें ताकि वह आपकी स्किन का ही एक पार्ट लगे और आपका चेहरा बेढंगा न दिखाई दे।

लाइट है बेस्ट

आपका मेकअप सिर्फ लेस ही होना आवश्यक नहीं है, बल्कि आपकी मेकअप किट में आपको लाइट कलर को एड कर देना शुरू कर देना चाहिए। अमूमन बढ़ती उम्र में बहुत अधिक ब्राइट कलर्स अच्छे नहीं लगते। वहीं लाइट कलर आपकी पर्सनैलिटी को एक एलीगेंट लुक देते हैं। ब्लशर से लेकर लिपस्टिक तक आप पीच, लाइट ब्राउन, पिंक, मॉव कलर आदि का चयन करें। अगर आपको रेड कलर पसंद है तो आप लिपस्टिक में ब्राइट रेड की जगह डीप रेड ही लगाएं। इसके अतिरिक्त उम्र के इस पड़ाव में होंठ थोड़े पतले लगने लगते हैं, इसलिए उनका उभार बनाए रखने के लिए व उन्हें थोड़ा मोटा दिखाने के लिए लिपग्लॉस लगाना बेहतर रहता है। इससे होंठों में भी एक चमक आ जाती है।

ब्लश करेंगे चिक्स

जैसे आपका मेकअप आईस और लिप्स के मेकअप के बिना अधूरा ही रह जाता है, ठीक उसी प्रकार ब्लश के बिना भी आपका मेकअप पूरा नहीं होता। अक्सर हम मेकअप के दौरान ब्लश को नजरअंदाज ही कर देते हैं, लेकिन यदि आपके चेहरे पर बढ़ती उम्र के साइन नजर आते हैं तो ब्लश को नजरअंदाज करना आपकी बहुत बड़ी भूल साबित होगी। ब्राउन ब्लश आपके चेहरे को एक नई परिभाषा व आकार देने के लिए पर्याप्त है।

नकली लैशेज का कमाल

समय के साथ हार्मोंस में बदलाव के कारण महिलाओं के लैशेज टूटने लगते हैं। आजकल मार्केट में नकली लैशेज आसानी से अवेलेबल हैं। इन्हें लगाने से आंखों को एक नया रूप मिलता हैं। इसलिए यदि आप किसी पार्टी के तैयार हो रही हैं तो नकली लैशेज का प्रयोग करना अच्छा रहता है।

इन बातों का रखें ख्याल

खाना सिर्फ आपका पेट ही नहीं भरता बल्कि इसमें वह सभी पोषक तत्व होते हैं जो आपके शरीर के विकास में कहीं न कहीं सहायक होते हैं। अगर आप चाहती हैं कि बढ़ती उम्र में भी आपके चेहरे की रौनक बनी रहे तो आप अपने खाने का भी खास ख्याल रखें। जहां तक बात एंटी-एजिंग फूड की है तो यह उम्र के बढ़ते असर को तो कम करते हैं ही, साथ ही शरीर की क्षतिग्रस्त कोशिकाओं को ठीक कर शरीर के सभी क्रियाकलापों में सहायता करते हैं।

पानी शरीर के लिए किसी अमृत से कम नहीं है। इसलिए दिन में कम से कम आठ से दस गिलास पानी अवश्य पीएं। इससे शरीर डिटॉक्सीफाई होने के साथ त्वचा भी नर्म बनी रहती है। साथ ही साथ ज्यादा मीठी चीजों का सेवन न करें।

एजिंग की समस्याओं से बचने के लिए जरूरी है कि आप अपनी फिटनेस के प्रति भी जागरूक रहें। स्वस्थ बने रहने के लिए आप साइकिलिंग, जॉगिंग, जिमिंग, स्विमिंग आदि का सहारा ले सकती हैं। इसके अतिरिक्त अपने चेहरे के प्राकृतिक सौंदर्य और तंदुरूस्ती को बरकरार रखने के लिए योग भी एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। विशेषकर चेहरे के लिए किए गए फेस योग से उम्र का असर धीमा हो जाता है।

बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास

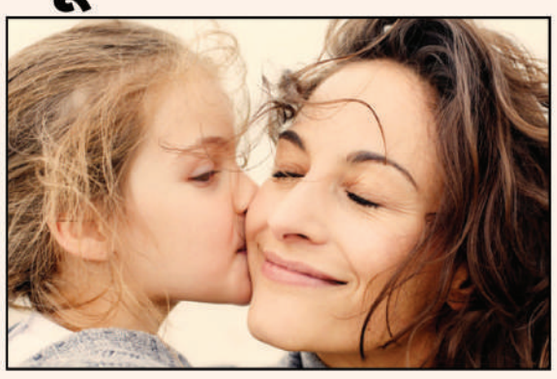

बच्चों में नैतिक मूल्यों के विकास से मतलब है उन्हे अच्छे संस्कार देना और अपनी संस्कृति से रूबरू करवाना जिससे वे अपने साथ-साथ पूरे समाज को सही रास्ते पर ले जा सके। बच्चे हमारी परंपराओं के खेवनहार और देश का भविष्य होते हैं पर बच्चे में नैतिक मूल्यों की कमी उनके चरित्र को तबाह कर देती है और वे छोटी उम्र में ही चोरी, बेइमानी और झूठ-धोखा करने लगते हैं। आप अंदाजा लगा सकते हैं कि ऐसे बच्चे बड़े होने पर देश और समाज का क्या भला करेंगे?

नैतिक मूल्यों की जरूरत

कोई बच्चा पढ़ाई-लिखाई में कितना भी होशियार हो पर यदि उसमें नैतिक शिक्षा का अभाव है तो सब बेकार है। नैतिकता हमारी शख्सियत को निखारने की पहली सीढ़ी है। नैतिकता ही वह खूबी है जो हमारे सामाजिक होने की पहचान कराती है और जीवन को बेहतर ढंग से जीना सिखाती है।बच्चों को नैतिक मूल्यों की जानकारी देना इसलिए जरूरी है ताकि वे अच्छे-बुरे, सही-गलत का फर्क समझ सकें और जान सकें कि क्या करने से समाज में आदर, सराहना और प्यार मिलता है और क्या करने से नहीं।

नैतिक मूल्यों की जानकारी देने के लिए क्या करें

बच्चे को नैतिक मूल्यों की जानकारी सबसे पहले परिवार में मिलती है। सबसे पहले मां-बाप ही बच्चों में नैतिक मूल्यों के बीज रोपते हैं। परिवार में ही बच्चा संस्कार, नैतिकता और शिष्टाचार की जानकारी पाता है जिससे वह जान सके कि समाज में बड़ों के साथ, अपने मित्रों के साथ और अन्य लोगों के साथ कैसे व्यवहार करना चाहिए।

घर का माहौल

जैसा ऊपर बताया गया है कि बच्चे का पहला स्कूल उसका घर होता है, तो सबसे पहले घर का माहौल स्नेहशील होना चाहिए। घर का माहौल खुशनुमा होना, घर में बड़ों को आदर होना, बोल-चाल में सभ्यता और सौम्यता, एक-दूसरे के प्रति लगाव जैसी बातों से बच्चे प्रेरित होते हैं और इन बातों को बड़ी जल्दी सीखते हैं।

दोस्ती-यारी का असर

जब बच्चे एक-दूसरे के साथ खेलते हैं तो यह उनमें समाजीकरण की अहसास पैदा करता है। उसके समूह में बच्चे के कुछ गलत किए जाने पर उसे एसा न करने के लिए समझाना या कुछ अच्छा करने पर उसकी प्रसंसा करना उसके आचरण और बर्ताव पर असर करता है पर बच्चों की संगत पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। बच्चा जिसके सम्पर्क में आता है, उसी का अनुसरण करता हैं। यह बात घर के बाहर भी लागू होती है। बच्चे घर से ज्यादा अपने यार-दोस्तों की संगत में सीखते हैं। अगर उसके साथियों में झूठ बोलना, चोरी करना जैसी आदतें है तो बच्चा बड़ी जल्दी उसका शिकार बनेगा।

मनोरंजन गतिविधि

बच्चों को नैतिक मूल्यों की जानकारी के लिए मौज-मस्ती और मनोरंजन का किरदार भी अहम् है। अच्छी फिल्में, टीवी प्रोग्राम, कॉमिक्स, कहानियां बच्चों के लिए स्वस्थ्य मनोरंजन का साधन होने के साथ-साथ उनके कोमल मतिष्क पर बड़ी जल्दी असर करती हैं।

माता-पिता को कोशिश करनी चाहिए कि वह बच्चों को बचपन से ही नैतिक मूल्यों की शिक्षा देना शुरू करें। नैतिक मूल्यों की जानकारी बच्चों को सभ्य, चरित्रवान, कर्तव्यनिष्ठ एवं ईमानदार बनाती है।

अगर बाथरूम में रख रहे हैं टूथब्रश तो हो जाएं सावधान

आपने बचपन से सुना होगा कि दांतों की बेहतर सफाई के लिए दिन में दो बार ब्रश करना चाहिए। जब आप आराम से दिन में दो बार ब्रश करते हैं तो इससे आपको कैविटी आदि होने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि स्वस्थ और मजबूत दांतों के लिए सिर्फ सही तरह से ब्रश करना ही काफी नहीं होता, बल्कि दांतों में इस्तेमाल किए जाने वाले टूथब्रश की यदि सही तरह से देख-रेख न की जाए तो आपके मुंह में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। तो चलिए जानते हैं कि टूथब्रश रखने का सही तरीका क्या हो-

बदलते रहें समय-समय पर

अमूमन लोग अपने ब्रश को तब तक इस्तेमाल करते हैं, जब तक उसके ब्रिसल खराब नहीं हो जाते लेकिन वास्तव में आपको हर तीन माह में अपने ब्रश को बदल लेना चाहिए। साथ ही अगर आप किसी बीमारी को हराकर उठे हैं तो भी आपको अपना ब्रश बदल लेना चाहिए ताकि वह बीमारी दोबारा आपको प्रभावित न कर सके।

न रखें बाथरूम में

वैसे तो लोग बाथरूम में ही टूथब्रश को रखते हैं लेकिन वास्तव में इन्हें बाथरूम में रखना उचित नहीं माना जाता। दरअसल, आजकल टायलेट अटैच बाथरूम का चलन है। ऐसे में अगर आपका टूथब्रश कमोड के पास होता है तो बहुत से सूक्ष्म जीवाणु आपके ब्रश पर आ जाते हैं और फिर यह आपके मुंह से शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। इसलिए जहां तक हो, इसे बाथरूम में रखने से बचें। अगर आप इसे बाथरूम में रख रहे हैं तो कमोड से इसकी दूरी कम से कम दो फीट तो होनी ही चाहिए।

ऐसे रखें टूथब्रश

टूथब्रश को टूथब्रश स्टैंड में रखने का भी एक तरीका होता है। सबसे पहले तो आप हमेशा ही टूथब्रश को खड़ा करके रखें, ताकि इसमें मौजूद पानी निकल जाए और नमी के कारण आपके ब्रश में बैक्टीरिया न पनपें। इसके अतिरिक्त आप इस बात भी ध्यान रखें कि आपका टूथब्रश घर के अन्य सदस्यों के ब्रश से न टकराए। इससे एक टूथब्रश के बैक्टीरिया आसानी से दूसरे टूथब्रश में चले जाते हैं। वहीं आप कभी भी ब्रिसल को ढक कर रखने के लिए मिलने वाले बॉक्स में रखें। इससे आपके ब्रश में नमी रह जाती है और बैक्टीरिया पनपने लग जाते हैं।

जरूर करें सफाई

जिस तरह आप अपने दांतों की सफाई के लिए ब्रश का इस्तेमाल करते हैं। ठीक उसी तरह इस्तेमाल के बाद ब्रश की सफाई करना न भूलें। इसके लिए आप पानी को उबाल कर उसमें तीन-चार मिनट के लिए ब्रश को डालें। इससे ब्रश में मौजूद सभी बैक्टीरिया खत्म हो जाएंगे।

जानिए शरीर में फाइबर की कमी के क्या हैं संकेत

आपके शरीर की कार्यप्रणाली के सही तरह से संचालन के लिए जिस प्रकार आपको प्रोटीन, विटामिन और मिनरल्स की आवश्यकता होती है, ठीक उसी प्रकार फाइबर भी बेहद आवश्यक होता है। आमतौर पर लोग इस ओर ध्यान नहीं देते। दरअसल, फाइबर एक अपचनीय कार्बोहाइड्रेट है जो आपके शरीर को ठीक से काम करने में मदद करता है। अगर आपके शरीर में पर्याप्त मात्रा में फाइबर नहीं होता तो इससे आपको कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

बढ़ता वजन : जो लोग अपनी बॉडी और लुक को लेकर कॉन्शियस रहते हैं, उन्हें तो विशेष रूप से फाइबर की उच्च मात्रा अपने आहार में रखनी चाहिए। दरअसल, फाइबर के कारण आपको हमेशा पेट भरे होने का अहसास होता है और आप अतिरिक्त कैलोरी का सेवन करने से बच जाते हैं। इसलिए अगर अत्यधिक कैलोरी के सेवन से आपका वजन लगातार बढ़ रहा है तो यह संकेत है कि आपके शरीर में फाइबर की कमी हो गई है।

कब्ज की शिकायत : फाइबर आपके पाचन तंत्र पर व्यापक प्रभाव डालता है। अगर आपके शरीर में फाइबर की कमी हो जाती है तो इससे आपको न सिर्फ मलत्याग में परेशानी होती है, बल्कि कब्ज होने की संभावना भी बढ़ जाती है।

बढ़ता कोलेस्ट्रोल : अगर आपके शरीर में कोलेस्ट्रोल का स्तर उच्च रहता है तो यह संकेत हैं कि आप अपने आहार में पर्याप्त मात्रा में फाइबर नहीं ले रहे हैं। दरअसल, फाइबर ट्राइग्लिसराइड्स कम करने में मदद करता है और साथ ही यह गुड कोलेस्ट्रोल के स्तर को भी बढ़ाता है। इसके अतिरिक्त उच्च-फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ आपको ब्लड प्रेशर व हृदय संबंधी अन्य समस्याओं से भी राहत दिलाते हैं।

सुस्ती का अहसास : अक्सर जब आप हैवी भोजन करते हैं तो आपको सुस्ती का अहसास होता है। लेकिन अगर आपको हमेशा ही भोजन के बाद नींद आने का अहसास होता है और आप नैप लेते हैं तो यह भी फाइबर की कमी का संकेत है। दरअसल, फाइबर आपके रक्त में शर्करा के स्तर को स्थिर बनाए रखने के लिए आवश्यक होता है और जब यह अस्थिर होता है तो आपको हमेशा ही सुस्ती का अहसास होता है।

बार-बार भूख लगना : जैसा कि हम आपको बता चुके हैं कि फाइबर को पचाने में शरीर को समय लगता है। जिससे आपको काफी समय तक पेट भरे होने का अहसास होता है। लेकिन अगर आपको भोजन करने के कुछ देर बाद ही भूख का अहसास हो रहा है तो यह संकेत है कि आपके आहार में फाइबर की कमी है और अब आपको फाइबर युक्त भोजन करने की आवश्यकता है।

स्फूर्तिदायक मॉकटेल

गर्मियों को मात देने वाले पेय पदार्थ

तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोत्तरी होने लगी है, लेकिन गर्मी दूर करने के लिए आपको हमेशा 208 कैलोरी वाली ठंडी बीयर की आवश्यक नहीं हैं। न ही जब आप बाहर से आकर घर में प्रवेश करें, तो अधिक बर्फ के साथ एक गिलास ठंडा पेय पीने की जरूरत है। इन गर्मियों में, एक स्वस्थ जीवनशैली का चयन करें और नीचे दिये गए इन मॉकटेल को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करें। पूरे दिन लंबे समय तक काम करने के बाद, आप इनमें से किसी भी शराब-रहित शीतल पेय को चुन सकते हैं। अपने फलों के मिश्रण को तैयार करें और इन पेय पदार्थों को बनाना सीखें :

ब्लड औरेंज एंड जिंजर सोडा

क्या आपको अपने पेय को एक चटपटे तरीके से बनाना पसंद हैं। तो कुछ नारंगी रंग के संतरे को कुचल (स्क्वैश) लें और उसमें थोड़ी सी अदरक डालें। (जिंजर सोडा तैयार करना कठिन नहीं हैं, पानी में चीनी और अदरक एक साथ डालकर उबालें और इसे छान लें, इस पानी में सोडा डालें और उसके बाद आपका जिंजर सोडा तैयार है)। पेय को और अधिक ताजा बनाने के लिए कुछ पुदीने की पत्तियों को साथ में डाल सकते हैं। शीघ्र और कम से कम समय में बहुत ही कम सामग्री के साथ बने इस पेय को आप अपने पसंदीदा पेय में से एक बना सकते हैं। आपको इसके लिए केवल ताजे संतरों की जरूरत है और ये आपकी सेहत के लिए एक बेहतर पेय हैं।

वाटरमेलन-लाइम सोडा

गर्मियों में जब प्यास बुझाने और अपने दिमाग को ठंडा करने की बात आती है तो पानी से भरपूर तरबूज से बेहतर कुछ भी नहीं है। एक जार में तरबूज के टुकड़ों का मिश्रण तैयार करें और बीजों को निकालने के लिए एक छन्नी का उपयोग करें (यदि आप इसे थोड़ हल्का बनाना चाहते हैं, तो इसकी गूदा तैयार करें)। इसके बाद, अपने स्वाद के अनुसार, स्वादयुक्त (फ्लेवरड) सोडा डालें। यदि आपके पास चीनी का मिश्रण तैयार है, तो आप इसे भी डाल सकते हैं। अंत में नींबू का रस डालें जो इसके स्वाद को और बढ़ा देगा।

कुकुम्बर मोजीतो

खीरा शरीर को ठंडा रखता है, आपने पहले भी सुना होगा। गुणों से भरपूर खीरे को राहत और शीतलता प्रदान करने के लिए जाना जाता है, इतना ही नहीं लोग खुद को तरोताजा रखने के लिए खीरे के टुकड़ों का इस्तेमाल अपनी आंखों पर करते हैं। आप शराब-रहित ताजा कुकुम्बर मोजीतो भी तैयार कर सकते हैं। खीरे के रस में नींबू का रस और पुदीने की पत्तियों डालें। इन पत्तियों को सबसे ऊपर रखें। पर्यावरण की तरह हरा-भरा अपना पेय तैयार करें।

मैंगो लस्सी

आपकी गर्मियां तब तक समाप्त नहीं होती हैं जब तक आप एक स्वादिष्ट लस्सी का आनंद नहीं लेते हैं। यहाड्ड इसी प्रकार के ऐसे ही पेय पदार्थ के बारे में बता रही हूँ, जिसका स्वाद आपने अभी तक नहीं लिया होगा। आम, दही, पानी और चीनी (या चाशनी) को एक साथ मिलाएं। इसका स्वाद बहुत ही स्वादिष्ट होगा। यदि आपको नमकीन पेय पसंद करते हैं, तो आप इसमें चीनी के बजाय केले और थोड़ा सा नमक डाल सकते हैं। जब आप गर्म और मसालेदार भोजन कर रहे हों, तो यह पेय आपको एक अच्छा स्वाद प्रदान करेगा।

वाइल्डकैट कूलर

ऐसा कौन है जो ब्लूबेरी पसंद नहीं करता होगा? थोड़े पानी में चीनी और ब्लूबेरी एक साथ उबालकर शरबत बनाएं। सबसे पहले, आपको इस पेय में स्वाद लाने के लिए एक गिलास में नींबू का रस डालना होगा और फिर उसमें 1 या 2 औंस (लगभग 50 ग्राम) ब्लूबेरी शरबत डालें। इसके बाद, गिलास को पानी से भर दें। बर्फ और पुदीने की पत्तियों को इसके ऊपर रखें और आपका वाइल्डकैट कूलर पेय तैयार है।

यदि आपके बच्चे सॉफ्ट ड्रिंक के आदी हैं, तो ये पेय पदार्थ स्वस्थ विकल्प के रूप में कार्य करेंगे। इसमें कोई संदेह नहीं है कि बच्चे ठंडक प्रदान करने वाले इस स्वादिष्ट पेय को पीना पसंद करेंगे और बाजार में उपलब्ध अन्य स्वाद वाले पेय को पीने से बचेंगे। अपने रसोईघर में थोड़े नए पेय पदार्थ बनाये और बिल्कुल भी हैरान न हों, जब आपके दोस्त अगले दोपहर के भोजन पर आपकी प्रशंसा करें।

पेंग्विन ने फिल्मकार सत्यजीत रे की दो पुस्तकों के अधिकार हासिल किए

नई दिल्ली (भाषा)। पेंग्विन रेंडम हाउस इंडिया ने प्रख्यात फिल्मकार दिवंगत सत्यजीत रे की दो पुस्तक के अधिकार हासिल करने की घोषणा की है। विख्यात कलाकार की पूर्व में अप्रकाशित इन पुस्तकों का संपादन उनके पुत्र संदीप रे ने किया है। इन पुस्तकों को 2023 से 'द पेंग्विन रे लाइब्रेरी' के तत्वावधान में प्रकाशित किया जाएगा। पहली पुस्तक का शीर्षक होगा, 'फेलूदा इन गोल्डन फोर्टरेस'। यह रे के विख्यात जासूसी उपन्यास 'सोनार केल्ला' का अंग्रेजी अनुवाद है। यह पुस्तक 1971 में पहली बार बांग्ला में प्रकाशित हुई थी और 1974 में इस पर फिल्म बनी थी जिसमें बांग्ला के मशहूर अभिनेता सौमित्र चटर्जी ने रे द्वारा रचित निजी जासूस फेलूदा की भूमिका निभाई थी।

रे न केवल फिल्मकार थे बल्कि उन्होंने पटकथा लेखन, रेखाचित्र कला और संगीत को स्वरबद्ध करने में भी हाथ आजमाए थे। संदीप ने कहा, पहली फेलूदा फिल्म होने के कारण सोनार केल्ला मेरी और बाबा, दोनों की पसंदीदा फिल्म थी। फिल्म का प्लाट, चित्रांकन, चरित्र सभी शानदार हैं। 'सोनार केल्ला' पर आगामी पुस्तक कुछ ऐसी पुरानी सामग्री को सामने लाएगी जो पहले कभी नहीं देखी गई। इसमें इस मशहूर फिल्म से संबंधित उनके लेखन, रेखाचित्र और फोटोग्राफ भी शामिल होंगे। मुझे विश्वास है कि पूरे विश्व में यह रे के प्रशंसकों के लिए एक सौगात होगी।

दूसरी पुस्तक महान फिल्मकार के कुछ विशिष्ट निबंध और साक्षात्कारों का संग्रह होगा जिसका चयन एवं संपादन संदीप रे ने किया है। इनमें सत्यजीत रे के जीवन, दर्शन और कार्यों की झलक मिलेगी। यह पुस्तक 2024 में आएगी। कार्यकारी संपादक, पेंग्विन रेंडम हाउस इंडिया, प्रेमांका गोस्वामी ने कहा, 'सोनार केल्ला रे की सर्वाधिक लोकप्रिय कहानियों में से एक है जिसे सभी पसंद करते हैं। सत्यजीत रे द्वारा किया गया यह अनुवाद हम सभी के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, इसके अलावा निबंध और साक्षात्कार की पुस्तक एक मूल्यवान खजाना होगी।

'ब्रह्मास्त्र' का पहला मोशन पोस्टर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड के राकस्टार रणबीर कपूर की फिल्म ब्रह्मास्त्र का पहला मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है। करण जौहर निर्मित और अयान मुखर्जी निर्देशित फिल्म ब्रह्मास्त्र पार्ट एक- शिवा का पहला मोशन पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। इस फिल्म मे रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की मुख्य भूमिका है, जबकि अमिताभ बच्चन, मौनी राय और नागार्जुन अक्कीनेनी भी अहम किरदार में नजर आएंगे। फिल्म 3डी फार्मेट में हिंदी के अलावा तमिल तेलुगु मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में भी रिलीज की जाएगी। मोशन पोस्टर में रणबीर और आलिया के किरदारों की आवाजों के जरिए पता चलता है कि दुनिया में कोई बड़ा फेरबदल हो रहा है और एक बेहद ताकतवर हथियार जाग रहा है। मोशन पोस्टर के अंत में रणबीर को भगवान शिव के त्रिशूल जैसा ब्रह्मास्त्र थामे हुए दिखाया जाता है।

ओमीक्रोन : 70 गुना तेजी से संक्रमण पर कम रहेगी गंभीरता

■ **बीजिंग (भाषा)।**

कोरोना वायरस का ओमीक्रोन स्वरूप, डेल्टा और कोविड-19 के मूल स्वरूप की तुलना में 70 गुना तेजी से संक्रमित करता है लेकिन इससे होने वाले रोग की गंभीरता काफी कम है। एक अध्ययन में यह कहा गया है। अध्ययन में इस बारे में प्रथम सूचना दी गई है कि ओमीक्रोन स्वरूप किस तरह से मानव के श्वसन तंत्र को संक्रमित करता है।

हांगकांग विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि ओमीक्रोन, डेल्टा और मूल सार्स-कोवी-2 की तुलना में 70 गुना तेजी से संक्रमित करता है। अध्ययन से यह भी प्रदर्शित होता है कि फेफड़े में ओमीक्रोन से संक्रमण मूल सार्स-कोवी-2 की तुलना में काफी कम है, जिससे रोग की गंभीरता कम होने का संकेत मिलता है।

अनुसंधानकर्ताओं ने ओमीक्रोन का अलग तरह से संचरण होने और इससे होने वाले रोग की गंभीरता सार्स-कोवी-2 के अन्य स्वरूपों से भिन्न रहने को समझने के लिए 'एक्स-वीवो कल्चर' का उपयोग किया। यह पद्धति फेफड़े के इलाज के लिए फेफड़े से निकाले गये उत्तक का उपयोग करती है। हांगकांग विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर माइकल चान ची वाई और उनकी टीम ने ओमीक्रोन को अन्य स्वरूपों से सफलतापूर्वक अलग किया तथा अन्य स्वरूप से होने वाले संक्रमण की तुलना मूल सार्स-कोवी-2 से की। टीम ने पाया कि ओमीक्रोन मानव में मूल सार्स-कोवी-2 और डेल्टा स्वरूप की तुलना में कहीं अधिक तेजी से प्रतिकृति बनाता है।

हांगकांग विवि के अनुसंधानकर्ताओं के अध्ययन में हुआ खुलासा

अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि संक्रमण के 24 घंटे बाद ओमीक्रोन स्वरूप ने डेल्टा और मूल सार्स-कोवी-2 की तुलना में करीब 70 गुना अधिक प्रतिकृति बनाई। हालांकि, ओमीक्रोन ने मानव के फेफड़े की कोशिका में मूल सार्स-कोवी-2 वायरस की तुलना में 10 गुना से भी कम प्रतिकृति बनाई, जिससे पता चलता है कि इससे होने वाले रोग की गंभीरता कम है। चान ने एक बयान में कहा, 'यह जिक्र करना जरूरी है कि मानव में रोग की गंभीरता न सिर्फ वायरस की प्रतिकृति द्वारा निर्धारित होती है बल्कि संक्रमण के प्रति शरीर की प्रतिरक्षा से भी निर्धारित होती है।'

भूमिका पाने के लिए पहने हाउस हेल्पर के कपड़े

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेत्री नीना गुप्ता 'कौन बनेगा करोड़पति 13' के शानदार शुक्रिया एपिसोड में 'बधाई हो' में भूमिका पाने के लिए एक हाउस हेल्पर की सलवार कमीज पहनने की बात का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि उन्हें पहली बार में ही 'बधाई हो' की स्क्रिप्ट पसंद आ गई थी, लेकिन उन्होंने निर्देशक के पास कभी काल बैक नहीं किया। हालांकि चीजें बदल गईं जब उन्हें फिल्म के निर्देशक अमित शर्मा से उनके कार्यालय में मिलने के लिए बुलाया गया। उन्होंने कहा कि अमित ने मुझे एक हफ्ते और दस दिनों के बाद अपने कार्यालय में बुलाया। जब मैं वहां गई, तो मैंने उनके सहायक से पूछा, मुझे क्या पहनना चाहिए ताकि उन्हें लगे कि मैं चरित्र में फिट हूं? मुझे बताया गया था कि यह किरदार एक मध्यमवर्गीय परिवार का है इसलिए मैंने सलवार कमीज पहननी थी। मेरे पास कुछ स्टाइलिश सलवार कमीज थी लेकिन यहां, मुझे सामान्य सलवार कमीज पहननी थी। नीना आगे कहती हैं कि तब मुझे सामान्य कमीज मिली, लेकिन सामान्य सलवार मेरे पास नहीं थी। मैं सोच रही थी कि क्या करूं? मैंने तब अपने घर के रसोइए की सलवार पहनी थी क्योंकि वह सामान्य और साधारण सफेद रंग की सलवार थी। मैं वहां (अमित शर्मा के कार्यालय में) अपनी चुन्नी और सलवार कमीज पहनकर गई और मैंने उनसे कहा, सर क्या मैं ठीक दिख रही हूं, मैंने अपन घर के हेल्पर का सलवार पहना है। इतना ही नहीं, अभिनेत्री ने पहले न चुने जाने के पीछे की असली वजह का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा कि मुझे बाद में पता चला कि जब हर कोई बैठकर बात कर रहा था, तो आयुष्मान खुराना ने महसूस किया कि मुझे भूमिका नहीं निभानी चाहिए क्योंकि मैं एक मां की तरह नहीं दिखती हूं। आयुष्मान का कहना था कि मैं बहुत हाट हूं। उसे मेरी तरफ देखकर 'मम्मी' वाली फीलिंग नहीं आती है। 'केबीसी 13' में नीना अभिनेता गजराज राव के साथ स्पेशल गेस्ट के तौर पर नजर आने वाली हैं। यह सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा।

शार्क के काटने की घटनाएं होती हैं दुर्लभ

■ **टाउंसविल (द कन्वरसेशन)।**

शार्क के काटने की घटनाएं दुर्लभ लेकिन दर्दनाक होती हैं। इस तरह की घटना होने के बाद इन्हें रोकने के लिए रणनीतियां बनाने की बात होती है, जिनमें से कुछ शार्क के लिए खतरनाक या घातक हो सकती हैं। इस तथ्य के बावजूद कि शार्क आम तौर पर डरपोक होती हैं और इनसानों से बचती हैं। इवींसलैंड सरकार द्वारा अपनाए गए शार्कस्मार्ट दृष्टिकोण का उद्देश्य लोगों को अपने स्वयं के व्यवहार को बदलकर शार्क के काटने के जोखिम को कम करने की जिम्मेदारी लेने के लिए शिक्षित करना और आग्रह करना है। लेकिन क्या इंसान बदल सकता है? हमने पाया कि हिदायतों के परिणामस्वरूप लोग व्यवहार बदल सकते हैं और जो जरूरी है वह कर सकते हैं। लेकिन कुछ के लिए, दुर्भाग्य से, न बदलने का रवैया अभी भी कायम है।

शार्कस्मार्ट बनने के लिए अपनी भूमिका निभा रहे हैं : पिछले सर्वेक्षणों से पता चला कि पानी में उतरने वाले कई लोग पहले से ही शार्क के जोखिम को कम करने के कई तरीकों से अवगत थे, लेकिन सुधार की गुंजाइश थी। कई शार्कस्मार्ट व्यवहार जगजाहिर हैं, जैसे कि शाम या भोर में पानी में नहीं जाना, जब शार्क अधिक सक्रिय हो सकती हैं। लेकिन हम यह पता लगाना चाहते थे कि लोग पानी में और क्या कर रहे हैं और देखना चाहते थे कि क्या कुछ प्रमुख शार्कस्मार्ट हस्तक्षेपों से कोई फर्क पड़ा है।

छोटे-छोटे बदलाव करके हम खतरे को और भी कम कर सकते हैं : सितंबर से दिसंबर के गर्म महीनों को शार्क के काटने के संभावित उच्च जोखिम के रूप में माना गया है। पानी में उतरने वाले कुछ लोगों में शार्क के बारे में 'वह सही होगी' का रवैया अभी भी मौजूद है और इस समूह को बदलना सबसे कठिन हो सकता है, इस तरह के आराम के रवैए वाले लोगों के बीच खतरों के बारे में दृष्टिकोण को बदलना कठिन है। आस्ट्रेलिया में शार्क के काटने की घटनाएं बहुत कम होती हैं लेकिन छोटे-छोटे बदलाव करके हम खतरे को और भी कम कर सकते हैं।

उपाय

- लोगों को पानी में जाने से पहले एक छोटा वीडियो दिखाना
- लोगों को शार्क जोखिम को कम करने के तरीके को याद दिलाने के लिए बोट पर स्टिकर लगाना
- बोट का इस्तेमाल करने वालों को शार्कस्मार्ट ब्रोशर उपलब्ध कराना
- दो चार्टर बोट आपरेटरों को निर्दिष्ट अपशिष्ट निपटान बैग दिए गए थे तीसरा एक नियंत्रण समूह के रूप में कार्य कर रहा था।

जोखिम से जुड़े यह काम करने से बचना चाहिए

- पानी में छींटे उड़ाना
- अकेले तैरना
- मछली पकड़ने वालों के पास तैरना
- उन जगहों पर तैरना जहां अतीत में शार्क के काटने की घटना हुई हो (इस मामले में, सिड हार्बर में)
- मछली के स्क्रैप को पानी में फेंकना
- पानी में बर्ली फेंकना (एक प्रकार का चारा, जिसे कभी-कभी चुम के नाम से जाना जाता है)
- पानी में खाना फेंकना।

'गंगूबाई काठियावाड़ी' का विश्व प्रीमियर बर्लिन महोत्सव में होगा

पुणे (वार्ता)। संजय लीला भंसाली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' का विश्व प्रीमियर अगले साल फरवरी में 72वें बर्लिन अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में होगा। फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी का निर्देशन संजय लीला भंसाली ने किया है और इसमें मुख्य भूमिका अभिनेत्री आलिया भट्ट ने निभाया है। महोत्सव के आयोजकों ने बुधवार को घोषणा की कि गंगूबाई काठियावाड़ी इस वर्ष के लिए चुनी गई एकमात्र भारतीय फिल्म है। यह फिल्म भारत में 18 फरवरी को सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी लेकिन इसके पहले 10 फरवरी को इसे बर्लिन अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित किया जाएगा। 72वें बर्लिन अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में फिल्म के विश्व प्रीमियर के बारे में उत्साह जताते हुए संजय लीला भंसाली ने अपने ट्वीट मे कहा है, गंगूबाई काठियावाड़ी की कहानी मेरे दिल के बहुत करीब है, मैंने और मेरी टीम ने इस सपने को साकार करने के लिए बहुत मेहनत की हैं। हम प्रतिष्ठित बर्लिन अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में अपनी फिल्म के चुने जाने पर गर्व और सम्मान का अनुभव करते हैं।

'चंडीगढ़ करे आशिकी' ने 6 दिन में कमाए 20.91 करोड़ रूपए

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेता आयुष्मान खुराना और वाणी कपूर की हालिया रिलीज फिल्म 'चंडीगढ़ करे आशिकी' ने रिलीज के बाद से छह दिनों में 20.91 करोड़ रुपए की कमाई की है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने ट्विटर पर आंकड़े साझा किए। उन्होंने लिखा, हैशटैग चंडीगढ़ करे आशिकी वीकेंड में एक मजबूत प्रवृत्ति बनाए हुए है, हालांकि, मल्टीप्लेक्स में शो आज कम कर दिए गए हैं, क्योंकि हैशटैग स्पाइडरमैन आईए रिलीज होनी है। फिल्म ने शुक्रवार को 3.75 करोड़, शनिवार को 4.87 करोड़, रविवार को 5.91 करोड़, सोमवार 2.15 करोड़, मंगलवार को 2.18 करोड़, बुध 2.05 करोड़, कुल- 20.91 करोड़ कमाए हैं। रिलीज के पहले दिन फिल्म ने 3.75 करोड़ रुपए की कमाई की थी। अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित, 'चंडीगढ़ करे आशिकी' एक रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें आयुष्मान एक बाडी बिल्डर की भूमिका निभा रहे हैं जबकि वाणी एक जुम्बा शिक्षक की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म की कहानी आयुष्मान के चरित्र मनविंदर मुंजाल 'मनु' के इर्द-गिर्द घूमती है, जो चंडीगढ़ का एक बाडी बिल्डर है, जिसे मानवी नाम की एक जुम्बा टीचर से प्यार हो जाता है। चीजें तब मोड़ लेती हैं जब उसे पता चलता है कि मानवी एक ट्रांसजेंडर महिला है।

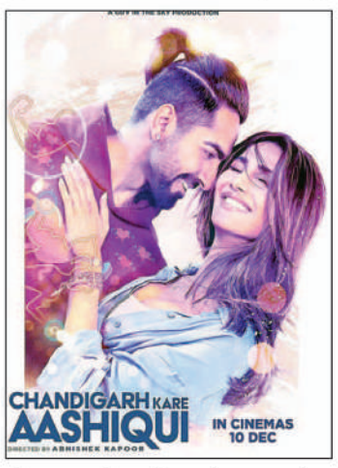

पिता से मिली तारीफ से अभिभूत हैं सुष्मिता

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेी सुष्मिता सेन फिल्म आर्या 2 के लिये पिता से मिली तारीफ से अभिभूत हैं। राम माधवानी निर्देशित आर्या का दूसरा सीजन 'आर्या 2 हाल ही में ओटीटी प्लेटफार्म डिज्नी प्लस हाटस्टार पर रिलीज किया गया है। इस सीरीज के साथ सुष्मिता ने एक्टिंग की दुनिया में धमाकेदार वापसी की है। आर्य के दूसरे सीान की काफी सराहना की जा रही है। आर्या 2 देख सुष्मिता के पापा न सिर्फ खुश हुए बल्कि उन्होंने बेटी पर गर्व भी जताया। सुष्मिता सेन ने कहा, मेरी मां ने मेरे साथ दूसरा सीरीज देखा। मेरे पिता ने जब मुझे कोलकाता से फोन किया तो वो बेहद भावुक थे और मुझसे कहा कि 'आर्या 2' देखने के बाद उन्हें मुझ पर गर्व है। यह मेरे लिए बहुत ही भावुक पल था। मैंने हमेशा अपने पिता से कहा था कि मैं उन्हें प्राउड करवाऊंगी। मुझे अपने पापा से ये तारीफ हासिल करने में 27 साल लग गए कि उन्हें मेरे काम पर गर्व है। यह सचमुच हम सभी के लिए सबसे महत्वपूर्ण पलों में से एक होता है, जब हमारे माता-पिता हमें बताते हैं कि हमारे सफर और जीवन में हमने जो कुछ भी हासिल किया है, उस पर उन्हें कितना गर्व है।

अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग पूरी

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेता विद्या बालन, प्रतीक गांधी, इलियाना डिक्रूज और भारतीय-अमेरिकी सनसनी सेंथिल राममूर्ति ने अपनी आगामी अनटाइटल्ड रोमांटिक कामेडी-ड्रामा फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। मुंबई और ऊटी में बड़े पैमाने पर शूट किए जाने के बाद, फिल्म ने अपनी प्रमुख फोटोग्राफी समाप्त कर ली है। फिल्म जल्द ही पोस्ट प्रोडक्शन में चली जाएगी। यह फिल्म, जिसे अंतिम 'डेट मूवी' के रूप में जाना जाता है, एक तेज गति वाली दुनिया में आधुनिक रिश्तों का एक प्रगतिशील, अबाधित रूप पेश करेगी। फिल्म के कलाकारों के पास निर्माण के माध्यम से एक अच्छा समय था और विद्या और प्रतीक की रैप का जश्न मनाते हुए उत्साह की एक उज्ज्वल तस्वीर में उत्साह स्पष्ट दिखाई दे रहा है। कलाकारों की चौकड़ी ने इससे पहले पिछले महीने अपना मुंबई शेड्यूल पूरा किया था। यह अप्लाज एंटरटेनमेंट और इलिप्सिस एंटरटेनमेंट के बैनर तले विज्ञापन फिल्म निर्माता शीर्ष गुहा ठाकुरता द्वारा निर्देशित किया जा रहा है।

नीरज चोपड़ा की भूमिका निभाना पसंद करुंगा

मुंबई (आईएएनएस)। बालीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना ओलंपिक में भारत के गोल्डन बाय नीरज चोपड़ा की बायोपिक बनने की स्थिति में उनकी भूमिका निभाने के इच्छुक हैं। 2020 टोक्यो ओलंपिक में नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता था। आयुष्मान कहते हैं, मैं लगातार वास्तविक लोगों से प्रेरित होता हूं जो असाधारण चीजें करते हैं। अभी मैं नीरज चोपड़ा से बेहद प्रेरित हूं। आयुष्मान ने कहा, ओलंपिक में भारत के लिए स्वर्ण जीतने के लिए उन्होंने जो संकल्प और प्रदर्शन किया, उसे सलाम करने की जरूरत है। अगर भविष्य में यह बायोपिक बनी है उसमें वे अपना रोल नहीं निभाना चाहते हैं तो मैं उनकी जगह वो काम करना चाहूंगा। अभिनेता का कहना है कि इस तरह की उपलब्धियों का जश्न मनाने की जरूरत है और ऐसे नायकों के जीवन की कहानियों को देश भर के लोगों को बताने की जरूरत है।

मुख्य भूमिका में रीम शेख और जैन इमाम

मुंबई (आईएएनएस)। रीम समीर शेख और जैन इमाम आगामी 'फना-तेरे इश्क में' शो में मुख्य भूमिका निभाएंगे। यह शो एक रोमांटिक थ्रिलर ड्रामा है। रीम एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी चलाने वाली एक आशावादी लड़की पाखी के चरित्र को चित्रित करेंगी, जबकि दूसरी ओर जैन एक व्यवसायी के रूप में अपनी भूमिका निभाएंगे। अभिनेताओं ने डेली सोप में अपनी भूमिकाओं के बारे में और यह भी बताया कि कहानी अन्य धारावाहिकों से कैसे अलग है। पाखी की भूमिका निभाने के लिए अपने उत्साह को व्यक्त करते हुए रीम ने कहा, मैं यह व्यक्त नहीं कर सकता कि मैं पाखी की भूमिका में कितना रोमांचित हूं। वह एक खुशमिजाज लड़की है जो सभी पर आसानी से भरोसा करती है।

अक्षय ने की सारा की तारीफ

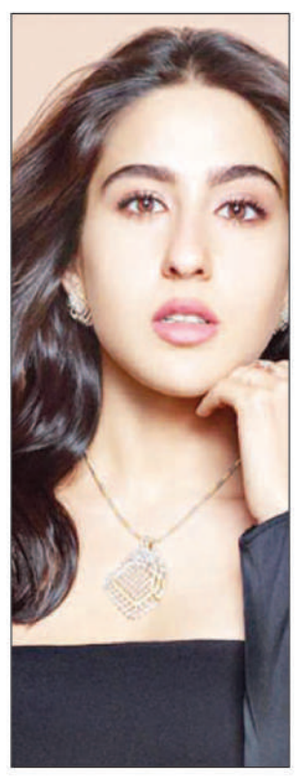

मुंबई (आईएएनएस)। बालीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने 'द कपिल शर्मा शो' पर फिल्म 'अतरंगी रे' में अपनी को-स्टार सारा अली खान के काम की तारीफ की। बातचीत के दौरान होस्ट कपिल शर्मा ने अक्षय से नए जमाने के अभिनेताओं के बारे में विचार पूछे। उसी का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी के कलाकार ज्यादा तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि ये लोग अधिक तैयार हैं। जब हमने उद्योग में प्रवेश किया, तो हमारे पास इतनी तैयारी नहीं थी। हम अनुभव के साथ सीख रहे थे। हमने 60 से 70 फिल्में करके अपना अनुभव प्राप्त किया, लेकिन जब नए अभिनेताओं ने उद्योग में प्रवेश किया, तो उन्होंने पहले से ही उस तरह का अनुभव था। उन्होंने सारा अली खान की भी प्रशंसा की और कहा कि 'अतरंगी रे' उनकी फिल्म थी, मैं आपको बता दूं, मैंने 'अतरंगी रे' देखी है। उन्होंने फिल्म में इतना शानदार काम किया है। मैं स्तब्ध रह गया। पूरी फिल्म उसकी है, फिर धनुष का और फिर मेरा। उसने बहुत शानदार प्रदर्शन किया है। अक्षय, सारा अली खान और निर्देशक आनंद एल राय के साथ एक विशेष अतिथि के रूप में दिखाई देंगे। 'द कपिल शर्मा शो' सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

उत्तर प्रदेश में बनेगी एनडीए की सरकार जीतेंगे 300 से अधिक सीट : अमित शाह

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के चाणक्य माने जाने वाले गृह तथा सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को लखनऊ दौरे के अपने पहले कार्यक्रम में निषाद पार्टी की 'सरकार बनाओ, अधिकार पाओ' रैली को संबोधित कया। रमाबाई आम्बेडकर रैली स्थल पर निषाद पार्टी तथा भाजपा की संयुक्त रैली में अमित शाह ने भरोसा जताया कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के नेतृत्व में एनडीए 300 से अधिक सीट जीतकर सरकार बनाएगी। अमित शाह ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2019 में गठबंधन में निषाद पार्टी हमारे साथ थी। उस दौरान बबुआ और बुआ का दुनिया का सबसे बड़ा गठबंधन बना लेकिन हमने उन्हें हरा दिया और भारी बहुमत हासिल किया। उन्होंने कहा कि इसी कारण हमको एक बार फिर अपनी सरकार बनाने के लिए मिलकर काम करना होगा। यहां सपा, बसपा की जो सरकारें चली उन्होंने अपनी जाति का काम किया, सभी पिछड़ी जातियों का काम करने का लक्ष्य मोदी जी का था और उन्होंने इसे पूरा किया।

अमित शाह ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र पर सिर्फ मोदी जी ही आगे बढ़ रहे हैं। भाजपा उत्तर प्रदेश में फिर से सरकार बनाने जा रही

है और निषाद समुदाय के बाकी एजेंडे को पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने राज्य से गुंडों और माफियाओं का सफाया कर दिया है। समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी उनकी रक्षा करते थे। अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर की आधारशिला रखी है। जल्द ही राम जन्मभूमि स्थल पर मंदिर बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर से जो निषाद उमड़ कर आए हैं (रैली में) वो बताता है कि 2022 में 300 पार के साथ भाजपा और एनडीए की सरकार बनने जा रही है। ऐसा माना जा रहा है कि भाजपा इस संयुक्त निषाद रैली के माध्यम से प्रदेश में लगभग चार प्रतिशत आबादी वाले निषाद-मछुवारा मतदाताओं को साधते हुए प्रदेश के लगभग 115 सीटों पर इनके प्रभाव का फायदा उठाना चाह रही है। इस संयुक्त रैली से भाजपा का प्रयास समाजवादी पार्टी के अनेक छोटे दलों के साथ गठबंधन के प्रभाव को भी कम करने का है। विधानसभा चुनाव 2017 और लोकसभा चुनाव 2019 में भाजपा ने प्रदेश में जिस प्रकार से जीत हासिल की, उसमें निषाद समुदाय की भूमिका भी अहम है। निषाद मतदाताओं को साधने के लिए आयोजित इस संयुक्त रैली में भाजपा नेता निषाद समुदाय के लिए राज्य में किए गए महत्वपूर्ण कार्यों की जानकारी देंगे। कयास लगाया जा रहा है कि रैली में गृह मंत्री अमित शाह निषाद-मछुवारा समुदाय के लिए कुछ बड़ी घोषणाएं भी कर सकते हैं। इससे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव ने लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गृह मंत्री अमित शाह का स्वागत किया। अमित शाह लखनऊ में निषाद समाज जन सभा के बाद सहकार भारती के वार्षिक अधिवेशन में शामिल होने के साथ यूपी सहकारी बैंक की 23 नई शाखाओं का भी उद्घाटन करेंगे। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उप्र राज्य भंडारण निगम एवं उप्र को-ऑपरेटिव बैंक की 155 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगें।

गंगा एक्सप्रेसवे बसपा सरकार का प्रोजेक्ट अब पीएम कर रहे शिलान्यास : अखिलेश

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के सभी विकास कार्य को अपना प्रोजेक्ट बताने वाले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अब ट्रैक बदल दिया है। रायबरेली के दो दिन के दौरे जा पहुंचे अखिलेश यादव ने मेरठ से प्रयागराज तक प्रस्तावित गंगा एक्सप्रेस को बहुजन समाज पार्टी का पुराना काम बताया है। अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को दूसरी सरकारों के काम के उद्घाटन और शिलान्यास का शौक है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार समाजवादी पार्टी के सरकार के कार्यकाल के दौरान विकास के कार्य का लोकार्पण और शिलान्यास कर रही है। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे तो हमारा काम था, इसी तरह श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के नव्य रूप का काम हमने शुरू किया था। अखिलेश यादव ने कहा कि अब पीएम नरेन्द्र मोदी शाहजहांपुर में शनिवार को जिस गंगा एक्सप्रेसवे

का शिलान्यास करेंगे, वो तो मायावती जी का प्रोजेक्ट था। एक बार मायावती जी ने सपना देखा था कि मेरठ से प्रयागराज तक गंगा एकसप्रेसवे बने। पीएम नरेन्द्र मोदी तथा सीएम योगी आदित्यनाथ समाजवादी पार्टी के प्रोजेक्ट का लोकार्पण तथा शिलान्यास करते-करते अब बहुजन समाज पार्टी के पुराने कामों को अपना बनाने का काम शुरू कर दिया है। बहुजन समाज पार्टी सरकार के कार्यकाल में गंगा एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट पर मंथन शुरू किया गया था। इसके बाद अब उत्तर प्रदेश सरकार ने इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है। अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार तथा केन्द्र सरकार के पास उत्तर प्रदेश में करने के लिए कुछ भी नहीं है। यह तो हमारे अधिकांश काम को पूरा करने में लगे हैं। अब तो उन्होंने बहुजन समाज पार्टी के भी पुराने कामों को उठा लिया है। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सपना देखा था कि गंगा एकसप्रेसवे बने। उस योजना पर काम भी शुरू करने की तैयारी थी।

बरेली: तीन बार सांसद रहे सर्वराज सिंह का बेटा बदलेगा रूहेलखंड में सियासत का समीकरण, थामा भाजपा का हाथ

बरेली। रुहेलखंड की धरती पर राजनीति का लंबे समय तक परचम लहराने वाले तीन बार के सांसद कुंवर सर्वराज सिंह के बेटे सिद्धराज सिंह ने गुरुवार भाजपा का दामन थाम लिया। लखनऊ में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मीकांत बाजपेई ने उन्हें पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई। इसके साथ ही सिद्धराज ने बदायूं की बिल्सी सीट से दावा भी ठोक दिया है। सिद्धराज पिछली बार सपा के टिकट पर आंवला विधानसभा सीट से चुनाव लड़े थे। भाजपा के पूर्व मंत्री धर्मपाल सिंह से करीब तीन हजार वोटों से उन्हें शिकस्त मिली थी। नौकरी छोड़कर सियासत में आने वाले सिद्धराज को अपने पहले चुनाव में 59619 वोट मिले थे। उनके साथ बरेली और बदायूं के तमाम लोगों ने भी भाजपा ज्वाइन की है। उन्हें बदायूं की बिल्सी सीट से टिकट मिलना तय माना जा रहा है। फिलहाल इस सीट से भाजपा के विधायक आरके शर्मा हैं, लेकिन उनकी आंवला सीट से चुनाव लड़ने की चर्चा है। सिद्धराज के पिता कुंवर सर्वराज सिंह आंवला लोकसभा सीट से तीन बार सांसद और बिथरी चैनपुर (तब सन्हा) विधानसभा सीट से दो बार विधायक रह चुके हैं। उन्हें क्षत्रिय समाज का बड़ा नेता माना जाता है। इस कारण सिद्धराज के भाजपा में जाने पर रुहेलखंड की सियासत के समीकरण बदलने की संभावना जताई जा रही है। सिद्धराज सिंह ने भाजपा ज्वाइन कर ली है, लेकिन उनके पिता पूर्व सांसद कुंवर सर्वराज सिंह फिलहाल कांग्रेसी ही हैं। उनके पिता ने 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा को अलविदा कहकर कांग्रेस ज्वाइन कर ली थी। वह कांग्रेस से चुनाव लड़े थे, लेकिन भाजपा के धर्मेन्द्र कश्यप से चुनाव हार गए थे।

मेरठ से प्रयागराज को जोड़ेगा गंगा एकसप्रेसवे, पीएम नरेन्द्र मोदी कल शाहजहांपुर में करेंगे शिलान्यास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे तथा बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की सौगात देने के बाद अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उत्तर प्रदेश के सबसे लम्बे एक्सप्रेसवे गंगा एकसप्रेसवे का शिलान्यास करेंगे। माना जा रहा है कि मेरठ से प्रयागराज के बीच में पड़ने वाले 12 शहरों की सूरत गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण से बदल जाएगी। मेरठ से प्रयागराज तक छह 594 किलोमीटर लम्बे छह लेन के गंगा एक्सप्रेसवे को इस तरह से बनाया जा रहा है कि भविष्य में इसको आठ लेन में परिवर्तित किया जा सके। मेरठ के खरखौदा में एनएच-334 के किनारे बसे बिजौली गांव से शुरू होकर गंगा एक्सप्रेसवे प्रयागराज के सोरांव में एनएच-19 पर बसे जूड़ापुर दांदू पर समाप्त होगा। गंगा एक्सप्रेसवे पर ही शाहजहांपुर में साढ़े तीन किलोमीटर लम्बी एयर स्ट्रिप भी बनाई जा रही है। जिससे वायुसेना के विमानों के आपातकालीन टेक-ऑफ और लैंडिंग में सहायता हो सके। मेरठ से प्रयागराज तक प्रस्तावित 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण अडानी इंटरप्राइजेज और आइआरबी इन्फ्राट्रक्चर डेवलपर्स करेंगे।

बिडिंग प्रक्रिया के जरिये चयनित हुईं इन कंपनियों के चयन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में भी मुहर लग गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को शाहजहांपुर जिले में गंगा एक्सप्रेसवे की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दोपहर 12.10 बजे विमान से बरेली के त्रिशूल एयरबेस, इसके बाद हेलीकाप्टर से जनसभा स्थल पहुंचेंगे। सवा घंटे वहां रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी आएंगे। लोकसभा चुनाव से पहले भी प्रधानमंत्री ने रोजा के रेलवे मैदान में किसान रैली की थी। अब विधानसभा चुनाव से पहले जनसभा व शिलान्यास में आ रहे। प्रदेश का सबसे लम्बा यह गंगा एक्सप्रेसवे 594 किलोमीटर लम्बा और छह लेन वाला बनेगा। इसके निर्माण की लागत 36,200 करोड़ रुपये है। एक्सप्रेस वे मेरठ से शुरू होकर हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली व प्रतापगढ़ से प्रयागराज पहुंचेगा। यह राज्य के पश्चिमी और पूर्वी क्षेत्रों को जोड़ने वाला उत्तर प्रदेश का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे बन जाएगा।

गाजीपुर बार्डर पर धरना खत्म होने के बाद राकेश टिकैत ने शुकतीर्थ में की पूजा अर्चना

मुजफ्फरनगर। गाजीपुर बॉर्डर से धरना समाप्त के बाद अपने घर पहुंचने के दूसरे दिन भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत शुक्रवार की सुबह मंडल व जिले के पदाधिकारियों के साथ यहां मुजफ्फरनगर के मोरना में शुकतीर्थ में पहुंचे, जहां पर उन्होंने शुकदेव आश्रम में पूजा अर्चना की और शिक्षा ऋषि संत स्वामी कल्याणदेव जी महाराज की समाधि पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। शुकदेव आश्रम के पीठाधीश्वर स्वामी ओमानंद महाराज ने राकेश टिकैत को पटका पहनाकर साहित्य भेंट कर आशीर्वाद दिया। भाकियू के मंडल उपाध्यक्ष अनुज पहलवान, जिला अध्यक्ष योगेश शर्मा, पुष्पेंदर, सर्वेंद्र राठी आदि मौजूद रहे। गौरतलब है कि भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत की 383 दिन बाद मुजफ्फरनगर में बुधवार की देररात घर वापसी हुई थी। देर रात वह किसानों और समर्थकों के काफिले के साथ अपने घर सिसौली पहुंचे थे। सुबह गाजीपुर बार्डर से रवाना हुए टिकैत के काफिले का सैकड़ों स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। सोरम चौपाल पर चांदी का मुकुट पहनाया गया। यहां राकेश टिकैत ने आंदोलन की यादें ताजा कीं और भविष्य के लिए अपने इरादे भी जता दिए। कहा- 'यदि सरकार अपने वादे से मुकरी तो फिर दिल्ली बार्डर पर किसानों के साथ जा डटेंगे'। राकेश टिकैत 26 नवंबर 2020 को गाजीपुर बार्डर पर धरने पर बैठे थे। मुजफ्फरनगर में देर रात घर पहुंचने पर बड़ी बहन ओमवीरी देवी ने राकेश टिकैत का स्वागत किया। मुजफ्फरनगर में प्रवेश करते ही राकेश टिकैत का कई स्थानों पर स्वागत हुआ।

मुरादाबाद में कांग्रेस से दावेदारों को परखेंगे हरियाणा के सांसद

मुरादाबाद। आज हरियाणा के सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा मुरादाबाद आ रहे हैं। वह सर्किट हाउस में बरेली और मुरादाबाद मंडल के सभी जिलों के कांग्रेस से टिकट मांगने वाले दावेदारों से सीधी बात करेंगे। सांसद के साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं यूपी के सह सहप्रभारी तौकीर आलम, धीरज गुर्जर और प्रदेश महासचिव सचिन चौधरी भी उनके साथ में रहेंगे। जिलाध्यक्ष असलम खुर्शीद ने बताया कि कांग्रेस नेता सबसे पहले मुरादाबाद जनपद की सभी सीटों के दावेदारों से बात करेंगे। इस दौरान टिकट को लेकर तमाम नामों चर्चा होगी। इसके अन्य जनपदों से आने वाले दावेदारों और अन्य कांग्रेस के नेताओं से मुलाकात करके पश्चिमी उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति तैयार करेंगे।

केजरीवाल यूपी में दो जनवरी को करेंगे आम आदमी पार्टी का चुनाव अभियान का शुभारंभ

लखनऊ। दिल्ली के सीएम तथा आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल 2022 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी पार्टी के अभियान को धार देंगे। केजरीवाल लखनऊ में दो जनवरी को रैली से पार्टी के चुनाव प्रचार अभियान को शुरू करेंगे। आम आदमी पार्टी ने उत्तर प्रदेश की सारी 403 सीट पर प्रत्याशी उतारने की घोषणा की थी। इसके साथ पार्टी ने अयोध्या और लखनऊ में तिरंगा यात्रा भी शुरू की थी। अब पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल इस अभियान को गति देने के क्रम में दो जनवरी को लखनऊ के रमा बाई अम्बेडकर मैदान में रैली को संबोधित करेंगे। इसी में केजरीवाल बेरोजगारों को हर महीने पांच हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता देने और 10 लाख लोगों को हर साल नौकरी देने का चुनावी वादा भी करेंगे। आप ने महारैली की तैयारियां शुरू कर दी

हैं। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश के प्रभारी व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने इस रैली में केजरीवाल बड़ी घोषणा करेंगे। पार्टी इससे पहले सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने तथा पुराने बकाया बिल को माफ करने की घोषणा कर चुकी है। आम आदमी पार्टी अब बेरोजगारों को भत्ता व नौकरी देने का यह दूसरा वादा करेगी। संजय सिंह ने दावा किया कि रोजगार कार्यालय में करीब 34 लाख बेरोजगार अपना नाम दर्ज करा चुके हैं। ऐसे में पांच हजार रुपये प्रति माह भत्ता देने पर हर महीने 1700 करोड़ रुपये और साल में 20 हजार, 400 करोड़ रुपये खर्च होंगे। 550 लाख करोड़ के बजट में इतनी धनराशि निकालना कोई कठिन काम नहीं है। उन्होने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी की पत्रकारों से की गई अभद्रता की निंदा की और उन्हें मंत्री पद से हटाने की मांग की।

बागपत में छह लाख के जेवरात चुराने वाले तीन आरोपित गिरफ्तार

बागपत। बागपत के चांदीनगर में ललियाना गांव में बीती दस दिसंबर को मकान में हुई चोरी की वारदात को गांव के ही तीन युवाओं ने अपने शौक पूरे करने के लिए अंजाम दिया था। पुलिस ने तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर घटना का राजफाश कर दिया है। पुलिस ने चोरी गए सोने चांदी के जेवरात के साथ ही एक तमंचा भी बरामद किया है। ललियाना गांव में दस दिसंबर की रात सोमेंद्र पुत्र रामनिवास के मकान से चोर लाखों रुपये के सोने चांदी के जेवरात चोरी कर ले गये थे। पीड़ित ने अज्ञात में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस तभी से इस घटना की सुरागरसी में लगी थी। पुलिस के अनुसार शुक्रवार को मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी की घटना को अंजाम देने वाले बदमाश ललियाना गांव में मोनू पुत्र जग्गी की दुकान के पास खड़े है, जो चोरी किए गए आभूषण को दिल्ली बेचने जा रहे है। सूचना मिलते ही एसएसआई मुनेंद्र कुमार उपनिरीक्षक विनोद कुमार ने टीम के साथ मौके पर पहुचकर घेराबंदी करके तीनो को दबोच लिया और थाने ले आई।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन: योगी सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप, चुनाव में 'नोटा' दबाने की चेतावनी

मैनपुरी। प्रदेश व्यापी आंदोलन के तहत मैनपुरी में आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने कलक्ट्रेट पर धरना दिया। कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। उन्होंने योगी सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। साथ ही आगामी चुनाव में नोटा का बटन दबाने की बात कही। लंबे समय से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रही हैं। इस बीच कई बार आंगनबाड़ी कार्यकताओं के प्रतिनिधिमंडल और सरकार के बीच वार्ता हुई। इसमें मांगों पर सहमति भी बनी। इसके बाद भी आदेश आज तक जारी नहीं किया जा सका। इससे नाराज आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने बृहस्पतिवार को प्रदेशव्यापी आंदोलन की रणनीति बनाई थी। इसी के तहत जिले की आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने कलक्ट्रेट पहुंचकर धरना दिया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्ष सरिता शाक्य ने कहा कि सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के साथ वादा खिलाफी की है। उनसे झूठ बोलकर सरकार ने छलावा किया है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकताओं की मांग है कि सरकार जबरन सेवानिवृत्त किए गए कार्यकताओं को पेंशन जारी करे साथ ही सात जून 2018 का समझौता लागू किया जाए। खाली पदों पर नई भर्ती, पदोन्नति और समायोजना की प्रक्रिया पूर्ण करने की भी उन्होंने मांग की। कलक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन करते हुए कार्यकर्ता जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचीं। यहां उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। इस दौरान मंजू चौहाना, शालिनी चौहान, रिहाना बेगम, सुषमा कश्यप, मीरा यादव, रिचा दुबे, शुक्ला देवी, रानी, शशि दीक्षित, अरुणा बैस, ममता राठौर, पूनम, रजनी, ऊषा राजपूत, शाहीन बेगम समेत एक सैकड़ा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

सहारनपुर में प्रेमविवाह करने वाला युवक कोर्ट से परिसर से लापता, आनरकिलिंग की आशंका

सहारनपुर। सहारनपुर के नकुड़ थाना क्षेत्र के गांव जलालपुर निवासी एक युवक एक दिसंबर को कोर्ट परिसर से लापता हुआ था। जिसके बारे में अभी तक भी कुछ पता नहीं चला है। इस युवक ने दूसरे गांव की एक युवती से प्रेम विवाह किया था। शुक्रवार को एसएसपी ऑफिस पहुंचे युवक के परिजनों ने बताया कि उन्हें पूरी आशंका है कि लड़की वालों ने युवक का अपहरण कर हत्या कर दी है। वही लड़की भी गायब है। इसलिए उन्हें डर है कि दोनों की लड़की पक्ष में हत्या कर दी है। ग्रामीणों ने एसपी सिटी से गुहार लगाई है कि युवक और युवती का पता किया जाए। गांव जलालपुरा निवासी सौरभ पुत्र विक्रम सिंह ने बताया कि उसके भाई शुभम ने 26 अक्टूबर को नकुड़ थाना क्षेत्र के गांव तीरपडी निवासी दीपिका पुत्री अनूप सिंह के साथ आर्य समाज मंदिर में शादी की थी। जिस कारण युवती के परिवार वाले सख्त नाराज थे।

बैककर्मी रहे हड़ताल पर, नहीं खुले बैंको के ताले

मऊ। 10 लाख बैक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के संयुक्त मंच यूनाइटेड फोरम आफ बैंक यूनियन्स द्वारा सरकारी बैंको को बेचे जाने के फैसले के विरोध में तथा उनके निजीकरण करनें का मार्ग निष्कंटक बनाने के लिए संसद में सूचीबद्ध बैंकिग कानून संसोधन विधेयक वापस लेने की मांग के

200 करोड़ का व्यवसाय हुआ प्रभावित

समर्थन में 16-17 दिसम्बर की दो दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल के आह्वान पर जनपद के बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों नें बैंक शाखाओं तथा मुख्य प्रशासनिक कार्यालयों-मण्डल कार्यालय पंजाब नेशनल बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय यूनियन बैंक आफ इण्डिया के समक्ष जोरदार प्रदर्शन एवं नाराबाजी कर पूर्णतया काम ठप कराया। हड़ताली बैंक के जत्थों ने गाजीपुर तिराहा स्थित बैंक आफ बड़ोदा शाखा के समक्ष रामअवतार सिंह की अध्यक्षता में धरना सभा आयोजित कर सामुहिक प्रदर्शन आयोजित कर सरकारी बैंको को बेचे जानें तथा संसद मे प्रस्तावित बैंकिंग कानून सुधार विधेयक

को जनविरोधी करार देते हुए अपने गम एवं गुस्से का इजहार किया। उ0प्र0 बैंक इम्प्लाईज यूनियन के उपजिला मंत्री का0 बाला जी मोदी नें हड़ताल के पहले दिन शतप्रतिशत बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की हिस्सेदारी का स्वागत करते हुए दावा किया कि हड़ताल के चलते जनपद में बैंक शाखाओं के ताले नही खुले। उन्होने सरकार की जनविरोधी बैंकिंग सुधार की आतुरता की शक्त आलोचना करते हुए कहा कि सरकार बैंको में 157 लाख करोड़ की जनता के जमाधन को नीजीकरण के रास्ते चहेते पूँजीपतियों को सौंप देना चाहती है। बैंक अधिकारी नेता साथी इन्द्रजीत कुमार ने सरकार द्वारा बैकों को नीजीकरण करनें की कार्यवाही न सिर्फ बैंको में जमा जनता की बचत को खतरे में डाल देगी अपितु एक विकासील देश मे कृषि तथा छोटे मझोले उद्योगों तथा ढ़ाचागत आधार शिला के विकास में सरकारी बैंकों की समय परीक्षित भूमिका को समाप्त कर देनें का खामियाजा आत्मनिर्भर विकास के योजनाओं को भुगतना पड़ेगा। सभा की अध्यक्षता करते हुए यूनाइटेड फोरम बैंक यूनियन्स मऊ के संयोजक रामअवतार सिंह नें हड़ताली बैंक कर्मियों के उत्साह एवं अनुशासन की सराहना करते हुए दावा किया कि हड़ताल के पहले दिन बैंकिंग सेवा पूरी तरह ठप रहने के चलते लगभग 200 करोड़ का व्यवसाय प्रभावित हुआ है। सभा को नरेन्द्र कुमार सिंह, आतिफ उस्मानी, श्रीनिवास राव, अभिषेक कुमार, दिलीप मौर्य, आकाक्षा सिंह, मेघा त्रिपाठी, ललिता विश्वकर्मा, अनुप पाण्डेय, कैलाश, केदार नाथ, धर्मराज, सुधीर जायसवाल, का0 बजरंगी, सोनू गुप्ता, श्रीनाथ, वीरबहादुर यादव, आदि नें कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी कर नीजीकरण विरोधी प्रदर्शन में सोउत्साह भाग लिया।

टेनी को बचाने में लगी है केंद्र सरकार- इंतेखाब आलम

मऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निदेर्शानुसार उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर मऊ जिला कांग्रेस कमेटी शहर कांग्रेस कमेटी एवं सभी विभाग और प्रकोष्ठ संगठनों के पदाधिकारियों ने बुनकर कॉलोनी स्थिति कार्यालय पर उपस्थित होकर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार टेनी को बर्खास्त करने की मांग को लेकर धरने पर बैठे ततपश्चात कार्यकर्ताओ ने कार्यालय से जिलाधिकारी कार्यालय की तरफ मार्च करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंच कर जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा। धरने को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंतखाब आलम ने कहा कि जिस तरह से जांच एजेंसियों ने आरोप लगाया है कि सोची समझी रणनीति के तहत किसानों पर गाड़ी चडाई गई उसके बाद भी केंद्र सरकार अजय कुमार टेनी को बचाने में लगा हुआ है जिससे स्पष्ट है कि टेनी के पास सरकार का बहुत बड़ा राज है इसलिए सरकार उन्हें बचाने के लिए एड़ी से चोटी तक जोर लगाया हुआ है परंतु कांग्रेस पार्टी किसानों के साथ है और अजय कुमार टेनी को बर्खास्त करा कर किसानों को न्याय दिलाने के लिए वचनबद्ध है। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विष्णु प्रकाश कुशवाहा ने कहा कि भारतीय

जनता पार्टी लोकतंत्र दुहाई देती है परंतु आज अजय कुमार टेनी को लोकतंत्र को तार तार कर रही हैं। पूर्व विधायक अमरेश चंद्र पांडेय ने कहा की कांग्रेश पार्टी की सरकार में रेल मंत्री श्री पवन बंसल जी के भतीजे पर थोड़ा सा आरोप लगा था तो मंत्री पद से इस्तीफा दे दी परंतु गृह मंत्री जी के बेटे ने किसानों को कुचलने के बावजूद भी सरकार का पूरा मंत्रिमंडल इन्हें बचाने के जुगाड़ में लगा हुआ है यह लोकतंत्र के लिए बहुत ही घातक हैं। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से संजय यादव, राजमंगल यादव, धर्मेन्द्र कुमार सिंह, घनश्याम सहाय, माधवेन्द्र बहादुर सिंह, रामलपित पांडेय, अकरम प्रेमियर, विनोद कुमार, मधुसूधन त्रिपाठी, रमन पांडेय, शैलेन्द्र सिंह, ओमनारायण शर्मा, एचसी दुर्गेटकर, वीरेंद्र कुशवाहा, सुरेंद्र राजभर, संजय सिंह, आदि शामिल रहे।

मामले से उचित तरीके से निपटेंगे : गांगुली

विराट कोहली के बयान के बाद बोले

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान विराट कोहली के बीसीसीआई की ओर से उन्हें वनडे कप्तानी से हटाए जाने के बयान के एक दिन बाद गुरुवार को कहा कि बोर्ड मौजूदा स्थिति से उचित तरीके से निपटेगा।

गांगुली ने हालांकि पत्रकारों के लगातार प्रश्नों के बावजूद इस मुद्दे में कोई बयान देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, मेरी कोई टिप्पणी नहीं है। मैं केवल यह कहूंगा कि हम इससे उचित तरीके से निपटेंगे। बीसीसीआई दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जाने से पूर्व मुंबई में किए गए संवाददाता सम्मेलन के दौरान विराट के दावे कि उन्हें राष्ट्रीय चयनकर्ताओं से वनडे कप्तानी से हटाए जाने के बारे में पता चला था, को लेकर न तो कोई बयान जारी करेगा और न ही कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा। दरअसल विराट ने दावा किया था कि बीसीसीआई द्वारा दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट टीम की घोषणा करने से महज डेढ़ घंटे पहले चयनकर्ताओं ने उन्हें वनडे कप्तानी से हटाए जाने के बारे में बताया था। बीसीसीआई अध्यक्ष ने इस सवाल का जवाब देने से भी परहेज किया कि क्या विराट की टिप्पणियों ने भारतीय टीम और भारतीय क्रिकेट को शर्मिंदा किया है। उन्होंने कहा कि इसे बीसीसीआई पर छोड़ दीजिए, हम इससे निपटेंगे। उल्लेखनीय है कि गांगुली ने इससे पहले दावा किया था कि उन्होंने और चयन पैनल के अध्यक्ष चेतन शर्मा दोनों ने रोहित शर्मा को नया वनडे कप्तान बनाए जाने के फैसले के बारे में विराट से बात की थी, जबकि विराट का कहना है कि उनसे सलाह-मशविरा नहीं किया गया था। टेस्ट कप्तान विराट ने इस बात से भी इनकार किया है कि उन्हें बोर्ड ने टी-20 कप्तानी न छोड़ने के लिए कहा था। उन्होंने कहा था, जब मैंने बीसीसीआई से कहा कि मैं टी-20 कप्तानी छोड़ना चाहता हूं तो मुझे इस पुनर्विचार करने के बजाय इसे अच्छी तरह से स्वीकार किया गया था। कोई हिचक नहीं थी। मुझे कहा गया कि यह एक अच्छा कदम है।

गांगुली से पूछा जाना चाहिए कि बातों में फर्क क्यों : गावस्कर

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान और अब मशहूर कमेंटेटर सुनील गावस्कर मानते हैं कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष सौरव गांगुली सबसे सही व्यक्ति होंगे जो ये बताएंगे कि विराट कोहली ने जो कहा है कि उनसे टी20 कप्तानी छोड़ने को लेकर दोबारा विचार करने के लिए किसी ने नहीं पूछा था, उसमें कितनी सच्चाई है। विराट के टी20 अंतर्राष्ट्रीय से कप्तानी छोड़ने के अगले ही दिन गांगुली ने कहा था कि बीसीसीआई ने उनसे अपने फैसले पर दोबारा विचार करने के लिए कहा था। जबकि दक्षिण अफ्रीका जाने से ठीक पहले विराट ने इस बात से इंकार किया कि उन्हें किसी ने दोबारा विचार करने के लिए कहा था। पूर्व भारतीय कप्तान गावस्कर ने कहा, मुझे लगता है कोहली की बात पर यहां पर बीसीसीआई से नहीं बल्कि एक व्यक्ति विशेष से पूछा जाना चाहिए कि विराट तक बात क्यों नहीं पहुंची या संदेश क्यों नहीं गया। गांगुली बीसीसीआई के अध्यक्ष हैं लिहाजा उनसे बिल्कुल पूछा जाना चाहिए कि बात में फर्क क्यों है। मेरी नजर में गांगुली सबसे सही व्यक्ति हैं जो ये बता सकते हैं कि विराट आखिर ऐसा क्यों बोल रहे हैं।

बड़े दौरे से पहले उंगली उठाना ठीक नहीं : कपिल

नई दिल्ली। बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरव गांगुली के साथ कप्तान विराट कोहली के हुए मतभेद पर विश्व कप विजेता भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि उन्हें लगता है कि विराट कोहली के बयानों ने कप्तानी के मुद्दे पर बीसीसीआई के साथ उनके मतभेदों को उजागर किया है क्योंकि उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के महत्वपूर्ण दौरे से ठीक पहले एक विवाद पैदा कर दिया है । उन्होंने कहा कि मौजूदा टेस्ट कप्तान और बोर्ड अध्यक्ष का सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे का खंडन करना अच्छी बात नहीं है। इसके बजाए, उनका ध्यान दक्षिण अफ्रीका के बड़े दौरे पर होना चाहिए जो आने वाला है। विराट के बयान के बारे में पूछने पर कपिल ने कहा कि इस समय किसी पर भी उंगली उठाना ठीक नहीं है। दक्षिण अफ्रीका का दौरा आ रहा है और अभी इसपर ध्यान देना ठीक होगा। कपिल देव ने कहा, मैं कहूंगा कि बोर्ड अध्यक्ष बोर्ड अध्यक्ष हैं लेकिन हां भारतीय क्रिकेट टीम का कप्तान होना भी एक बड़ी बात है। लेकिन सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे के बारे में बात करना, मुझे नहीं लगता कि यह अच्छी बात है, चाहे वह सौरव हो या कोहली।

सिंधू, श्रीकांत क्वार्टरफाइनल में

पोनप्पा-सिक्की और सात्विक-चिराग की जोड़ी हारी

हुएल्वा, स्पेन। विश्व चैंपियन भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और किदाम्बी श्रीकांत गुरुवार को राउंड ऑफ 16 के अपने-अपने मुकाबले जीत कर स्पेन के हुएल्वा में जारी बीडब्लूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए।

इस बीच अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की भारतीय महिला युगल जोड़ी तथा सात्विकसैराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गई।दो बार की ओलंपिक पदक विजेतासिंधू ने महिला एकल के राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में दसवीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग को एकतरफा अंदाज में हराकर अगले दौर में जगह बनाई। उन्होंने अपने शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए महज 48 मिनट तक चले मैच में पोर्नपावी को लगातार गेमों में 21-14, 21-18 से पराजित कर दिया। सिंधू का अगला मुकाबला नंबर एक सीड चीनी ताइपे की ताई जू यिंग से होगा जिनके खिलाफ सिंधू का 5-14 का करियर रिकॉर्ड है। वहीं दूसरी ओर पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने चीन के लु गुआंग्जू के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की। उन्होंने 40 मिनट तक चले मैच में चीनी खिलाड़ी को आसानी से 21-10, 21-15 से मात दी। यह श्रीकांत की लगातार तीसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने स्पेन के पाब्लो एबियन और चीन के एलआई शी फेंग को हराया था। वह अब शुक्रवार को नीदरलैंड के मार्क कैलजॉउ से भिड़ेंगे। इस बीच सातवीं वरीयता प्राप्त अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की भारतीय जोड़ी महिला युगल के राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में जोंगकोलफन किथिथाराकुल और रविंदा प्राजोंगजय की थाईलैंड की जोड़ी के खिलाफ संघर्ष करती नजर आई।

हैदराबाद ने गेंदबाजी कोच के लिए स्टेन से किया संपर्क

हैदराबाद । डेल स्टेन आईपीएल में एक नई पारी के लिए तैयार हैं। उनकी पुरानी फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से टीम के गेंदबाजी कोच के लिए स्टेन से संपर्क किए जाने की जानकारी सामने आई है। फ्रेंचाइजी के अगले हफ्ते इस संबंध में एक घोषणा करने की उम्मीद है। 93 टेस्ट मैचों में 22.95 के शानदार औसत के से 439 विकेटों के साथ अब तक के सबसे महान तेज गेंदबाजों में शुमार स्टेन टीम में टॉम मूडी के साथ काम करेंगे, जो फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच के रूप में कार्यभार संभालने जा रहे हैं।

स्टेन की ओर से फिलहाल इस बारे में कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन आईपीएल के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी देते हुए फ्रेंचाइजी और स्टेन के बातचीत की पुष्टि की है। यह भी संभावना जताई गई है कि भारत और तमिलनाडु के पूर्व ऑलराउंडर हेमांग बदानी भी हैदराबाद टीम के कोचिंग स्टाफ में शामिल होंगे। समझा जाता है कि 2021 सीजन के बाद मुख्य कोच ट्रेवर बेलिस और बल्लेबाजी कोच ब्रैड हैडिन के पद छोड़ने के बाद हैदराबाद को कोचिंग स्टाफ में नए स्टाफ की जरूरत थी। हाल ही में फ्रेंचाइजी को लंबे समय से मेंटर की भूमिका निभा रहे वीवीएस लक्ष्मण के साथ भी संबंध तोड़ना पड़ा था, जिन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के साथ एक करार करके राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी प्रमुख का कार्यभार संभाला है।

कोरोना के चलते इंडीज का पाकिस्तान दौरा रद्द

वेस्टइंडीज़ के पांच सदस्य कोविड संक्रमित

करांची । वेस्टइंडीज का पाकिस्तान दौरा कोरोना के बढ़ते खतरे को देखते हुए रद्द कर दिया गया है। वेस्टइंडीज के पांच और सदस्यों का कोविड टेस्ट सकारात्मक आया है। पांचों खिलाड़ियों में शाई होप, अकील हुसैन और जस्टिन ग्रीव्स के साथ सहायक कोच रॉडी एस्टविक और टीम फिजिशियन डॉ अक्षय मानसिंह शामिल हैं।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने पुष्टि की है कि सभी तीन खिलाड़ी शेष निर्धारित मैचों एक टी20 और तीन एकदिवसीय के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। साथ ही जिन सदस्यों का कोविड टेस्ट सकारात्मक आया है उन्हें 10 दिनों के लिए अलग रहना पड़ेगा। उन्हें तब तक मुख्य समूह में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक उनका कोविड टेस्ट नकारात्मक नहीं आता है।एक बार जब टीम के सभी मेंबर का कोविड टेस्ट निगेटिव आ जाता है, तब क्रिकेट वेस्टइंडीज़ और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के बीच एक बैठक होगी, जिसमें इस दौरे के भविष्य पर चर्चा की जाएगी।इससे पहले भी वेस्टइंडीज़ के तीन खिलाड़ी कोविड संक्रमित होने के बाद टीम से पहले ही बाहर हो चुके हैं, जिसमें काइल मेयर्स, रॉस्टन चेज़ और शेल्डन कॉट्रेल का नाम शामिल था। वहीं डेवन थॉमस भी उंगली की चोट के कारण इस दौरे से बाहर हो चुके हैं।कुल मिला कर वेस्टइंडीज खेमे में अब छह खिलाड़ी टीम से बाहर हैं।

चोट के कारण प्लिस्कोवा ऑस्ट्रेलियन ओपन से बाहर

टूर्नामेंट से नाम वापस लिया

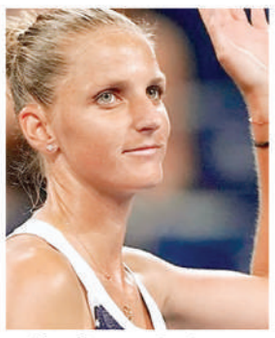

सिडनी। वर्ल्ड नंबर चार करोलिना प्लिस्कोवा चोटिल होने के बाद अगले महीने होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन से बाहर हो गईं। चेक गणराज्य के 29 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, दुर्भाग्य से अभ्यास के दौरान मुझे चोट लग गई और इस वजह से मैं ऑस्ट्रेलियन ओपन में नहीं खेल पाऊंगी। ऑस्ट्रेलियन ओपन के अधिकारियों ने गुरुवार को उनके नाम वापस लेने की पुष्टि की।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट लिखा गया, आपकी कमी खलेगी, आपके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। दो बार के ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट प्लिस्कोवा, सेरेना विलियम्स और बियांका एंड्रीस्कु के साथ उस लिस्ट में शामिल हो गई, जो अगले महीने होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन में नहीं खेल रही हैं।

बिंद्रा मानसिक स्वास्थ्य पर निशानेबाजों की मदद करेंगे

बिंद्रा ने पत्र लिखकर जताई इच्छा

नई दिल्ली। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता एवं पूर्व भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने गुरुवार को जागरूकता और मानसिक कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने वाले कार्यक्रम के साथ खेल पारिस्थितिकी तंत्र में एथलीटों, कोचों, प्रशासकों, माता-पिता और अन्य लोगों की मदद करने की पेशकश की।उन्होंने यह कदम निशानेबाज कनिका लायक की कथित रूप से मानसिक तनाव के कारण संदिग्ध हालत में हुई मौत के बाद उठाया है।

उल्लेखनीय है कि चार महीने में यह चौथी घटना है जब किसी एथलीट ने आत्महत्या की है। इससे पहले निशानेबाज खुशसीरत कौर संधू, हुनरदीप सिंह सोहल और नमनवीर सिंह बराड़ ने भी आत्महत्या की थी। चारों राज्य स्तरीय निशानेबाज थे। बिंद्रा ने नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया एनआरएआई के अध्यक्ष रणइंदर सिंह को संबोधित एक पत्र में कहा, हमें किसी भी अन्य जानमाल के नुकसान को रोकने के लिए जल्दी और जिम्मेदारी से कार्य करना चाहिए। एथलीटों को उनकी अधिकतम क्षमता हासिल करने में मदद करने की दिशा में मेरी प्राथमिक पहुंच अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन के माध्यम से है, जिसमें हम न केवल उच्च प्रदर्शन वाले एथलीटों के शारीरिक पहलुओं को पूरा करते हैं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी जोर देते हैं। ओलंपिक पदक विजेता ने कहा, एथलीट भी इंसान हैं और चिंता, अवसाद से ग्रस्त हैं और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए उन्हें एक सुरक्षित और अनुकूल वातावरण दिए जाने की आवश्यकता है। हमारा इरादा एथलीटों, कोचों और बाकी खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बातचीत शुरू करने में मदद करना है। पिछले कुछ वर्षों से एबीएफ ने एथलीट मेंटल वेलनेस और कोच मेंटल वेलनेस कार्यक्रमों को पांच स्पोर्ट्स इकोसिस्टम में सफलतापूर्वक संचालित किया है, जिसमें एथलीटों को यह बात समझाने पर जोर दिया गया है कि वे पहले इंसान हैं, जहां एथलीटों को आत्म-जागरूकता और आत्म-देखभाल उपकरण, पोस्ट-एथलेटिक योजनाएं, शांति और अन्य घटक उपलब्ध कराए जाते हैं। बिंद्रा ने कहा, मैं खेल पारिस्थितिकी तंत्र में एथलीटों, कोचों, प्रशासकों, माता-पिता और अन्य लोगों की मदद करने की पेशकश करना चाहता हूं। मेरी टीम इस दिशा में अपना समय और ऊर्जा देने के लिए तैयार है।

आर्सेनल ने वेस्ट हैम को हराया

प्रीमियर लीग में चौथे स्थान पर पहुंचा

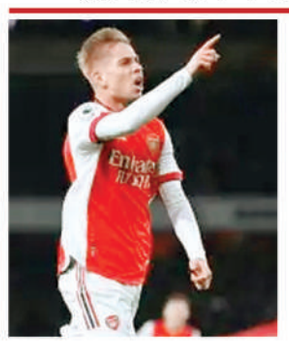

नई दिल्ली। गेब्रियल मार्टिनेली और एमिल स्मिथ रोवे के गोल से आर्सेनल प्रीमियर लीग में शीर्ष चार में पहुंच गया और वेस्ट हैम यूनाइटेड के खिलाफ 2-0 से शानदार जीत दर्ज की। आर्सेनल ने पिछले पांच मैचों में से तीन की जीत हासिल की है और दो में हार मिली है। वहीं, टीम अब इस जीत के साथ चौथे स्थान पर है। टीम ने कुल 17 मैचों में नौ मैच जीते हैं। वेस्ट हैम यूनाइटेड ने पिछले पांच मैचों में से एक में जीत हासिल की है, दो में हार और दो मैच ड्रॉ खेले हैं। वहीं, टीम अब इस हार के साथ पांचवें स्थान पर है। टीम ने कुल 17 मैचों में आठ मैच जीते हैं।

लैमिछाने बने नेपाल क्रिकेट टीम के नए कप्तान

काठमांडू। 21 वर्षीय लेग स्पिनर संदीप लैमिछाने को नेपाल क्रिकेट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है। लैमिछाने इस समय ऑस्ट्रेलिया में हैं, जहां वह होबार्ट हरिकेन्स की ओर से बिग बैश लीग बीबीएल में खेल रहे हैं, बीबीएल में लैमिछाने का ये चौथा सीजन है। लैमिछाने से पहले नेपाल के कप्तान ज्ञानेंद्र मल्ला थे।सितंबर में नेपाल का नेतृत्व करते हुए 31 वर्षीय मल्ला ने ओमान और यूएसए के खिलाफ लगातार दो वनडे अंतर्राष्ट्रीय मैचों में अर्धशतकीय पारी खेली थी। कई सूत्रों के हवाले से यह पता चला है कि मल्ला और टीम के उप-कप्तान दिपेंद्र सिंह से नेतृत्व इसलिए छीन लिया गया है क्योंकि उनके और नेपाल क्रिकेट संघ के बीच काफ़ी समय से अनबन चल रही थी। इससे पहले लैमिछाने 2016 में नेपाल अंडर-19 टीम के कप्तान रह चुके हैं और 2017 में भी उनके ऊपर अंडर-19 एशिया क्रिकेट काउंसिल अंडर-19 विश्वकप क्वालीफ़ायर में टीम की जिम्मेदारी थी। वह हाल ही में नेपाल के घरेलू टी20 फ्रैंचाइजी टूर्नामेंट, एवेरेस्ट प्रीमियर लीग में अपनी टीम काठमांडू के भी कप्तान रह चुके हैं।

मोहम्मद रिजवान ससेक्स के लिए खेलने को तैयार

लंदन। पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने 2022 सीजन के लिए काउंटी चैंपियनशिप और टी20 क्रिकेट के लिए ससेक्स के करार किया है। रिजवान अगले साल पांच अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया के पाकिस्तान दौरे के समापन के बाद इंग्लैंड पहुंचेंगे। जहां वह काउंटी चैंपियनशिप सीजन और टी20 मैचों में शिकरत करेंगे। रिजवान ससेक्स के सलामी बल्लेबाज ल्यूक राइट के साथ बल्लेबाजी की शुरुआत करेंगे। समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद रिजवान ने कहा, मैं 2022 सीजन के लिए ऐतिहासिक ससेक्स काउंटी क्रिकेट क्लब का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं। मैंने हमेशा ससेक्स टीम के बारे में बहुत अच्छी बातें सुनी हैं और यह फैमिली क्लब हमेशा मेरे दिल के करीब था। ससेक्स के वनडे कोच इयान सैलिसबरी ने कहा, अगले सत्र के लिए ससेक्स में रिजवान का स्वागत है।

नॉर्थईस्ट को हार की हैट्रिक से बचाएगी ईस्ट बंगाल पर जीत

फातोरदा। शुक्रवार को दो फिसड्डी टीमों नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी और एससी ईस्ट बंगाल के बीच हीरो इंडियन सुपर लीग आईएसएल 2021-22 का लीग मुकाबला पंडित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में खेला जाएगा। पिछले दो मैचों में लगातार हार का मुंह देखने वाले नॉर्थईस्ट यूनाइटेड का लक्ष्य अब तक एक भी जीत दर्ज नहीं करने वाले ईस्ट बंगाल के खिलाफ जीत की राह पर लौटना होगा। वहीं, ईस्ट बंगाल भी जीत का स्वाद चखना चाहेगा। एकमात्र भारतीय हेड कोच खालिद जमील की टीम नॉर्थईस्ट यूनाइटेड अपने पिछले मैच में हैदराबाद एफसी से करारी शिकस्त खा चुकी है। लेकिन अब उसका सामना ईस्ट बंगाल के रूप में ऐसे प्रतिद्वंद्वी से होगा, जिसका एक टीम के तौर पर आत्मविश्वास बहुत गिरा हुआ है और वो बिना जीत हासिल किए तालिका में सबसे निचले स्थान पर है। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने हीरो आईएसएल 21-22 सीजन के दौरान ओपन प्ले में 11 गोल खाए हैं, जो कि अन्य टीमों से कहीं ज्यादा है, जो कि उसके रक्षात्मक संकट की ओर संकेत करता है।

बड़े दौरे से पहले किसी पर ऊंगली उठाना सही नहीं, कोहली की टाइमिंग गलतः कपिल

नयी दिल्ली। विश्व कप विजेता भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि कप्तानी के मसले पर बीसीसीआई से मतभेद उजागर करता विराट कोहली का बयान गलत समय पर आया है जिससे दक्षिण अफ्रीका के अहम दौरे से पहले अनावश्यक विवाद पैदा हो गया। दक्षिण अफ्रीका रवानगी से पहले मुंबई में प्रेस कांफ्रेंस में कोहली ने बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के इस बयान को गलत बताया कि बोर्ड ने उनसे टी20 टीम की कप्तानी नहीं छोड़ने के लिये कहा था। इस बयान से कोहली और बीसीसीआई के बीच तनाव जगजाहिर हो गया है। कपिल ने कहा, इस समय किसी पर ऊंगली उठाना सही नहीं है। दक्षिण अफ्रीका का दौरा सामने है और उस पर ध्यान देना चाहिये। उन्होंने कहा, मैं कहूंगा कि बोर्ड अध्यक्ष तो बोर्ड अध्यक्ष है हालांकि भारतीय टीम का कप्तान होना भी बड़ी बात है। एक दूसरे के बारे में हालांकि सार्वजनिक तौर पर खराब बोलना अच्छा नहीं है। चाहे वह सौरव हो या कोहली। भारत को 1983 विश्व कप दिलाने वाले कपिल ने कोहली से हालात पर नियंत्रण करके देश के बारे में सोचने की अपील की। उन्होंने कहा, आप स्थिति को कंट्रोल कीजिये। बेहतर ये है कि आप देश के बारे में सोचिये। जो गलत है वो पता चल ही जायेगा लेकिन एक दौरे से पहले विवाद खड़ा करना सही नहीं है।कोहली की कप्तानी में भारतीय टेस्ट टीम बृहस्पतिवार को दक्षिण अफ्रीका रवाना हो गई जहां 26 दिसंबर से सेंचुरियन में पहला टेस्ट खेला जाना है। उसके बाद तीन वनडे मैचों की श्रृंखला भी खेली जायेगी। बीसीसीआई ने कोहली के बयान पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

एशेज के दूसरे टेस्ट में आस्ट्रेलिया की स्थिति मजबूत

वार्नर शतक से चूके, लाबुशेन शतक के करीब, पहले दिन बने दो विकेट 221 रन

एडिलेड । सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर (95) अपना शतक पूरा करने से मात्र पांच रन से चूक गए लेकिन उनकी शानदार पारी और मार्नस लाबुशेन (95) के साथ दूसरे विकेट के लिए 172 रन की जबरदस्त साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ पिंक बॉल से खेले जा रहे दूसरे डे नाइट एशेज टेस्ट मैच के पहले दिन गुरूवार को 89 ओवर में दो विकेट पर 221 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बना लिया। नए कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस रेस्तरां में एक कोविड संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से दुर्भाग्यवश दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए कमिंस के बाहर होने के बाद एडिलेड में डे-नाइट टेस्ट की कप्तानी स्टीवन स्मिथ ने कप्तानी संभाली और टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। इंग्लैंड की टीम में उसके दोनों अनुभवी तेज गेंदबाजों जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड दोनों की वापसी हुई लेकिन वे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर कोई प्रभाव छोड़ने में असफल रहे। हालांकि आस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और उसका पहला विकेट मात्र चार रन पर मार्कस हैरिस के रूप में गिरा। हैरिस को स्टुअर्ट ब्रॉड ने मात्र 3 रन के स्कोर पर बटलर के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद वार्नर व लाबुशेन ने दूसरे विकेट के लिए 172 रन की जोरदार साझेदारी की। आस्ट्रेलिया का दूसरा विकेट डेविड वार्नर के रूप में गिरा। वार्नर को बेन स्टोक्स ने बॉड के हाथों कैच आउट कराया। अपना शतक पूरा न करने के

चले वार्नर आउट होने के बाद निराश नजर आए। दिन का खेल खत्म होने तक लाबुशेन 95 व कप्तान स्मिथ 18 रन बनाकर नाबाद थे।

स्टुअर्ट ब्रॉड के नाम दर्ज हुआ एक और कीर्तिमान

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एडिलेड में खेले जा रहे टेस्ट मैच में इंग्लिश गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने व्यक्तिगत तौर पर नई उपलब्धि हासिल की। उन्होंने यह कीर्तिमान मैदान पर उतरते ही हासिल किया। वह इंग्लैंड की तरफसे सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेलने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे यह रिकॉर्ड इंग्लैंड के सिर्फ दो खिलाड़ी ही बना पाए थे। ब्रिस्बेन टेस्ट में टीम से बाहर रहने वाले ब्रॉड एडिलेड में अपने टेस्ट करियर का 150वां मुकाबला खेल रहे हैं। अब स्टुअर्ट ब्रॉड इंग्लैंड की तरफसे सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेलने वाले तीसरे क्रिकेटर बन गए हैं। उनसे ज्यादा टेस्ट जेम्स एंडरसन और एलिस्टर कुक ने खेले हैं। एंडरसन अब तक 167 टेस्ट मैच खेल चुके हैं। वहीं पूर्व कप्तान कुक ने 161 मुकाबले खेले थे। साल 2007 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करे वाले ब्रॉड का जलवा अभी भी क्रिकेट मैदान पर जारी ही। उनका शुमार दुनिया के सबसे बेहतरीन गेंदबाजों में किया जाता है। वह अब तक 500 से ज्यादा टेस्ट विकेट ले चुके हैं।

पैट कमिंस बाहर, स्मिथ ने की कप्तानी

पहले टेस्ट में कप्तानी करते हुए, अपने पहले ही मैच में तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने कमाल का प्रदर्शन किया था लेकिन दुर्भाग्यवश वह दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। बुधवार रात को कमिंस रेस्तरां में एक कोविड संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए थे। कमिंस के बाहर होने के बाद एडिलेड में डे-नाइट टेस्ट की कप्तानी स्टीवन स्मिथ करेंगे।

डीएम के निर्देशन में कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में पेंशनर दिवस का आयोजन

प्रखर जौनपुर। शासन की मंशा के अनुसार 17 दिसंबर 2021 को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशन में कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में पेंशनर दिवस का आयोजन अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामप्रकाश की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ कोषाधिकारी ने पेंशनर्स की समस्याओं एवं उनके निराकरण के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। पेंशनर संगठनों के अध्यक्ष व पदाधिकारी उपस्थित रहे। पुलिस पेंशनर एसोसिएशन के अध्यक्ष उमाशंकर मिश्र, सत्यदेव सिंह बेसिक शिक्षा विभाग के पेंशनर्स ने बताया कि पेंशनर्स के लिए वरिष्ठ कोषाधिकारी के प्रयास से भूमि आवंटन कक्ष निर्माण हेतु उपलब्ध कराया गया है। शासन से धनराशि उपलब्ध हो गई है।

इंजीनियर क्षमा नाथ दूबे, सीबी सिंह आदि ने चिकित्सा प्रतिपूर्ति पर होने वाले विलम्ब के बारे में ध्यान आकर्षित किया। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने बताया कि जनपद में 24874 पेंशनर हैं, जिसमें 24400 पेंशनर्स का जीवित प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया है, इसके साथ ही उन्होंने बताया कि 80 वर्ष तक के 23053 पेंशनर है। 80 वर्ष से अधिक के 1821 पेंशनर्स है तथा 100 वर्ष के ऊपर के 3 पेंशनर्स पेंशन प्राप्त कर रहे हैं। 4000 पेंशनर्स डिजिटल सर्टिफिकेट दिया है। इस अवसर पर 80 वर्ष से अधिक के 04 वरिष्ठ पेंशनर क्रमशः यदुनाथ सिह, मुखई राम पाल, डा. आत्माराम पाण्डेय, हीरालाल पाण्डेय एवं सेवानिवृत उप पुलिस उपाधिक्षक अशोक कुमार सिंह को माल्यार्पण व अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया गया। पेंशनर्स संगठनो के पदाधिकारियों को भी माल्यार्पणकर सम्मानित किया गया।

पेंशनरों ने मांग किया कि अस्पताल एवं बैंक में पेंशनरों के लिए अलग लाइन लगवाया जाए तथा दूसरी तरह की पर्ची जारी कर दें ताकि असुविधा न हो। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि अगले पेंशन दिवस के कार्यक्रम के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम होना सुनिश्चित कराया जाए, जिससे मनोरंजन के साथ उत्साहवर्धन भी हो सके। उन्होंने बताया कि 80 वर्ष से अधिक व्यक्तियों के लिए आगामी निर्वाचन में घर पर ही वोटिंग करने व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी जहां पर बैलट पेपर एवं बॉक्स के साथ टीम उपस्थित रहेगी। पारिवारिक कलह से ग्रसित पेंशनर को एसडीएम के यहां प्रार्थना पत्र देकर समस्या का निराकरण करा सकते हैं। इस अवसर पर प्रमुख विभागों के कार्यालयाध्यक्ष/उनके प्रतिनिधि तथा जनपद के प्रबुद्ध पेंशनर्स उपस्थित रहे तथा कोषागार कार्यालय के दयाराम गुप्ता, मनोज कुमार यादव, प्रमोद कुमार तिवारी, रामकृष्ण गुप्ता, जीशान हैदर, नीरज कुमार श्रीवास्तव, रवीन्द्र कुमार, माता प्रसाद, विमलेश कुमार, विकास कुमार विश्वकर्मा, रामभुवन, प्रतीक कुमार, सूरज कुमार एवं राहुल सहाय, संतोष कुमार सहित समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता सेनानियों का नगर अहरौरा टेली फिल्म का प्रसारण होगा कल

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष के अंतर्गत दूरदर्शन केंद्र वाराणसी द्वारा पूर्वांचल के विंध्याचल मंडल के सोनभद्र मिजार्पुर के ऐतिहासिक स्थलों, स्वाधीनता आंदोलन में योगदान देने वाले नायकों-महानायको, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के जीवन वृत्त, ऐतिहासिक स्थलों घटनाओं पर आधारित डॉक्यूमेंट्री के निर्माण, प्रसारण का क्रम जारी है। इसी क्रम में विंध्याचल मंडल के मिजार्पुर जनपद के चुनार तहसील के अहरौरा शहर के स्वाधीनता आंदोलन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री "स्वतंत्रता सेनानियों का नगर अहरौरा"का सेटेलाइट टेलीकास्ट डी डी उत्तर प्रदेश से 18 दिसंबर 2021, दिन शनिवार समय रात्रि 10:30 से होगा। फिल्म निर्माण में सहयोगी संस्था विंध्य संस्कृति समिति उत्तर प्रदेश ट्रस्ट के निदेशक/इतिहासकार दीपक कुमार केसरवानी ने बताया कि-इस फिल्म में अहरौरा नगर में सन 1921 से सन 1947 तक हुए स्वाधीनता आंदोलन एवं 13 अगस्त 1942 को अहरौरा शहर में हुए गोलीकांड, इसके प्रत्यक्षदर्शी, शहीद नागा प्रसाद विश्वकर्मा के परिजन, स्वाधीनता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले क्रांतिकारी सेनानी बद्री प्रसाद "आजाद" हीरालाल गुप्ता, श्री राम केसरी, श्री राम गुप्ता, के परिजनों का साक्षात्कार शहीद पार्क अहरौरा एवं अन्य ऐतिहासिक स्थलों पर आधारित यह डॉक्यूमेंट्री बनाया गया है। अहरौरा के स्वाधीनता आंदोलन पर आधारित यह पहली डॉक्यूमेंट्री है।

संक्षिप्त खबरें

बैंक कर्मचारियों की हड़ताल और एटीएम मशीनों के खाली होने से खाताधारक परेशान

प्रखर केराकत जौनपुर। बैंक कर्मचारियों के हड़ताल के चलते तहसील मुख्यालय समेत विभिन्न क्षेत्रों की बैंक शाखाओं के बंद होने तथा एटीएम में भी पैसा नहीं होने से खाताधारकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। मजबूर होकर खाताधारकों को पैसा वितरण करने वाले फ्रेंचाइजी दुकानदारों से पैसे का लेन देन करना पड़ा। तहसील मुख्यालय पर स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा सभी इंटरनेशनल बैंक बंद नजर आए बड़ौदा संयुक्त बैंक गोमती ग्रामीण बैंक की शाखा को छोड़कर सभी बैंक शाखाएं बंद थी। बैंक के एटीएम मशीनों का हाल यह था कि यूनियन बैंक, का एटीएम भी बंद है जबकि स्टेट बैंक और पंजाब नेशनल बैंक बैंक ऑफ बड़ौदा का एटीएम खुला तो था लेकिन उसमें पैसे नहीं थे। पैसे के लिए लोग एक एटीएम से दूसरे एटीएम मशीनों तक चक्कर काटते नजर आए। बैंकों के बंदी और एटीएम मशीनों के जवाब दे जाने का फायदा फ्रेंचाइजी दुकानदारों ने खूब उठाया। पैसा निकासी पर फ्रेंचाइजी दुकानदारों ने प्रति हजार रूपए पर दस रूपए से लेकर पंद्रह रूपए की वसूली की। मजबूर लोगों को पैसा निकालने के लिए मनमानी फीस देनी पड़ी।

हौसला बुलंद चोरों ने नगदी समेत आभूषण उड़ाए, एक गिरफ्त में दो हुए फरार

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। थाना कैंट अंतर्गत गिलट बाजार क्षेत्र में बीती रात बेखौफ तीन चोरों ने घर में घुसकर नगदी समेत कई आभुषण चुराये.प्राप्त जानकारी के अनुसार घर में घुसे तीन चोरों में से एक को क्षेत्रीय जनता द्वारा पकड़ लिया गया,और दो हुए फरार हो गऐ रात्रि लगभग 1:30 बजे हौसला बुलंद चोरों का एक गिरोह लालू सोनकर नामक व्यक्ति के घर धाबा बोला.अचानक बगल में सो रहे परिवार के अन्य लोगों में से एक की नींद खुली.तभी वह आधी रात घर के दरवाजे के बाहर अनजान लड़के को देख सन्न रह गया,और ललकारते हुए सोनू ने पकड़ने का प्रयास किया। आवाज सुन परिवार के अन्य लोग भी जाग गए,शोरगुल सुन चोर भी सक्रिय हो भागने लगे जिसमें से एक चोर इजाज अहमद को परिवार के अन्य लोगों द्वारा पकड़ लिया गया।कड़ाई से पूछताछ के दौरान उसने अपना जुर्म कबूल ते हुए बताया कि मैं सरैया चौकी अंतर्गत रहता हूं और पिछले 4 माह पूर्व सरैया चौकी अंतर्गत चोरी करते हुए पकड़ाया था और जेल भी गया था।तलाशी के दौरान उसके जेब से चोरी का आठ सौ नगद,4 मोबाइल,एक सोने का मंगलसूत्र व अंगूठी प्राप्त हुई. उसके अनुसार दो अन्य चोर सागर व अनीशु शिवपुर थाना क्षेत्र के वी०डि०ये कॉलोनी के निवासी है,और ?5000 नगद व तीन बिछिया चुराकर भागने में सफल हो गए पकड़े गए चोर से बरामद सामान तुरंत प्राप्त करने की सोच की वजह से पीड़ित तहरीर देने से बच रहा है, देखा जाए तो समाज में पुलिसिया कार्रवाई से बचने के लिए हर कोई इसी तरह भागता रहेगा तो हौसला बुलंद चोर कहीं फिर चोरी को अंजाम देंगे पुलिस प्रशासन को इस पर स्वयं कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए ताकि इनको सबक मिले और इनके हौसले पस्त हो।

अखिलेश के कार्यक्रम शरीक हुए खेतासराय के सपा कार्यकर्ता

प्रखर खेतासराय जौनपुर। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता व पूर्व प्रधान मो साकिब खान के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ता पूर्व मंत्री जगदीश सोनकर के साथ पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की रथ यात्रा में शरीक हुए।जगदीश को पुनः विधायक बनाने के लिए जी जान से जुट गए है। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे पूर्व प्रधान मो साकिब खान ने कहा कि समाजवादी बढ़ती लोकप्रियता से सत्तारूढ़ दल घबरा गई है।जिले में उमड़ा हुजूम से स्पष्ट हो गया है सपा की ही सरकार बनेगी। मछलीशहर में जगदीश सोनकर के साथ शामिल होने वाले में गुड्डू मझौरा, नोमान अहमद, अशोक यादव, सय्यद उरूज सहित एक दर्जन कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिव्यांग ट्राई, मोटरसाइकिल के लिए कर सकते है आवेदन

प्रखर जौनपुर। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला ने जनपद के समस्त दिव्यांगजनों को अवगत कराया है कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को निःशुल्क मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराये जाने हेतु योजना संचालित है। निःशुल्क मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल योजना हेतु नियम एवं शर्ते है जिसमें ऐसे दिव्यांगजन जो मस्क्यूलर, डिस्ट्रोफी, स्ट्रोक, सेरेब्रल पालिसी, हीमोफिलिया आदि से ग्रसित हों या व्यक्ति उपयुर्क्त की भाँति शारीरिक स्थिति में हो, उसकी दृष्टि अच्छी हो, मानसिक स्थिति अच्छी हो, कमर के उपर का हिस्सा (भाग) स्वस्थ हों, सम्बन्धित दिव्यांगजन मोटराईज्ड ट्राईसाईकिल पर बैठकर अपने हाथों से उपकरण का संचालन करने में सक्षम हों व जनपद के मुख्य चिकित्साधिकारी के द्वारा उसकी दिव्यांगता न्यूनतम 80 प्रतिशत तक या उससे अधिक प्रमाणित की गयी हो। जिनकी आयु 16 वर्ष या 16 वर्ष से अधिक हो एवं जनपद के स्थायी निवासी हों। दिव्यांगजन या उसके परिवार की समस्त स्रोतों से वार्षिक आय रू. 180000 से अधिक नहीं है, आय हेतु तहसील द्वारा निर्गत आय प्रमाण-पत्र मान्य होगा। ऐसे दिव्यांगजन जो हाईस्कूल या उच्चतर कक्षाओं में अध्ययनरत है, को वरीयता दी जायेगी, जिसके सम्बन्ध में संस्थान के संस्थाध्यक्ष द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र कार्यालय को उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। दिव्यांगजन को प्रथम आवक प्रथम पावक के सिद्धान्त पर लाभान्वित किया जायेगा। पात्र दिव्यांगजन को यू0डी0आई0डी0 कार्ड उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। जनपद स्तर पर गठित तकनीकी समिति द्वारा शारीरिक स्थिति की सक्षमता का भौतिक परीक्षण होने के उपरान्त पात्र पाये जाने पर अनुमोदन समिति द्वारा अनुमोदनोपरान्त कार्यवाही की जायेगी। उपर्युक्त श्रेणी में आने वाले ऐसे दिव्यांगजन यदि मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल प्राप्त करना चाहते है तो दिव्यांग प्रमाणपत्र, आय प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण-पत्र, यू0डी0आई0डी0 कार्ड, आधारकार्ड/अन्य प्रमाण-पत्र, दिव्यांगता दशार्ता हुआ एक पासपोर्ट साइज का नवीनतम फोटो एवं मो0नं0 के साथ विभागीय बेबसाइट www.hwd.uphq.in पर ऑनलाईन आवेदन कर लाभ उठायें।

समरसेबल का दूषित पानी पीने से एक दर्जन बच्चे पड़े बीमार

मुहम्मदाबाद गोहना, मऊ। तहसील क्षेत्र के नगर पंचायत वलीदपुर के मोहल्ला इस्लामपुरा में गुरुवार को समरसेबल का दूषित पानी पीने से मोहल्ले के लगभग एक दर्जन युवक बीमार होने लगे। जिनको स्वजनों ने तुरंत मुहम्मदाबाद गोहना के एक प्राइवेट चिकित्सालय में भर्ती कराया। अस्पताल में बीमार हुए युवकों का इलाज चल रहा है। नगर पंचायत वलीदपुर क्षेत्र के मोहल्ला इस्लामपुरा वार्ड नंबर 4 निवासी शादाब अहमद उम्र 16 वर्ष सरफराज अहमद उम्र 12 वर्ष ,आयशा खातून उम्र 9 वर्ष, ताजवर सुल्तान उम्र 17 वर्ष, सबा फिरदोस उम्र 17 वर्ष, सीमा खातून उम्र 19 वर्ष आदि मोहल्ले के कई घरों के लोगों ने समरसेबल के दूषित पानी के पीने से गुरुवार को अचानक बीमार पड़ने लगे। इसके बाद बच्चे एवं बच्चियों डायरिया एवं उल्टी से ग्रसित हो गए। इनको स्वजनों ने तुरंत आनन-फानन में बीमार पड़े इन बच्चों को मुहम्मदाबाद गोहना के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया । जहां चिकित्सकों द्वारा इनका इलाज किया जा रहा है। मोहल्ले वासियों ने इसकी शिकायत नगर पंचायत में किया तो नगर पंचायत कर्मियों द्वारा मौके पर पहुच कर समरसेबल निकाला तो देखा कि बगल में बने नाले का पानी समरसेबल की पाइप से जुड़ा हुआ है। जो नाले का दूषित पानी लोगों के घर तक पहुंच रहा था। जिससे इस मोहल्ले के लगभग एक दर्जन बच्चे दूषित पानी को पीने लगे। इस बावत नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी नितेश कुमार गौरव ने बताया कि लोगों की शिकायत पर मौके पर पहुंचकर समरसेबल की पाइप निकाल कर समरसेबल को पूरी तरह बंद कर दिया गया है।

शॉपिंग काम्पलेक्स के आगे करवाये जा रहे निर्माण को सिटी मजिस्ट्रेट ने हटवाया

मऊ। गुरूवार को सिटी मजिस्ट्रेट त्रिभुवन के नेतृत्व में गाजीपुर तिराहे के निकट स्थित शॉपिंग काम्पलेक्स द्वारा अवैध तरीके से आगे निर्माण किया जा रहा था जिसे तत्काल हटवा दिया गया तथा इंजीनियर को निर्देशित किया गया कि जो भी शॉपिंग कंपलेक्स बिना नक्शा पास कराए नवीन अवैध निर्माण करेंगे हैं तो तत्काल हटवा दिया जाएगा तथा समस्त शॉपिंग काम्प्लेक्स को नोटिस जारी किया गया है कि पार्किंग आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें अन्यथा कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी का स्पष्ट निर्देश है कि आम व्यक्ति को नक्शा पास कराने में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो परंतु जो बड़े निर्माण किए जा रहे हैं या प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा अपने प्रभाव के बल पर नक्शे के विपरीत निर्माण पाया जाता है तुरंत सील करा दे या हटवाने की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

भाजपा सरकार से देश की जनता पूरी तरह से त्रस्त है : विरेन्द्र चौबे

प्रखर केराकत जौनपुर। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा के निर्देश पर प्रशिक्षण से पराक्रम के कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को केराकत नये चौराहे के समीप कांग्रेस नेता सुनील सोनकर की दुकान पर केराकत विधानसभा क्षेत्र के कार्यकताओं को बूथ मैनेजमेंट का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान उन्हें इंटरनेट मीडिया पर सक्रिय रहने व विरोधियों को मुहतोड़ जवाब देनें की रणनीति बनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्वांचल प्रभारी विरेन्द्र चौबे नें कहा कि भाजपा सरकार से आज जनता पूरी तरह से त्रस्त है एक एक दिन बड़े ही कष्टों से बिता रही है। इस अवसर पर सभी ब्लाक अध्यक्षों न्याय पंचायत अध्यक्षों व भारी संख्या में कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया। इस मौके पर जौनपुर जिला से चलकरके आये जिला सचिव विकास सिंह आशू सहित नेतागण उपस्थित रहे कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष फैशल हसन तबरेज जिला महासचिव डाक्टर सन्तोष कुमार गिरी सहित आदि वरिष्ठ नेताओं को ब्लाक अध्यक्ष लालता चौधरी, सुनील सोनकर, नसीम अहमद, विनोद कुमार, नगर अध्यक्ष आजाद कुरैशी, आदि पदाधिकारीयों नें अंगवस्त्र एवं अस्मिती चिन्ह भेट किये इस अवसर पर काफी लोग उपस्थित रहे।

प्रख्यात शायर, पूर्व विधायक अमजद अली गजनवी की मनाई गई 25वीं पुण्यतिथि

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। अमजद अली इंटरमीडिएट कॉलेज मोहम्मदपुर आजमगढ़ में विद्यालय के संस्थापक प्रख्यात शायर, पूर्व विधायक अमजद अली गजनवी की 25 वीं पुण्यतिथि मनाई गई कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के अध्यक्ष नदीम अमजद ने किया । विशिष्ट अतिथि के रूप में उपाध्यक्ष अजीम अमजद मौजूद रहे । सर्वप्रथम छात्रों ने तिलावते कलाम पाक किया ।इसके बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रबंधक डॉ जमाल अमजद ने कहा कि अमजद साहब अजीम शख्सियत के धनी थे। वे इस क्षेत्र में एक विद्यालय की स्थापना 1941 में किए ताकि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हो सके । आज यहां सभी तबके के लोग शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं । अध्यक्ष नदीम अमजद ने कहा कि शिक्षा का दान सर्वोपरि दान है इसलिए हमें अपने योग्यता के अनुसार शिक्षा देनी चाहिए।अमजद साहब ने विद्यालय की शुरूआत मक्तब से की थी और वह मकतब आज भी विद्यमान है ।उपाध्यक्ष अजीम अमजद ने कहा कि 'अमजद को ढूंढना वह मिलेगा वहीं कहीं, इल्मोअमल अमरूद के जब कोई दुनिया दिखाई दे । प्रधानाचार्य अब्दुल राजिक ने आये हुएअतिथियों का आभार व्यक्त किया। ओम प्रकाश मिश्रा ने कहा कि अमजद साहब के बताए रास्ते पर चलना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी ।नूरुद्दीन ने कहा के अमजद साहब अजीम शख्सियत के मालिक थे ।वह हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतीक थे।उन्होने समाज में जो शिक्षा के अलख जगाई वह अनंत काल तक उनके नाम को रोशन करता रहेगा ।जमीर अहमद ने कहा कि उनके बताए हुए रास्ते पर चलना है उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी ।कार्यक्रम का संचालन आलोक कुमार श्रीवास्तव ने किया ।इस अवसर पर गुलाम सुभानी, शाहिद जमाल लालजीत यादव ,शेषनाथ पांडे ,एजाज अहमद, फहीम अहमद, लुकमान अहमद, मोहम्मद आजम ,मिठाई लाल ,मानिकचंद, विपुल श्रीवास्तव, मोहम्मद तारिक, हकीमुद्दीन ,रामदरस, मोहम्मद ,फरगाम अहमद ,नौशाद अहमद, जफर आलम ,फहीम रहमानी आदि उपस्थित थे ।

विकासखंड मोहम्मदाबाद गोहना ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

मऊ। डा0 भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम मऊ में दो दिवसीय जनपद स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक समारोह जिला अधिकारी अमित सिंह बंसल की अध्यक्षता में समापन समारोह संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में 9 विकास खंड एवं नगर क्षेत्र से कुल 4000 बच्चों द्वारा कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। जिसमें 966 बच्चों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमो में स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में कबड्डी, खो-खो, एथलेटिक्सट, पी0टी0, योगा, जिमनास्टिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम कराया गया। प्रतियोगिता में विकासखंड मोहम्मदाबाद गोहना प्रथम स्थान, विकासखंड रानीपुर द्वितीय एवं विकासखंड रतनपुरा के बच्चों ने तृतीय स्थान पाकर प्रमाण पत्र प्राप्त किया। कार्यक्रम के संबोधन में मुख्य विकास अधिकारी राम सिंह वर्मा द्वारा बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए बताया कि बच्चे ही देश के भविष्य हैं इनके द्वारा किए गए प्रदर्शन कार्यक्रम सराहनीय है यह बच्चे निश्चित रूप से अपने देश प्रदेश एवं जनपद का नाम रोशन करेंगे। उक्त अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राम सिंह वर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष सिंह, जिला सूचना अधिकारी डॉ धनपाल सिंह, अशोक कुमार गौतम खंड शिक्षा अधिकारी कोपागंज, आरपी राम खंड शिक्षा अधिकारी मोहम्मदाबाद गोहाना, पंकज सिंह खंड शिक्षा अधिकारी फतेहपुर मंडाव, संजीव सिंह खंड शिक्षा अधिकारी रानीपुर, शशिकांत यादव खंड शिक्षा अधिकारी बडराव, अजब सिंह यादव खंड शिक्षा अधिकारी घोसी, रवि प्रकाश खंड शिक्षा अधिकारी नगर सहित समस्त विकासखंडओ के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रही।

पुलिस अधीक्षक ने रानीपुर थाने का किया निरीक्षण

मऊ। गुरूवार को पुलिस अधीक्षक सुशील घुले द्वारा थाना रानीपुर का वार्षिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान सर्वप्रथम पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सलामी गार्द में लगे पुलिसकर्मियों का निरीक्षण किया गया तत्पश्चात थाना परिसर का भ्रमण कर परिसर की साफ-सफाई, बेतरतीब खडे वाहनों को व्यवस्थित करने हेतु तथा लावारिस वाहनों व मालों का निस्तारण करने व साफ-सफाई को उच्चकोटि का बनाये रखने हेतु निर्देशित किया गया।

थाना कार्यालय का गहनतापूर्वक निरीक्षण के दौरान कड़ी प्रतिक्रिया प्रकट करते हुये रजिस्टरों/रिकार्डो को अद्यविक करने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही साथ मालखाना, बन्दीगृह, भोजनालय, आरक्षी आवास, बैरकों, सीसीटीएनएस कक्ष का निरीक्षण किया गया, महिला हेल्प हेस्क का निरीक्षण करते हुए हेल्प डेस्प पर तैनात महिला आरक्षी को प्रार्थना पत्रों के निस्तारण के नियमित रूप से फीडबैक लेने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान राजकुमार सिंह क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद, बृजमोहन सरोज प्रभारी निरीक्षक रानीपुर एवं समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कार मोटरसाइकिल की टक्कर में मोटरसाइकिल सवार घायल

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के वाराणसी शक्तिनगर रोड पर स्थित कुदारन चौराहा के पास शुक्रवार की शाम बिना रजिस्ट्रेशन नम्बर की स्वीफ्ट डिजायर कार व मोटरसाइकिल में टक्कर हो गई जिसमें मोटरसाइकिलचालक दीपक कुमार पुत्र स्व0 राम जी उम्र करीब 21 वर्ष, एवं दिलीप कुमार पुत्र ओम प्रकाश व संतोष कुमार पुत्र स्व0 राम जी निवासीगण निवासी डोहरी थाना अहरौरा मीरजापुर घायल हो गये । सूचना पर थानाध्यक्ष अहरौरा द्वारा पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचकर घायलो को एम्बुलेंस से ट्रामा सेन्टर वाराणसी रेफर किया गया व स्वीफ्ट डिजायर कार को कब्जे मे लेकर नियमानुसार अग्रिम आवश्यक कार्यवाही की जा रही है । कानून व्यवस्था सम्बन्धित कोई समस्या नही है ।

दोहरीघाट-सहजनवां रेल परियोजना सिर्फ छलावा, नहीं है बजट

मऊ। सहजनवां-दोहरीघाट रेल लाइन परियोजना को शासन की तरफ से मंजूरी तो मिल गई है। लेकिन कार्य शुरू होने के लिए बजट नहीं है। ये खुलासा एक आरटीआई के जरिए किया गया है। आरटीआई एक्टिविस्ट और किसान नेता देव प्रकाश राय ने बताया कि सहजनवां-दोहरीघाट रेल लाइन परियोजना के लिए 1320 करोड़ रुपये की जरूरत है लेकिन वर्ष 2021-2022 में रू. 1000 धनराशि की स्वीकृति हुई है। उन्होंने आरटीआई द्वारा प्राप्त जानकारी के मुताबिक बताया कि अगर वर्ष 2022-23 में शासन द्वारा निधि उपलब्ध होती है तभी इस परियोजना की शुरूआत होगी। देव प्रकाश राय ने केंद्र की मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र की मोदी सरकार परियोजना के नाम पर सिर्फ छलावा करती है। ये लोग सगूफा छोड़कर जनता को गुमराह करते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि चाल चरित्र और चेहरा इनका सिर्फ झूठ पर टिका हुआ है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल की जनता के साथ एक बार फिर इस सरकार ने छलावा किया है। परियोजना के नाम पर भोली भाली जनता के सपनों पर केंद्र सरकार ने पानी फेरा है। गौरतलब है कि अगर यह परियोजना पूरी होती है तो गोरखपुर से बनारस की दूरी सिर्फ 230 किमी हो जाएगी। वहीं सहजनवा दोहरीघाट रेलमार्ग से बनारस जाने के लिए 30 किमी की दूरी इससे कम हो जाएगी। इस रेल मार्ग से लोग बलिया, छपरा, दिल्ली, लखनऊ समेत अन्य महानगरों में जाने के लिए सीधे रेल सेवा से जुड़ जाएंगे। रेलवे परियोजना पूरी होने से क्षेत्र का पिछड़ापन दूर होगा। लेकिन आरटीआई के इस खुलासे से इलाके के लोगों के सपनो पर पानी फिरता नजर आ रहा है।

आमान परिवर्तन जून 2022 तक शुरू करने का लक्ष्य- आरटीआई एक्टिविस्ट और किसान नेता देव प्रकाश राय कहा कि आरटीआई के जरिए रेलवे प्रशासन ने जानकारी दी कि दोहरीघाट - इंदारा रेल मार्ग आमान परिवर्तन पर कार्य तेजी से चल रहा है। जून 2022 में इस मार्ग पर ट्रेन संचालित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और है। उन्होंने बताया कि आमान परिवर्तन का शिलान्यास जिस तरीके से मौजूदा रेल मंत्री ने किया था उसी रफ्तार से अगर कार्य हुआ होता तो इस रेल मार्ग पर आज ट्रेन फरार्टा भरती। उन्होंने कहा कि यह सरकार सिर्फ शिलान्यास करने पर जोर देती है। इनकी मंशा कार्य करने की है ही नहीं। इस सरकार का सरोकार जनता से दूर दूर तक नहीं है।

पुरानी पेंशन बहाली, शिक्षामित्रों एवं अनुदेशको के नियमितीकरण सहित अन्य समस्याओं के समाधान के लिए दिया गया धरना एवं ज्ञापन - जितेंद्र कुमार राय जिला मंत्री

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिला आजमगढ़ के जिलाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र प्रताप सिंह के निदेर्शानुसार एवं अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के तत्वावधान में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ विकास खंड ठेकमा का पुरानी पेंशन बहाली,शिक्षामित्रों एवं अनुदेशकों के नियमितीकरण सहित अन्य मुद्दे को लेकर बी आर सी ठेकमा के प्राँगण में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन एवम खंड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया ।धरने की अध्यक्षता रामआसरे राय सेवानिवृत्त शिक्षक ने किया तथा संचालन हरिप्रकाश ने किया।धरने में सभी शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक,मृतक आश्रित अनुज , उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ठेकमा के धरने में प्रतिभाग कर अपनी मांग को राष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित एवं समस्या के समाधान की ओर बढने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किये । जिला

राय मंत्री जितेंद्र राय जी ने अपने संबोधन में कहा कि पुरानी पेंशन बुढ़ापे की नितांत आवश्यकता है इसे सरकार को जल्द से जल्द पूरा करना होगा । शिक्षामित्रों एवं अनुदेशको का शोषण बंद होना चाहिए उन्हें उनके पदो पर नियमित करते हुए सम्मानजनक जीवन जीने का हक देना होगा।सरकार को चुनाव से पूर्व इन सभी मांगो को पूरा करना होगा । मनीष गुप्ता महामंत्री पूर्व माध्यमिक अनुदेशक कल्याण समिति ठेकमा ने कहा कि उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत अनुदेशको का शोषण सरकार द्वारा किया जा रहा है जिस से अनुदेशको में काफी रोष व्याप्त है ।सरकार को अनुदेशको को नियमित करके उनके जीवन मे खुशहाली देना होगा। कार्यक्रम में जितेंद्र कुमार राय जिला मंत्री उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ आजमगढ़ एवं अध्यक्ष, प्रेम नरायन सिंह मंत्री , लल्लन यादव कोषाध्यक्ष उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ विकास खंड ठेकमा. मनीष कुमार गुप्ता महामंत्री अनुदेशक संघ ठेकमा , राजबहादुर सिंह शिक्षामित्र ,प्रमोद मौर्य , प्रमोद राय, हरि प्रकाश, मयंक राय, विनय पाठक वेद प्रकाश , मनोज यादव , रामानन्द यादव, रामानंद प्रजापति, रामसिंगार , अक्षय कुमार सिकंदर यादव, सुनीता ,प्रीति राय, अलका राय अनुपमा राय, रेखा राय, गीता,शशांक राय , द्रौपदी , गौरी शंकर , भगवान दास, विजय कृष्ण यादव, श्याम सुंदर तिवारी,राकेश यादव देवेंद्र सिंह,जावेद ,रिजवान संजय यादव ,घनश्याम,गया यादव, उपस्थित रहे।

नई सुबह एक उम्मीद संस्था द्वारा लड़कियां हो रही स्वच्छता के प्रति जागरूक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। नगवा के रविदास मंदिर में लड़कियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया ' इसका संचालन संस्था की अध्यक्ष ममता जी ने किया इस दौरान उपस्थित सभी लोगों को शारीरिक स्वच्छता तथा पर्यावरणीय स्वच्छता के विषय में जानकारी प्रदान की गई और यह भी बताया गया कि जब तक हम सभी लोग शारीरिक और पर्यावरणीय स्वच्छता पर ध्यान नहीं देंगे तब तक स्वस्थ और स्वच्छ राष्ट्र का निर्माण नहीं कर सकेंगे इसलिए हम सबकी प्राथमिक जिम्मेदारी अपने को स्वस्थ व स्वच्छ रखना तथा अपने गली मोहल्ले को साफ - सुथरा रखना भी है और यह कार्य एक अकेले व्यक्ति से नहीं हो सकता हम सभी को मिलकर के इसमें योगदान देना होगा तभी हम सब कोरोना के तीसरी लहर से भी बच सकते हैं ' सचिव विजय कुमार ने उपस्थित सभी लोगों को कूड़े से होने वाली बीमारियों के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की ' संस्था के अनीश खान जी ने उपस्थित सभी लोगों को अपनी गली मोहल्ले को साफ-सुथरा रखने के लिए संकल्प भी दिलवाया तथा अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने के प्रति जागरूक किया ' इस कार्यक्रम में कक्षा संचालिका किरन देवी , रहनुमा , तथा सुधा देवी जी ने अपना पूर्ण योगदान दिया इसमें सुषमा आर्य, ज्योति ,सुहानी, बबीता, गुंजन ,परी , सोनम ,स्वाति ,इशिका, रंजना , पल्लवी ,अंजलि, शिल्पा, साक्षी, मंजू , रेखा देवी, किरण पटेल, रागिनी ,सुशीला आदि लोग उपस्थित रहे।

एक नजर इधर भी, चुनावी शंखनाद 2022 का इंतजार

जखनियां। गाजीपुर। **(गौरीशंकर पाण्डेय सरस)** सूबे की सियासत में चुनावी सरगर्मी तथा एक दूसरे राजनीतिक दलों की कूटनीतिक सेंधमारी के चलते अपनी गोटियां फिट करते चर्चित चेहरे आजकल अवाम जन में चर्चा के बिषय हैं।एक दूसरे के धुर विरोधी मंच से चाहे जितना गला भाड़ भाषण पिलाएं , परन्तु यह सच है की राजनीति में कोई किसी का न तो दोस्त होता और नहीं दुश्मन। हवा का रूख सिखाता है समय की पहचान करना। अब यूपी विधानसभा का चुनाव निकट भविष्य के मुहाने पर खड़ा है।बस चुनाव आयोग के तिथि शंखनाद का इंतजार है। ऐसे में आचार व्यवहार की लक्ष्मण रेखा पार करने से रोकने को आयोग के चुनावी आचार संहिता का अनुपालन नितांत आवश्यक होना लाजिमी है। कानून विशेषज्ञों के मुताबिक प्रदत्त कानूनी शक्ति चुनाव आयोग के पास होने से चुनाव की पारदर्शिता बनी रहती है।और जनता सुकून की जिंदगी महसूस करती है। गाजीपुर जनपद की जखनियां विधानसभा (सुरक्षित) सीट काफी मायने रखती है। इस बार जखनियां के जागरूक मतदाता विभिन्न दलों के प्रत्याशियों को अपने ठोस मुद्दों से शबक सिखाने की पुरजोर कोशिश करते दिख रहे हैं। गांव कस्बों की चट्टी चौराहों की दुकानों पर आगामी चुनाव की हलचले जनप्रतिनिधियों के किए वायदे और कराए गए विकास कार्यों की गुणवत्ता बताने को काफी है। भावी चुनावी फिजा में तैरती मतदाताओं के मन की वेदना यह कहने को बेताब है कि "जो कर ना सके विकास क्षेत्र का, जो पाट सके ना नालों को। ऐसा नेता नहीं चाहिए अब जखनियां वालों को।"

95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल पहड़िया में आयोजित किया गया मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। नई सुबह मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यवहार विज्ञान संस्थान वाराणसी द्वारा 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों हेतु दो दिवसीय निःशुल्क मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। आज शिविर के प्रथम दिन जवानों का मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा तनाव से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई `शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नई सुबह संस्था के संस्थापक एवं प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ अजय तिवारी ने कहा कि अपने सोच में परिवर्तन करके तथा विभिन्न मनोवैज्ञानिक उपायों को अपनाकर जवान अपने मानसिक स्वास्थ्य व मनोबल को उत्तम रखते हुए अपने क्षमताओं का राष्ट्र सेवा में उपयोग करने में सक्षम होंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए 95 केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कमांडेंट श्री अनिल

कुमार वृक्ष जी ने वीर जवानों का मनोबल बढ़ाते हुए उन्हें तनाव रहित रहने के उपायों से परिचित कराया उन्होंने कहा कि मनोवैज्ञानिक सेवाएं नौजवानों को अपने दायित्वों के निर्वहन में और मजबूत बनाती है। डॉ मनोज कुमार तिवारी वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक ने जवानों को अपने सोच को सकारात्मक व दिनचर्या को व्यवस्थित रखकर तनाव व्यवस्थापन के उपायों को अपनाकर तनाव रहित रखने में सफल हो सकते हैं` कार्यक्रम के सफल संचालन में 95 केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के डिप्टी कमांडेंट श्री उमाकांत, नई सुबह संस्था के समन्वयक आजाद तिवारी, शिवांगी श्रीवास्तव, अर्पिता मिश्रा, प्रवीण सिंह, भूपेंद्र अन्य लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा किया। शिविर में कल जवानों से व्यक्तिगत रूप से मनोवैज्ञानिक मिलकर उनके तनाव एवं मानसिक स्वास्थ्य पर व्यक्तिगत परामर्श एवं मनोचिकित्सा प्रदान करेंगे।

20 दिनों से जला ट्रांसफार्मर अंधेरे में डूबे ग्रामवासी, जिम्मेदार बेखबर

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। विद्युत उप केंद्र मोहम्मदपुर के अंतर्गत ग्राम मोहिद्दीनपुर में 25 केवीए का ट्रांसफार्मर ओवरलोडिंग के चलते बार-बार जल जा रहा है जिस वजह से ग्रामवासी परेशान है लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। कारवाई ना होता देख दर्जनों ग्राम वासियों द्वारा विद्युत उपकेंद्र मोहम्मदपुर पर शिकायत करने पर भी असर नहीं पड़ रहा है। ग्राम वासियों के मुताबिक जेई ने ग्राम वासियों से ट्रांसफार्मर लगाने के एवज में मांगा 20000 रुपए बिना दिए नहीं लगेगा ट्रांसफार्मर । जबकि मुख्यमंत्री का आदेश है कि ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रांसफार्मर जलने के बाद 72 घंटे के अंदर दूसरा ट्रांसफार्मर लगाने का है उसके बावजूद जिम्मेदार बेखबर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्युत उप केंद्र मोहम्मदपुर के अंतर्गत ग्राम सभा मोहिउद्दीनपुर में 25 केवीए का पूर्व में ट्रांसफार्मर लगाया गया था अब बढ़ती आबादी के कारण 25 केबीए पर ओवरलोडिंग के चलते बार-बार जल जा रहा है ग्राम वासियों ने उपकेंद्र के जेई आशुतोष से प्रार्थना पत्र देकर 63 केवीए का ट्रांसफर लगाने की मांग किया तो ग्राम वासियों के मुताबिक जेई ने पहले तो ग्राम वासियों को ट्रांसफर लगाने का आश्वासन दिया काफी दिन बीत जाने व ट्रांसफर

ना लगने पर पुनः ग्रामीण शुक्रवार को दर्जनों की संख्या में उपकेंद्र पर आए तो जे ई नहीं मिले मोबाइल फोन पर बात करने पर जेई ने 20000 की मांग किया दोबारा फोन लगाने पर फोन नहीं उठता २० दिन पूर्व जले ट्रांसफर से पूरा गांव अंधेरे में डूबा है। ग्राम वासियों ने बताया कि अगर कोई कार्रवाई नहीं होती है तो हम लोग जिलाधिकारी के यहां ज्ञापन सौंपेंगे।

भाजपाईयों द्वारा घर घर पहुंचाया जा रहा बाबा विश्वनाथ का प्रसाद

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जहां बाबा विश्वनाथ जी के धाम कार्यक्रम का लोकार्पण किया, वहीं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने महानगर के 200 सेक्टरों पर श्री बाबा विश्वनाथ जी के प्रसाद स्वरूप लड्डू का प्रसाद बांट रहे हैं। महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय ने कहा कि यह प्रसाद मंडल के माध्यम से सेक्टर के कार्यकताओं के सहयोग से प्रत्येक बूथों पर बांटा जा रहा है, साथ ही श्री काशी विश्वनाथ धाम का गौरवशाली इतिहास एवं वर्तमान भव्य स्वरूप की पुस्तिका भी वितरित की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारा यही उद्देश्य है कि 15 दिसंबर से प्रारंभ किया गया बाबा के प्रसाद का वितरण बाबा काशी के प्रत्येक परिवार तक घर घर पहुंचे। **प्रसाद वितरण मे इनका भी है विशेष योगदान** - महानगर मीडिया प्रभारी किशोर कुमार सेठ, संदीप चौरसिया, सिद्धनाथ शर्मा, नलिन नयन मिश्रा, गोपाल जी गुप्ता, अभिषेक वर्मा, कमलेश सोनकर, रतन मौर्य, अजीत सिंह, शत्रुघ्न पटेल, जितेंद्र यादव, जगन्नाथ ओझा, अजय प्रताप सिंह, राम मनोहर द्विवेदी, अनंत वर्मा, विरेंद्र गुप्ता, विष्णु यादव, विशाल जायसवाल, कमलेश शुक्ला, संजय वर्मा, शिवशंकर विश्वकर्मा, रविशंकर सिंह पटेल, शुभम पटेल आदि लोग उपस्थित रहे।

रोलर फ्लोर मिल की समस्याओं पर हुआ मंथन

मंडी शुल्क लगने से किसानों की आय भी होगी प्रभावित - दीपक बजाज

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। यूपी रोलर फ्लोर मिलर्स एसोसिएशन ने एक मीटिंग होटल रमादा कटेसर में की जिसमे रोलर फ़्लोर मिल से सम्बंधित समस्याओं पर विचार विमर्श हुआ। लखनऊ से आये संस्था के अध्यक्ष प्रमोद वैश्य ने सरकार द्वारा अभी हाल ही में राज्य कृषि उत्पादन परिषद् उ० प्र० के पत्र विप० 1/(462)/2021 - 1482 दिनांक 10 दिसम्बर ने मंडी स्थल से बाहर मंडी शुल्क पुनः लागू कर दिया है, इससे रोलर फ्लोर मिलिंग उद्योग पर अनावश्यक बोझ बढ़ेगा व महगाई बढ़ेगी। इससे व्यापारियों की दिक्कते और बढ़ेगी एवं उनका उत्पीड़न होगा तथा इंस्पेक्टर राज भी बढ़ेगा। संस्था के उपाध्यक्ष दीपक बजाज ने अपने संबोधन में कहा कि पुरे देश में लगभग 1100 रोलर फ्लोर मिले हैं, जिनमें से 270 से अधिक रोलर फ्लोर मिले केवल उत्तर प्रदेश में हैं। पड़ोस के राज्य बिहार में मंडी शुल्क न होने से यहाँ के उद्योग पलायन करेंगे। मंडी शुल्क लगने के कारण किसानों को भी

उनकी उपज का कम मूल्य मिलेगा, जिससे किसानों की आय भी प्रभावित होगी साथ ही उद्योगों के पलायन से उनसे जुड़े लोगों का रोजगार भी प्राभावित होगा व बेरोजगारी बढ़ेगी। बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने एक स्वर में यह मांग किया की सरकार मंडी परिसर के बाहर मंडी शुल्क वसूलने के अपने निर्णय को तुरंत वापस ले। बैठक में संस्था के अध्यक्ष प्रमोद वैश्य, उपाध्यक्ष दीपक बजाज, सेक्रेटरी अजय श्रीवास्तव, आनंद गुप्ता, विजय गुप्ता, मनोज बजाज, श्याम बजाज, सुरेन्द्र अग्रवाल, नीशू अग्रवाल, प्रवीण रुंगटा, विजय कपूर, अजीत जैन, जौनपुर से अंकित गुप्ता, जगदीश , सुल्तानपुर से माधव और पप्पू सहित इत्यादि लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये।

गृह राज्यमंत्री द्वारा पत्रकार के साथ किए गए दुर्व्यवहार के विरोध में सपाइयों ने मंत्री के खिलाफ खोला मोर्चा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। देश के चौथे स्तम्भ के रूप मे पहचान बनाने वाले पत्रकार बंधुओ के साथ भाजपा सरकार मे केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री द्वारा अभद्र टिप्पणी एवं अमर्यादित भाषा प्रयोग किए जाने के विरोध मे समाजवादी पार्टी ने मंत्री के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने देश के महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित एक मांग पत्र जिलाधिकारी वाराणसी के प्रतिनिधि ए सी एम 4 को सौंपा गया । महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने जिलाधिकारी के प्रतिनिधी के रूप मे अपर नगर मजिस्ट्रेट से कहा कि *अब जुल्म की इतंहा हो गई है भाजपा सरकार मे केन्द्रीय मंत्री सवाल पुछने पर उन्हे अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल कर अपमानित किया जा रहा है एवं उनके कलम को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होने मांग किया

कि देश के चौथे स्तंभ टीवी पत्रकार के साथ भारत सरकार के गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने का विरोध किया गया एवं महामहिम राष्ट्रपति महोदय से मांग किया गया कि ऐसे व्यक्ति को इतने बड़े संवैधानिक पद पर पल भर भी बने रहने का अधिकार नहीं है। ऐसे व्यक्ति को तत्काल पद से बर्खास्त कर देना चाहिए` सपा महानगर अध्यक्ष ने पत्रक के माध्यम से मांग किया है कि अजय मिश्रा टेनी को तत्काल केन्द्रीय मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाय। प्रतिनिधिमंडल में सर्वश्री प्रदेश महासचिव श्याम लाल पाल, महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा, जिला महासचिव आनंद मौर्य, डॉ0 उमाशंकर यादव, महानगर महासचिव जितेंद्र यादव, जिला प्रवक्ता संतोष यादव बबलू एडवोकेट, महानगर अध्यक्ष महिला सभा श्रीमती पूजा यादव,अब्दुल कलाम कुरैशी, अवनीश यादव,जग्गू पाल, डॉ संजय सोनकर, संतोष पाल, शादाब अशरफ, पूजा सिंह, आदि लोग सम्मिलित थे।

खेसारीलाल यादव व शिप्रा गोयल का मचअवेटेड गाना 'रोमांटिक राजा काशी में हुआ रिलीज

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भव्य काशी यानी वाराणसी की पावन भूमि पर ट्रेंडिंग स्टार खेसारीलाल यादव और पंजाब पॉप सेंशेसन शिप्रा गोयल का मचअवेटेड गाना 'रोमांटिक राजा' रिलीज कर दिया गया है, जिसे सलमान खान के लिए कोरियोग्राफी कर चुके मुद्दसर खान ने डायरेक्ट किया है। वहीं यह गाना बारिश, हंसी बन गए, तुम्ही आना लिखने वाले कुणाल वर्मा ने लिखा है। इससे समझा जा सकता है कि यह गाना बड़ा गाना होगा, तभी इसका इंतजार भी ऑडियंस को बेसब्री से था।17 दिसम्बर शुक्रवार को यह गाना ब्लू बीट स्टूडियोज के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज हो चुका है और वायरल भी होने लगा है। 'रोमांटिक राजा' जहां खेसारीलाल यादव और शिप्रा गोयल की जोड़ी खूब पसंद की जा रही है, वहीं एक बार फिर मुद्दसर खान ने बता दिया कि क्यों वे देश के सबसे बड़े कोरियोग्राफर हैं। उन्होंने खेसारी और शिप्रा को अपने इशारों पर खूब नचाया है। तो कुणाल वर्मा के धुन पर अभिजीत वाघानी ने कमाल की तार छेड़ दी है, जो सीधे आपके जुबान पर चढ़ने वाली है। आपको बता दें कि खेसारीलाल यादव और शिप्रा गोयल के इस गाने का टीजर दो दिन पहले रिलीज हुआ था, जिसने मिलियन व्यूज का आंकड़ा पार कर दिया। इतना ही नहीं 'रोमांटिक राजा' टीजर टॉप 3 ट्रेंडिंग में भी आया, जो बड़ी उपलब्धी है। आपको बता दें

शिप्रा गोयल पंजाब से हैं, लेकिन उनकी अपब्रिंगिंग दिल्ली की है। वे एक मशहूर म्यूजिक फैमली से आती हैं, जहां से उन्हें संगीत विरासत में मिला है। निर्माण मुद्दसर खान के निर्देशन में ब्लू बीट स्टूडियो ने किया है। प्रोड्यूसर इशान कपूर हैं और कंसेप्ट विवेक सिंह का है। लिरिक्स कुणाल वर्मा का है और म्यूजिक अभिजीत वघानी का है। गाना 'रोमांटिक राजा' पीआरओ संजय भूषण पटियाला हैं।

संक्षिप्त खबरें

केराकत पुलिस द्वारा एक वारण्टी को भेजा गया न्यायालय

प्रखर केराकत जौनपुर। पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद जौनपुर के द्वारा अपराध एवं अपराधियों एवं वाँछित वारण्टी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी केराकत के पर्यवेक्षण एवं दिशा निर्देशन में थाना केराकत जौनपुर पुलिस द्वारा प्र0नि0 केराकत लक्ष्मण पर्वत के नेतृत्व मे आज दिनांक 17.12.2021 को माननीय न्यायालय द्वारा जारी एनबीडब्लू वारण्ट प्रोसेस सम्बन्धित मु0नं0 04/12 धारा 147/248/307/324/325/323/504/506 भादवि0 के अभि0 शोभनाथ पुत्र बंशी नि0 सिझवारा थाना केराकत जनपद जौनपुर न्यायालय मा0 एएसजे /FTC -3 जनपद जौनपुर द्वारा जारी वारण्ट के तहत वारण्टी को उसके घर से समय 07.30 बजे प्रातः गिरफ्तार कर चालान सम्बंधित माननीय न्यायालय किया गया शोभनाथ पुत्र बंशी नि0 सिझवारा थाना केराकत जनपद जौनपुर उम्र करीब 56 वर्ष प्र0नि0 लक्ष्मण पर्वत थाना केराकत जनपद जौनपुर उ0नि0 देवेन्द्र कुमार दुबे थाना केराकत जनपद जौनपुर का0 अनूप यादव थाना केराकत जनपद जौनपुर ।

स्वतंत्रता के 75वीं अमृत महोत्सव का आयोजन

प्रखर दानगंज वाराणसी। स्थानीय न्याय पंचायत मूर्दहा बाजार-हरहुआ वाराणसी मे स्वतंत्रता के 75वी वर्ष अमृत महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। समाज के हर वर्ग के लोग शामिल हुए महिलाओ की संख्या अधिक रही। वक्ताओ ने रानी लक्ष्मीबाई, कुंवर सिंह, लाल,वाल,पाल, वीर सावरकर, श्याम जी कृष्ण वर्मा, नेताजी सुवास, आजाद, भगत, आदि क्रान्तिकारियो को याद कर वन्देमातरम भारत माता की जय के नारे लगाए। वक्ताओ ने बताया कि आजादी प्राण न्योछावर करने से मिली न कि चरखे से आई अगर जो कहते है कि आजादी चरखे से आई तो यह स्वतंत्रता संग्राम सेनानियो का अपमान है। अध्यक्षता आनन्द प्रकाश दूबे , मुख्य अतिथि विनोद कुमार उपाध्याय प्रमुख हरहुआ, विशिष्ट अतिथि त्रिलोकी राम शास्त्री ,सम्बोधन ग्राम प्रधान भट्टपुरवा धर्मेन्द्र रघुवंशी, श्रवण मिश्रा,उमाकांत सिंह, सभा के बाद तिरंगा यात्रा निकाला गया जो वेदव्यास मूर्दहा आयर अहिरौली होते हुए पलही पट्टी चौराहे पर भारत माता की आरती के समापन किया गया संचालन- आनन्द प्रकाश सिंह ने किया । इस अवसर सत्य प्रकाश चौबे श्याम जी, स्वतंत्र, किशन प्रख्यात अमन आदि सैकड़ो सम्मानित जन उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार स्कूल वैन पलटी, बाल-बाल बचे बच्चे

प्रखर दानगंज वाराणसी। सुभाष चन्द्र महाविद्यालय की स्कूल वैन सुबह बच्चो को लेकर स्कूल जा रही थी। लश्करपुर नहर के पास वैन रफ्तार तेज होने की वजह से बस नहर में पलट गई। स्थानीय लोगों की माने तो सुभाष चन्द्र महाविद्यालय की ज्यादा से ज्यादा बसे तेज रफ्तार चलती है और सभी ड्राइवर क्षेत्रीय है । बार बार स्थानीय लोगों के समझाने के बाद भी ड्राइवर के रफ्तार में सुधार नही होता। जिसका खामियाजा मासूम बच्चो को भुगतना पड़ रहा है। भगवान का शुक्र है कि नहर सुखी थी जिस वजह से बहुत बड़ी दुर्घटना होते होते बच गई। समस्त अभिभावक से निवेदन है कि स्कूल प्रबंधन से बात कर के बसों के रफ्तार को लेकर बात करे ताकि आगे ऐसी अनहोनी न हो सके।

भारतीय पथ विक्रेता संघ ने हुकूलगंज वेंडिंग जोन के सैकड़ों पथ विक्रेताओं को ईश्रम कार्ड वितरण किया

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भारतीय पथ विक्रेता संघ ने हुकूलगंज वेंडिंग जोन के सैकड़ों पथ विक्रेताओं को उन्हीं के व्यवसाय स्थल हुकूलगंज वेंडिंग जोन में ईश्रम कार्ड वितरण किया तथा ईश्रम कार्ड के लाभ भी संस्था ने पथ विक्रेता को बताया । ईश्रम कार्ड वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा काशी महानगर मंत्री श्री विजय चौरसिया थे। संस्था द्वारा ईश्रम कार्ड वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से आशीष कुमार गुप्ता, बाकें लाल जी, रोशन अग्रहरि, लक्खू सोनकर, गुड्डू चौहान ,मंगल सिंह ,केवला देवी , जितेंद्र सोनकर, बबलू सोनकर, संतोष सोनकर, सूरज सोनकर, शिव जी चौरसिया ,भोलानाथ राजभर ,भैया लाल राजभर, रामजी भारद्वाज, रमेश राजभर, अजय राजभर, अनिल राजभर, अमरनाथ राजभर, तेजा राजभर, इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं